नई दिल्ली
मंगलवार 10 फरवरी 2026
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 298
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 13

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ.पैट्रिक हर्मिनी के साथ हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय-प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में पीएम मोदी ने की यह महत्वपूर्ण घोषणा

सेशेल्स के विकास को लगेंगे नए पंख, भारत देगा 175 मिलियन डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज: मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में दिनों दिन बढ़ते चीन के आक्रामक रुख के बीच सोमवार को राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ.पैट्रिक हर्मिनी के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का सबसे बड़ा निष्कर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की तरफ से सेशेल्स को उसके बहुआयामी विकास के लिए कुल 175 मिलियन डॉलर (125 मिलियन डॉलर (रूपी डिनॉमिनेटेड-लाइन ऑफ क्रेडिट होगा और 50 मिलियन डॉलर अनुदान सहायता के तहत दिया ▸▸शेष पेज 5 पर

पीएम ने समझाए आर्थिक पैकेज के मायने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य में सेशेल्स को दिए गए आर्थिक पैकेज के बारे में बताते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंधों की मजबूत नींव विकास साझेदारी है। भारत के सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित रहे हैं। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए ही आज हमने 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक ▸▸शेष पेज 5 पर

'परीक्षा पे चर्चा' में पीएम मोदी ने 2026 के दूसरे एपिसोड में देशभर के छात्रों से किया सीधा संवाद

खुद की तुलना दूसरों से बिल्कुल न करें और 'अपनी क्षमताओं' पर भरोसा रखें

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के दूसरे एपिसोड में देशभर के छात्रों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से निपटने, आत्मविश्वास बनाए रखने और पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि उत्सव की तरह लेने की सीख दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि परीक्षा जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे खुद की तुलना दूसरों से न करें और अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें। पीएम मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि दबाव में पढ़ाई करने से परिणाम बेहतर नहीं होते, बल्कि संतुलित दिनचर्या और सकारात्मक सोच ज्यादा जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा पे चर्चा का उद्देश्य परीक्षा को डर का कारण नहीं, ▸▸शेष पेज 5 पर

स्टूडेंट्स के साथ पेरेंट्स और टीचर्स को भी दी सलाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों से संवाद करते हुए

यह भी दी नसीहतें

- पढ़ाई के साथ स्किल डेवलपमेंट जरूरी
- आंसर राइटिंग का रोज अभ्यास करें
- सुबह जल्दी उठें और सूर्योदय देखें
- गहरी सांस लेने का अभ्यास करें
- छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं
- स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, आत्मविश्वास बनाए रखें
- अपनी ताकतों को पहचानें- हर छात्र की क्षमता अलग होती है
- धैर्य और आत्म-जागरुकता बनाए रखें
- छात्रों को एआई या मोबाइल फोन से डरना नहीं चाहिए बल्कि इसे सही तरीके से उपयोग करना सीखना चाहिए

inh 24×7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शरद पवार की तबीयत खराब, इलाज जारी

पुणे। राज्यसभा सांसद शरद पवार की तबीयत खराब हो गई। उन्हें पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें बुखार, खांसी की समस्या है। शरद पवार के कार्यालय की ओर से यह जानकारी दी गई है। शरद पवार का पहले बारामती में इलाज चल रहा था, तबीयत में सुधार न होने पर उन्हें पुणे के रूबी क्लिनिक ले जाया गया।

भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.4% रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने रिपोर्ट जारी की है। अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 6.4% की दर से बढ़ेगी। रफ्तार के साथ भारत जी-20 देशों के समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि भारत की इस मजबूत आर्थिक वृद्धि के पीछे सरकार द्वारा उठाए गए कदम हैं।

मंत्री विजय शाह मामले की सुनवाई टली

नई दिल्ली। मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया पर बयान के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। जैसे ही सुनवाई का समय आया, कोर्ट का समय समाप्त हो गया। अब इस मामले में आगामी दिनों में सुनवाई होगी। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट पहले ही पेश की जा चुकी है। उम्मीद थी कि कार्यवाही को लेकर कोई निर्णय होगा।

बजट पर चर्चा को तैयार सरकार, विपक्ष राहुल गांधी से चाहता है शुरुआत

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को न बोलने देने के मामले में गतिरोध बरकरार, नहीं चली कार्रवाई

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बना हुआ गतिरोध टूटने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार की मंशा सदन में बजट पर चर्चा कराने की है। तो वहीं, विपक्ष सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) राहुल गांधी को सदन में अपनी बात रखने देने की मांग पर अड़ा हुआ है। नतीजा सिफर, सोमवार को भी पुराने अंदाज में दोनों पक्षों का आमना-सामना हुआ और विपक्ष के हंगामे के बीच कार्रवाई को दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इन सबके बीच विपक्ष खासकर कांग्रेस की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के एक पुराने बयान के खिलाफ नाराजगी के साथ अपना विरोध जताते हुए उन्हें एक पत्र लिखा है। ▸▸शेष पेज 5 पर

कांग्रेस की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ जताई नाराजगी, लिखा पत्र

संसद भवन में विपक्ष की तरफ से सुनाई दी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की सुगबुगाहट

बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष अपनी एकजुट रणनीति के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। 9 फरवरी को इस संबंध में जरूरी प्रक्रिया के तहत विरोधी दल के कई नेताओं, सांसदों ने हस्ताक्षर के साथ अपनी लिखित स्वीकृति भी दे दी है। जिसके हिसाब से अब आगामी दिनों में बजट सत्र के दौरान कभी भी यह अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में लाया जा सकता है।

हंगामे के बीच नहीं हुआ प्रश्नकाल

सुबह 11 बजे कार्रवाई की शुरुआत के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सबसे पहले समूच सदन की तरफ से भारत की अंडर 19 क्रिकेट टीम द्वारा जिम्बाब्वे में इंग्लैंड की टीम को हराकर 2026 का विश्व कप जीतने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि टीम ने अद्भुत कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए ये सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। जिससे देश के बाकी युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। इसके तुरंत बाद उन्होंने प्रश्नकाल शुरू किया। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी सीट से खड़े हुए और बोलने की इच्छा जताने ▸▸शेष पेज 5 पर

थरूर बोले, राहुल को पहले बोलने दीजिए

दोपहर 12 बजे भी सदन के हालात नहीं बदले। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तन्नेटी ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाने के बाद बजट पर चर्चा शुरू की। जिसमें उन्होंने बोलने के लिए कांग्रेस पार्टी की तरफ से वरिष्ठ सांसद शशि थरूर का नाम पुकारा। लेकिन तभी विपक्षी दल के अन्य सांसदों ने राहुल गांधी को पहले मौका देने की मांग की। खुद थरूर बोले की मुझसे पहले नेता प्रतिपक्ष को बोलने दिया जाए। लेकिन पीठासीन सभापति ने उन्हें रोकते हुए कहा कि आपकी पार्टी की तरफ से मुझे बजट पर चर्चा के लिए आपका नाम ही दिया गया है। एलओपी क्या बजट पर बोलना चाहते हैं?... नहीं तो फिर आप बोलिए। इसी वाद-विवाद के बीच हंगामा जारी रहा और तन्नेटी ने 12 बजकर 7 मिनट पर सदन की कार्रवाई को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

राहुल-रिजिजू के बीच नोकझोंक

दोपहर 2 बजे जैसे ही सदन की कार्रवाई शुरू हुई। पीठासीन सभापति संध्या राय ने बजट पर चर्चा शुरू की। विपक्ष फिर से अपने पुराने अंदाज में एलओपी को बोलने देने की मांग के साथ हंगामा करने लगा। तभी संध्या ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में आ चुकी हैं। क्या विपक्ष बजट पर चर्चा करना नहीं चाहता है। हंगामे के बीच उन्होंने राहुल गांधी को भी बोलने का मौका दिया। जिसके साथ ही नेता प्रतिपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से ▸▸शेष पेज 5 पर

एक खुले हुए, स्वतंत्र आईओआर को दिया समर्थन

प्रधानमंत्री ने कहा, रक्षा सहयोग और समुद्री सुरक्षा हमारी साझेदारी का मुख्य स्तंभ हैं। कोलंबो सुरक्षा संवाद से पूर्ण सदस्य के तौर पर हम सेशेल्स का स्वागत करते हैं। जिससे हमारा आपसी समन्वय सुदृढ़ होगा और हिंद महासागर में शांति, स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि सेशेल्स भारत के महासागर विजन में मुख्य समुद्री भागीदार है। जिसे देखते हुए भारत सेशेल्स की समुद्री सुरक्षा और रक्षा जरूरतों को प्रतिबद्धता के साथ लगातार पूरा करने के लिए सहयोग ▸▸शेष पेज 5 पर

तकनीक, क्षमता विकास में बढ़ेगा सहयोग

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में पैट्रिक हर्मिनी की ये पहली भारत यात्रा है। ये एक ऐसे मौके पर हो रही है, जब सेशेल्स अपनी स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। वहीं, दोनों देश भी अपने राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारा नाता कल, आज और आने वाले कल का है। एक समुद्री पड़ोसी और विश्वसनीय साझेदार के रूप में सेशेल्स भारत के महासागर विजन का अभिन्न अंग है। हमारे सहयोग में जल, थल और नभ शामिल हैं। तकनीक के क्षेत्र में दोनों देश अपने करीबी सहयोग से भविष्य की दिशा दे रहे हैं। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर एमओयू हुआ है, जिसके तहत हम भारत का सफल अनुभव सेशेल्स के साथ साझा करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सेशेल्स ▸▸शेष पेज 5 पर

इन विषयों पर हुए एमओयू, घोषणाएं

बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कुल 6 एमओयू हुए हैं। जिनमें खाद्य, सेशेल्स के सिविल सर्वेंट्स के भारत में प्रशिक्षण, समुद्री सेवाओं, सफल डिजिटल समाधानों के जरिए ज्ञान को साझा करने, तकनीकी-वैज्ञानिक सहयोग और दोनों देशों के स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच औषधकोष के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा दोनों देशों की सरकारों के मध्य 2026 से 2030 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आदान-प्रदान को ▸▸शेष पेज 5 पर

भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद पर पूर्णतः रोक लगाने को लेकर जारी कयासों के बीच विदेश सचिव ने स्पष्ट किया भारत का रुख

तेल की खरीद को लेकर किसी एक के भरोसे नहीं भारतः मिस्त्री

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

बीते दिनों भारत-अमेरिका के बीच हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का मुख्य आधार माने जाने वाले निर्णय यानी भारत द्वारा रूस से सस्ते दाम पर की जा रही तेल की खरीद पर पूरी तरह से रोक लगाने को लेकर जारी चर्चाओं और कयासों के बीच सोमवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने मामले पर देश की स्थिति को पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है। जिसमें उन्होंने रूस का नाम लिए बगैर कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की खरीद को लेकर किसी एक के भरोसे पर नहीं है। बल्कि हम दर्जनों देशों से तेल की खरीद कर रहे हैं। किसी एक देश या स्रोत पर हमारी निर्भरता नहीं है, न ही हमारा ऐसा कोई इरादा है। इस मामले में भारत के राष्ट्रीय हित यानी हमारे घरेलू उपभोक्ताओं की ऊर्जा आवश्यकताओं की हर हाल में पूर्ति करना ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। फिर निर्णय चाहे सरकार का हो या फिर व्यावसायिक पक्ष जैसे तेल कंपनियां लें। उसके केंद्र में राष्ट्रीय हित ही हमेशा शीर्ष में रहेंगे। हमारा डेटा मेरे इस कथन की पुष्टि करता ▸▸शेष पेज 5 पर

राजधानी में सोमवार को भारत-ग्रीस के रक्षा मंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक से निकला ये अहम निष्कर्ष

रक्षा औद्योगिक सहयोग होंगे मजबूत संयुक्त घोषणापत्र पर किए हस्ताक्षर

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भारत और ग्रीस (हेलेनिक गणराज्य) के रक्षा मंत्रियों के बीच सोमवार को राजधानी में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूती प्रदान करने के लिए एक संयुक्त आशय घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना 2026 का आदान-प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि इस बैठक में भारत की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके ग्रीस के समकक्ष यानी रक्षा मंत्री निकोलाओस-जॉर्जियोस ▸▸शेष पेज 5 पर

घोषणापत्र के खास बिंदु

मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच जिस संयुक्त आशय घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उसमें भारत के आत्मनिर्भर भारत और एजेंडा 2030 के तहत ग्रीस के रक्षा सुधारों के मध्य साझेदारी के जरिए अपने-अपने स्वदेशी रक्षा उद्योगों की क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। ये घोषणापत्र पंचवर्षीय रोडमैप तैयार करने का एक प्रारंभिक बिंदु है। दोनों शीर्ष मंत्रियों ने रणनीतिक साझेदारी को शांति, स्थिरता, ▸▸शेष पेज 5 पर

फिलहाल, वीडियो हटाए जाने के बावजूद विवाद थमा नहीं है

हिमंता बिस्वा सरमा के 'पॉइंट-ब्लैंक' वीडियो पर सियासी तूफान, विपक्ष ने बताया 'नरसंहार का आह्वान', असम भाजपा ने वीडियो किया डिलीट

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से जुड़े एक वीडियो को लेकर देश की राजनीति में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में मुख्यमंत्री को फ्रेम की गई तस्वीरों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया, जिसमें एक तस्वीर असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई की बताई जा रही है, जबकि दूसरी तस्वीर एक मुस्लिम व्यक्ति की है। जिस दीवार पर तस्वीरें टंगी थीं, उस पर "नो मर्सी" (कोई दया नहीं) लिखा हुआ दिखाई देता ▸▸शेष पेज 5 पर

कांग्रेस का तीखा हमला

कांग्रेस ने इस वीडियो को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसे "नरसंहार का आह्वान" करार देते हुए कहा कि यह कोई सामान्य या ट्रोल कंटेंट नहीं है, बल्कि सत्ता के शीर्ष से फैलाई जा रही नफरत है। उन्होंने कहा,"यह उसी सोच का प्रतिबिंब है, जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से संजोता आया है। इस तरह के कृत्य के लिए जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।"

कांग्रेस ने इस मामले में न्यायपालिका से हस्तक्षेप की भी मांग की है।

कांग्रेस के आधिकारिक बयान में कहा गया कि भाजपा का यह वीडियो अल्पसंख्यकों के खिलाफ लक्षित हिंसा का महिमामंडन करता प्रतीत होता है और इसे किसी भी सूरत में हल्के में नहीं लिया जा सकता। पार्टी ने इसे सामूहिक हिंसा और नरसंहार के संकेत के रूप में बताया।

अन्य दलों की प्रतिक्रिया

इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। पार्टी ने कहा कि इस तरह की घटनाओं ने भारतीय राजनीति को "प्रदर्शनीय रक्तपिपासा, सामान्यीकृत नफरत और अल्पसंख्यकों के अमानवीकरण" की दिशा में धकेल दिया है। तृणमूल ने भी इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। विपक्षी दलों का कहना है कि इस तरह की सामग्री सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के लिए गंभीर खतरा है। उनका आरोप है कि बीते वर्षों में नफरत और ध्रुवीकरण को सामान्य बनाने की कोशिश की गई है और यह वीडियो उसी प्रवृत्ति का उदाहरण है। फिलहाल, वीडियो हटाए जाने के बावजूद विवाद थमा नहीं है। विपक्ष इस मामले में जवाबदेही और कानूनी कार्रवाई की मांग पर अड़ा हुआ है, जबकि यह प्रकरण देश में राजनीतिक बयानबाजी और सामाजिक तनाव को और तेज करता दिख रहा है।

दिल्ली सरकार का संकल्प, प्रदूषण के खिलाफ 365 दिन चलेगा अभियान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 6 नए वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन और 100 'वायु रक्षक' पहल का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने की दिशा में एक और निर्णायक कदम उठाते हुए सोमवार को 6 नए वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन और 100 'वायु रक्षक' पहल का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री का कहना है कि प्रदूषण के विरुद्ध लड़ाई केवल सर्दियों की नहीं, बल्कि पूरे साल चलने वाला अभियान है और दिल्ली सरकार इसके लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा व पर्यावरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने निगरानी स्टेशनों का ऑनलाइन उद्घाटन किया और

'वायु रक्षक' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि दिल्ली में पिछली सरकार की घोर लापरवाही के चलते वायु प्रदूषण लगातार गंभीर बन गया, जिसे नियंत्रित करने के लिए उनकी सरकार लगातार गंभीर व प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण पर काम करना सिर्फ तीन-चार महीनों की जिम्मेदारी नहीं है। यह 365 दिन का विषय है। दिल्ली सरकार अपने संकल्प को आज फिर दोहरा रही है कि राजधानी को साफ, स्वच्छ और सांस लेने योग्य हवा देना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एयर क्वालिटी डेटा पूरी तरह पारदर्शी होता है जिसे किसी भी स्तर पर बदला नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि पीएम 10 और पीएम 2.5 का डेटा हर घंटे और अन्य पैरामीटर्स का डेटा हर 5 मिनट में ऑनलाइन अपडेट होता है। यह डेटा सार्वजनिक है, छुपाया नहीं जा सकता। हमारी सरकार पारदर्शिता के साथ पालिसी बनाने में विश्वास करती है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों की नीति पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पहले सोच यह थी कि थोड़े दिन शोर मचाओ और फिर भूल जाओ। स्मॉग टॉवर जैसे दिखावटी उपाय किए गए, जिनका कोई स्थायी प्रभाव नहीं पड़ा। हमारी सरकार समस्या की जड़ तक जाकर समाधान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (डीटीसी) आज देश में लगभग 4 हजार ईवी बसों का सबसे बड़ा बेड़ा रखती है और 2028 तक 14 हजरी क्लीन फ्यूल बसों को दिल्ली में लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही कूड़े के पहाड़ को खत्म करने, वेस्ट टू एनर्जी, मिस्ट स्प्रे, लिटर पिकर, मैकेनिकल रोड स्वीपर, एंटी स्मोग और ग्रीन कवर का विस्तार जैसे कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लंबी है, रोज काम करना होगा और हम करके रहेंगे। दिल्ली को बेहतर हवा भी देंगे और हरी-भरी दिल्ली भी बनाएंगे।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि बताया कि 2024 में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) में 233 पद रिक्त थे, जिनमें से 157 पद केवल 11 महीनों में भर दिए गए, जो पिछली 10 वर्षों की तुलना में लगभग दोगुना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 15 साल कांग्रेस और 10 साल आम आदमी पार्टी ने शासन किया, लेकिन किसी ने स्थायी समाधान नहीं निकाला। आज पहली बार पोल्युशन के सोर्स पर काम हो रहा है।

सीएम ने गोवा क्लब आग हादसे में जान गंवाने वाले परिजनों को सौंपी 10-10 लाख की सहायता राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

गोवा के अरपोरा में 6 दिसंबर 2025 को 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब में लगी भीषण आग में दिल्ली के सादतपुर एक्सटेंशन निवासी व्यवसायी विनोद कुमार (42), अनिता जोशी (42), सरोज जोशी (41) और कमला जोशी (44) की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों को खोने वाली पीड़िता भावना जोशी और अन्य परिजनों को सोमवार को दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 10-10 लाख रुपए (कुल 40 लाख रुपये) की सहायता राशि सौंपी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं करावल नगर से विधायक कपिल मिश्रा उपस्थित रहे। दिल्ली सरकार ने इस गंभीर त्रासदी में पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहते हुए हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। वहीं मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि गोवा आग हादसे में दिल्ली के एक ही परिवार के चार सदस्यों की मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक थी। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही का परिणाम भी थी। हादसे के तुरंत बाद वो परिजनों से जाकर मिले और मुख्यमंत्री द्वारा मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा से अवगत कराया। सोमवार को मुख्यमंत्री ने परिजनों से मिलकर संवेदना जताई और हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया साथ ही कुल 40 लाख रुपए की सहायता राशि सौंपी गई। पीड़िता भावना जोशी ने कहा कि इस हादसे ने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी है। एक ही पल में मैंने अपने परिवार के चार लोगों को खो दिया। अब मेरे ऊपर तीन बुजुर्ग माता-पिता और चार बच्चों की जिम्मेदारी आ गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा दी गई सहायता इस मुश्किल समय में मेरे लिए बहुत बड़ा सहारा है।

रुकी हुई पेंशन राशि जारी करने पर सेवानिवृत्त डीटीसी कर्मियों ने सीएम को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। सेवानिवृत डीटीसी कर्मचारियों के संगठन पर डीटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलकर रुकी हुई पेंशन व डीटीसी को 1200 करोड़ रूपया जारी करने पर धन्यवाद दिया। इस बारे में डीटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के महासचिव बाला दत्त ने बताया कि डीटीसी के हजारों पेंशनधारियों को पिछले दो माह से पेंशन का भुगतान नहीं हो रहा था। जिस पर कर्मचारी संघ ने इसी माह 4 फरवरी 2026 को जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री को डीटीसी के 18000 पेंशनधारियों की पीड़ा से अवगत कराया था। बाला दत्त ने बताया कि सीएम से मुलाकात के दूसरे ही दिन 5 फरवरी 2026 को डीटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ की एक बैठक ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के साथ हुई। उसके तत्पश्चात दिल्ली सरकार ने 1200 करोड़ रुपये डीटीसी के सेवारत कर्मचारियों के वेतन तथा पेंशन धारियों की पेंशन के लिए डीटीसी को बजट के रूप में जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा डीटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दुख दर्द को समझना और तुरंत उसका समाधान करने पर कर्मचारी संघ मुख्यमंत्री व परिवहन आयुक्त का बहुत-बहुत धन्यवाद करता है। उन्होंने कहा कि डीटीसी के वर्तमान व सेवानिवृत कर्मचारी तथा संगठन यह उम्मीद करता है कि सीएम रेखा गुप्ता के दिशा निर्देश पर भविष्य में वेतन व पेंशन आदि की राशि समय से जारी होती रहेगी।

एमसीडी के नियम ना मानने वालों के किए गए चालान

नई दिल्ली। स्वच्छता व्यवस्था और यात्रियों के लिए सुगम आवागमन को लेकर सड़क पर अवैध अतिक्रमण करने वालों को बार-बार समझाया गया और अपील की गई लेकिन जब नहीं माने तो एक्शन शुरू कर दिया गया। दिल्ली नगर निगम के सिविल लाइन जोन की वार्ड समिति के अध्यक्ष गुलाब सिंह राठौर ने सोमवार को यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि नियमों का पालन नहीं करने वाले करीब 22 लोगों के सोमवार को चालान किए गए। उन्होंने बताया कि 'वार्ड 8, मुकुंदपुर' की मार्केट में अवैध रूप से दुकानों के आगे रेहड़ी/पटरी लगाने के मामलों पर अब सख्ती जरूरी हो गई है। वार्ड समिति अध्यक्ष ने बताया कि इसे देखते हुए सोमवार को निगम के संबंधित विभाग के अधिकारियों ने मौके पर अनाउंसमेंट कराई और जिन दुकानों के सामने अवैध रूप से रेहड़ी/पटरी लगाई गई थी, उनके चालान काटे गए। गुलाब सिंह राठौर ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था, आम जनता की सुविधा और कानून के सम्मान के लिए की गई है।

रोहिणी जोन उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए स्वच्छता के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के रोहिणी जोन की उपायुक्त रिशिता गुप्ता ने सोमवार को वार्ड नंबर 37 (किराड़ी) में स्थित मुबारकपुर मेन रोड का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान और सफ़ाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया। निरीक्षण के दौरान जलभराव रोकने के लिए '24×7 डीसिल्टिंग कार्य' सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही क्षेत्र में सैनिटेशन व्यवस्था को सुदृढ़ करने, मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा स्प्रे नियमित रूप से करने पर जोर दिया गया। उपायुक्त रिशिता गुप्ता ने अधिकारियों को कूड़ा फैलाने वालों के खिलाफ चालान जारी करने और सार्वजनिक शौचालयों (सीटीयू) से

कचरे का समय पर उठान सुनिश्चित करने के सख़्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और मौके पर ही आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। एमसीडी प्रशासन ने आश्वासन दिया कि क्षेत्रवासियों को जलभराव और गंदगी से राहत दिलाने के लिए सतत निगरानी जारी रहेगी।

गड्ढे में गिरने वाले मृतक कमल के घर पहुंचे दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष, कहा हम परिवार के साथ

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, एक गड्ढे में गिरकर मरने वाले कमल ध्यानी के परिवार से मिलने पहुंचे और शोक और संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हम न्याय मिलने तक परिवार के साथ खड़े रहेंगे। इस अवसर पर यादव ने मृतक कमल की फोटो फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और दुखी परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने पीड़ित परिवार से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार की घोर लापरवाही व भ्रष्टाचार के चलते नवयुवक कमल काल के गाल में समा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर हाल में पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाकर ही रहेगी। कांग्रेस पुन मांग करती है कि दिल्ली सरकार कमल के परिवार वालों को एक करोड़ का मुआवजा दे। बेशक मौत की भरपाई नहीं की जा सकती लेकिन कमल की कमाई से उनके परिवार की अजीविका चलती थी, उसके लिए मदद तो चाहिए। इस अवसर पर यादव के साथ जिला अध्यक्ष धर्मपाल चंदेला, राजेश यादव और वीरेंद्र शर्मा, आर्ज्जवर तस्वीर सोलंकी, लक्ष्मण रावत, जे.पी. पवार, सुषमा यादव आदि शामिल थे। यादव ने कहा कि कांग्रेस ने उपराज्यपाल से गड्ढे में गिरने से कमल की मौत की जांच की मांग दिल्ली उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जज से कराने की भी मांग की थी ताकि दोषियों की पहचान हो और मृतक को इंसाफ मिल सके। उन्होंने कहा कि जांच में पुलिस की भूमिका की भी सच्चाई सामने आएगी। क्योंकि 2 किलोमीटर के दायरे में पुलिस रात भर कमल के दुर्घटना स्थल को ट्रेस नहीं कर पाई थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपनी नाकामियां को छुपाने के लिए आनन फानन में दिल्ली जल बोर्ड की कमियों की शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन नम्बर 1916 जारी कर दिया, यह भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार की काम चलाउ कार्यशैली को उजागर करता है।

रेखा सरकार का एक वर्ष नारी सशक्तिकरण के नाम महिलाएं बनीं विकसित दिल्ली की ड्राइविंग फोर्स नारी सशक्तिकरण के मिशन पर रेखा सरकार

'जब एक महिला सशक्त होती है, तो पूरा परिवार और अंततः पूरा समाज आगे बढ़ता है': रेखा गुप्ता

सुरक्षा, सुविधा और स्वावलंबन हर कदम पर महिलाओं के साथ खड़ी रेखा सरकार

नई दिल्ली

इस विश्वास को ज़मीन पर उतारते हुए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने अपने पहले ही वर्ष में महिला सशक्तिकरण को शासन के केंद्र में रखा है। आज दिल्ली केवल इमारतों और सड़कों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास से भरी महिलाओं की भागीदारी से आगे बढ़ रही है। दिल्ली की बदलती तस्वीर इस बात की गवाह है कि सरकार ने महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की साझेदार बनाया है।

सुरक्षा और सुविधा का 'पिंक कवच'

महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा को केंद्र में रखते हुए दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर महिला–अनुकूल बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। राजधानी के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक क्षेत्रों में 250 आधुनिक 'पिंक टॉयलेट्स' स्थापित करने का कार्य जारी हैं, जो महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक सुविधाएँ सुनिश्चित करेंगे। साथ ही इनमें नैपकिन वेंडिंग मशीन, फीडिंग रूम और महिला सुरक्षा गाइर्स की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी । वर्तमान में एमसीडी द्वारा विभिन्न जोन के बाजार क्षेत्रों में 31 पिंक टॉयलेट्स कार्यरत है। यह पिंक टॉयलेट्स महिलाओं द्वारा ही ऑपरेट किये जा रहे हैं ।

इसके साथ ही, दिल्ली में सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए 10,000 सीसीटीवी कैमरे और 1 लाख स्मार्ट सेंसर्ड एलईडी लाइट्स लगाई जा रही हैं, जिससे महिलाएं दिन हो या रात निश्चिंत होकर सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सकें।

कामकाजी माताओं के लिए पालना: भरोसे का सहारा

महिला सशक्तिकरण का असली अर्थ तभी है जब मातृत्व और कार्य—दोनों को संतुलित किया जा सके। इसी सोच के तहत दिल्ली सरकार ने 502 'पालना—आंगनवाड़ी सह क्रेच केंद्र' शुरू किए हैं। इन केंद्रों में 6 महीने से 6 वर्ष तक के 5000 से अधिक बच्चों को सुरक्षित माहौल, पौष्टिक भोजन और प्रारंभिक शिक्षा दी जा रही है। यहां बच्चों की देखभाल करने वाली कार्यकर्ताओं को स्नेह से 'मौसी' कहा जाता है। इन केंद्रों से हजारों कामकाजी माताओं को मानसिक सुकून और पेशेवर स्वतंत्रता मिली है।

शिक्षा, न्याय और सम्मान—हर मोर्चे पर सहयोग

शिक्षा, न्याय और सम्मान के क्षेत्र में भी सरकार ने ठोस और संवेदनशील पहल की है। दृष्टिबाधित बेटियों के लिए तिमारपुर में अटल दृष्टि गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण किया गया है, जहाँ 96 छात्राओं को सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। महिलाओं को समयबद्ध न्याय दिलाने की दिशा में 53 नए न्यायिक पदों को स्वीकृति दी गई है, जिससे फास्ट ट्रैक अदालतों के सुदृढ़ीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके साथ ही दिल्ली में संकटग्रस्त महिलाओं के लिए संचालित पेंशन योजना के तहत 3,96,591 लाभार्थियों को आधार आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 2,500 रुपए प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जा रही है। महिलाओं और माताओं के पोषण स्तर को मजबूत करने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराने के लिए फोर्टिफाइड दूध सैशे वितरण की टेंडर प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। यह पहल विभाग द्वारा पहली बार शुरू की जा रही है, जिसका लक्ष्य लक्षित लाभार्थियों में पोषण संबंधी कमियों को दूर करना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना है।

रसोई की चिंता अब महिलाओं के सिर से हुई हल्की!

दिल्ली सरकार ने महिलाओं के घरेलू बोझ को कम करने के लिए 'रसोई का सुरक्षा कवच' तैयार किया है। 17.5 लाख पात्र परिवारों को हर साल होली और दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जाएगा। इस योजना के लिए 242 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है और सहायता सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर होगी। यह निर्णय महिलाओं की रोजमर्रा की चिंता कम करने और घरेलू सम्मान बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है।

आर्थिक आजादी: 'जॉब सीकर' से 'जॉब गिवर' तक का सफर

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का स्पष्ट मानना है कि महिला सशक्तिकरण की नींव आर्थिक स्वतंत्रता है। इसी उद्देश्य से महिलाओं के लिए 10 करोड़ तक के कोलेटरल-फ्री **MSME** लोन की व्यवस्था की गई है, ताकि महिलाएं बिना संपत्ति गिरवी रखे अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। इसके साथ ही, महिलाओं को उनकी सहमति से नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी गई है, जिसमें सुरक्षित परिवहन, सीसीटीवी निगरानी और ओवरटाइम भुगतान जैसे कड़े सुरक्षा मानक तय किए गए हैं।

सुरक्षा और स्वावलंबन का एक साल

- 502 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच केंद्र शुरू—5,000 से अधिक बच्चे नामांकित
- 10 करोड़ रुपए लोनः महिलाओं के लिए कोलेटरल-फ्री एमएसएमई ऋण की सुविधा।
- प्रस्तावित 250 पिंक टॉयलेट्स : नैपकिन वेंडिंग मशीन और फीडिंग रूम से लैस।
- महिलाओं की पेंशन योजनाः 3.96 लाख महिलाओं को 2,500 रुपए प्रतिमाह DBT के जरिये
- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पहली बार फोर्टिफाइड दूध उपलब्ध कराने का सार्थक कदम

बदलती दिल्ली की नई सोच

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के लिए विकास का अर्थ केवल आंकड़े नहीं, बल्कि आम महिला की मुस्कुराहट है। सरकार का विजन 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' से आगे बढ़कर 'बेटी बढ़ाओ' और 'महिला नेतृत्व वाले विकास' का है। आज दिल्ली की हर बेटी यह गर्व से कह सकती है कि उसके साथ एक ऐसी सरकार खड़ी है, जो उसके सपनों को पंख देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

DIP/Shabdarth/Advertorial/0127/25-26

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया उद्घाटन

जीबी पंत अस्पताल में 31 करोड़ की लागत से कई अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल में 31 करोड़ रुपए की लागत की अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पंत अस्पताल में 256-स्लाइस स्पेक्ट्रल सीटी स्कैनर, नई कैथ लैब तथा अत्याधुनिक 16 बिस्तरों वाला न्यूरो आईसीयू व ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स जनता को समर्पित किया गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में नवीनतम कंप्यूटरीकृत टोमोग्राफी (सीटी) स्कैनर से तंत्रिका और हृदय संबंधी विकारों एवं कैंसर का त्वरित पता लगाने में मदद मिलेगी और यह जीवनरक्षक साबित होगा। मुख्यमंत्री ने 'कैथ लैब' के उद्घाटन को 1964 में स्थापित इस अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं में एक बड़ी छलांग बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सभी अस्पतालों में ऐसी नवीनतम चिकित्सा अवसंरचना होनी चाहिए, ताकि शहर को स्वास्थ्य सेवा केंद्र बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

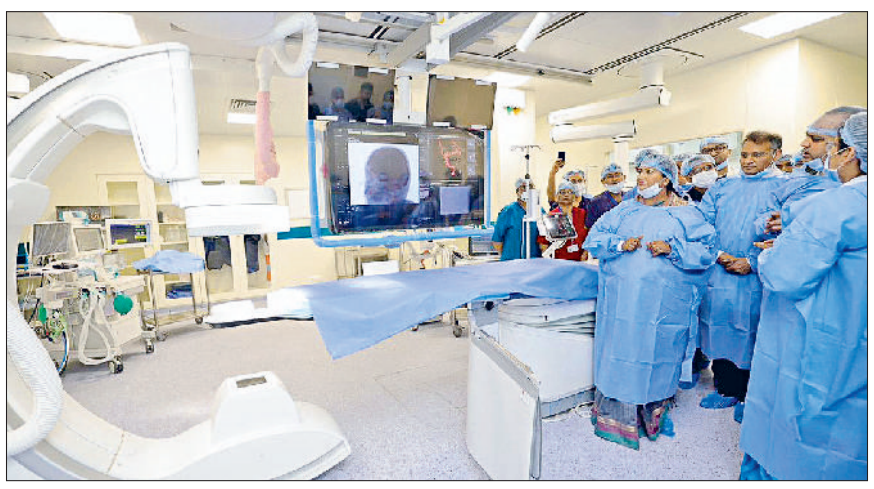

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि जीबी पंत अस्पताल में स्थापित 256-स्लाइस सीटी स्कैनर अपनी श्रेणी का अत्यंत आधुनिक उपकरण है और उत्तर भारत में यह पहला ऐसा सीटी स्कैनर है, जिसे किसी सरकारी अस्पताल में स्थापित किया गया है। यह मशीन कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, न्यूरोलॉजिकल समस्याओं और एंजियोग्राफी से जुड़ी बीमारियों की त्वरित और सटीक पहचान में सहायक सिद्ध होगी तथा कई मामलों में जीवन रक्षक की भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि कैथ लैब से गंभीर न्यूरोवैस्कुलर बीमारियों का इलाज करने में डॉक्टरों को मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को वैश्विक स्वास्थ्य केंद्र बनाने के विज़न के अनुरूप दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि राजधानी दिल्ली भी एक प्रमुख हेल्थ हब के रूप में उभरे, जहां देश और दुनिया से लोग इलाज के लिए आएं।

20 करोड़ रुपये की लागत की 256-स्लाइस स्पेक्ट्रल सीटी स्कैनर मशीन उत्तर भारत का पहला ऐसा सीटी स्कैनर है, जिसमें 'ऑलवेज-ऑन' स्पेक्ट्रल इमेजिंग तकनीक उपलब्ध है। इस तकनीक की मदद से शरीर के अंदरूनी अंगों की बेहद स्पष्ट और सटीक जांच कुछ ही सेकंड में संभव हो सकेगी। इससे हृदय रोग, कैंसर, मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियों, स्ट्रोक और एंजियोग्राफी जैसी जटिल जांचों में तेज और सही निदान हो पाएगा। साथ ही, इसमें रेडिएशन की मात्रा भी कम रखी गई है, जिससे मरीजों की सुरक्षा और बेहतर होगी।

नई सुविधाओं से दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था होगी मजबूत : डॉ. पंकज

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि जीबी पंत अस्पताल में समर्पित की गई नई सुविधाएं दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि इन अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से अब दिल्ली के नागरिकों को न्यूरो और डायग्नोस्टिक उपचार के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और उन्हें समय पर सुलभ इलाज मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि न्यूरो आईसीयू को नवीनतम तकनीक से अपग्रेड किया गया है और नया कैथ लैब शुरू किया गया है, जिससे स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर और अन्य जटिल न्यूरो समस्याओं का त्वरित इलाज संभव हो पाएगा। यह सुविधाएं विशेष रूप से गंभीर मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होंगी।

नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़

- बड़ी मात्रा में दवाईयां जब्त
- कुल आठ लोग अब तक किये जा चुके है गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा साइकोट्रॉपिक दवाओं के कार्टेल को खत्म करने का अंतर्राज्यीय अभियान जारी है। अब पटना में नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। बड़े पैमाने पर उपकरण, नकली सिरप, पैकेजिंग सामग्री बरामद कर सील की गई। इस कार्टेल से जुड़े कुल आठ लोग अब तक गिरफ्तार किये जा चुके हैं। आठवीं गिरफ्तारी फैक्ट्री मालिक के बेटे की हुई। डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसार एएनटीएफ ने पटना में चल रही नकली दवा बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में 8वें आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी भी हुई। फैक्ट्री से हजारों नकली सिरप की बोतलें।

सिरप बनाने के लिए सैकड़ों लीटर रसायन, व्यावसायिक आकार के मिक्सिंग उपकरण, रसायन रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रम और हजारों खाली बोतलें व कैप जब्त की गई। तनिष्क झा (24) नामक एक शातिर आरोपी को भी गिरफ्तार किया, जो बड़े पैमाने पर कच्चा माल और साइकोट्रॉपिक प्रकृति की संसाधित नकली दवाएं ले जा रहा था। इस कार्रवाई से एक बड़े नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। केस में सबसे पहले लाजपत नगर में अनिरुद्ध निवासी जैतपुर को लगभग दो किलोग्राम ट्रामाडोल पाउडर के साथ पकड़ा था। इसके बाद यह मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। इसके बाद कई राज्यों में छापों के बाद छह और लोगों को गिरफ्तार किया गया जो अलग-अलग राज्यों से साइकोट्रॉपिक पदार्थों की बड़े पैमाने पर तस्करी में शामिल थे। उनसे 50 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत के 48 किलोग्राम से ज्यादा साइकोट्रॉपिक केमिकल व दवाएं बरामद की गई।

आरोपी तनिष्क का नाम इस कार्टेल में एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर सामने आया था। आरोपी तनिष्क के पिता दूसरी दवाएं सिरप बनाने वाली नकली फैक्ट्री चलाते थे। ज्यादातर सिरप के नाम लोकप्रिय नामों से थोड़े अलग थे। तनिष्क झा मूल रूप से बिहार का रहने वाला। वह अपने पिता की फैक्ट्री में काम करने की आड़ में साइकोट्रॉपिक दवाएं बनाने में इस्तेमाल होने वाले बड़े पैमाने पर केमिकल की तस्करी करता था और उन्हें दूसरे राज्यों में भेजता है। क्राइम ब्रांच अवैध ड्रग सप्लाई में शामिल अन्य अपराधियों को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी रखे हुए है।

मंगोलपुरी में किशोर की सिर में चाकू मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में सोमवार सुबह कुछ अज्ञात हमलावरों ने एक किशोर की सिर में चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक 10वीं कक्षा में पढ़ता था। हत्या की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है।

पुलिस केस दर्ज कर हमलावरों की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार सिर में चाकू मारे जाने के कारण छात्र को गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस को जिस समय किशोर मिला तो चाकू उसके सिर में ही फंसा हुआ था। पुलिस ने बताया कि छात्र पर उस समय हमला किया गया जब वह सुबह स्कूल जा रहा था। घायल छात्र को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का प्रारंभिक जांच के बाद कहना है कि किशोर परीक्षा देने जा रहा था। चाकूबाजी की यह घटना किन कारणों से हुई इसका पता लगाया जा रहा है। हमलावरों की पहचान करने और हत्या के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस स्थानीय निवासियों और मृतक के परिवार व परिचितों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हमला किसी व्यक्तिगत दुश्मनी या किसी अन्य विवाद का नतीजा तो नहीं था।

निवेश धोखाधड़ी रैकेट में शामिल मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने निवेश धोखाधड़ी रैकेट में शामिल एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस निवेश धोखाधड़ी के एक अन्य मामले में तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गये आरोपी का नाम रोहताश है। उसने कथित तौर पर अपने बैंक खाते में धोखाधड़ी की राशि प्राप्त की और फिर उस राशि को आगे ट्रांसफर किया था। डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार निवेश धोखाधड़ी के मामले में तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है और धोखाधड़ी की राशि को क्रिप्टो करेंसी में बदलने से जुड़े एक बड़े घोटाले के बारे में सुराग मिला। वर्तमान मामले में शिकायतकर्ता को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया था। जालसाजों के झूठे वादे पर शिकायतकर्ता ने 25 लाख 70 हजार रुपये कई बैंक खातों में ट्रांसफर किये थे। एक अन्य मामले में शिकायतकर्ता को अज्ञात आरोपियों द्वारा 40 लाख की धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया था।

विकासपुरी इलाके की घटना

बस में आग लगने से हेल्पर की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विकासपुरी इलाके में रविवार को एक बस से एक खलासी का जला हुआ शव मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने संदेह जताया कि बस में आग अगरबत्ती से चिंगारी उठने के कारण लगी होगी। मृतक की पहचान सुनील (25) के रूप में हुई है। सुनील रात में बस में ही सोता था और मच्छरों को भगाने के लिए अगरबत्ती जलाता था। पुलिस के मुताबिक आग से बस को भारी नुकसान पहुंचा है। बस का आंतरिक हिस्सा पूरी तरह जल गया और सीटों के केवल लोहे के ढांचे ही बचे हैं। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में रखा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार आग की लपटें काफी तेज थी और जब तक दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे, पूरी बस जलकर खाक हो चुकी थी। प्रिया अपार्टमेंट के रहने वाले विजय नामक शख्स ने कहा कि रविवार रात करीब 12:30 बजे हमने देखा कि बस में आग लगी है।

मैंने दमकल विभाग को फोन किया। रात करीब 12:45 बजे जब दमकल की गाड़ियां आई, तब उन्होंने बस की खिड़कियां तोड़ीं। तब तक पूरी बस आग की लपटों में घिर चुकी थी। हमें बताया गया कि बस के अंदर सोने वाला व्यक्ति खलासी था। बस चालक को भी बुलाया गया। विजय कुमार (46) के स्वामित्व वाली इस बस का पंजीकरण हरियाणा का था।

डीटीसी ने किया तीन रूटों पर परिचालन में बदलाव

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) प्रबंधन ने रूट सुधार योजना के तहत रिठाला मेट्रो स्टेशन से तीन देवी बस रूटों में अस्थायी बदलाव करने की घोषणा की है। डीटीसी के जनसंपर्क प्रबंधक राकेश कुमार ने बताया कि डीटीसी द्वारा लास्ट माइल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने एवं यात्रियों को यात्रा को अधिक सुगम बनाने के लिए प्रयास कर रही है। जिसके तहत 9 फरवरी 2026 से प्रयोगात्मक आधार पर दिल्ली ईवी इंटरकनेक्टर (देवी) बसे जिसकी लंबाई 9 मीटर है, के रूटों को बढ़ाया जा रहा है। राकेश कुमार के अनुसार इन रूटों में डी-3303 रिठाला मेट्रो स्टेशन से माजरा डबास के बीच चलाया जा रहा है। जबकि रूट संख्या डी-3304 रिठाला मेट्रो स्टेशन से कुतुबगढ़ गांव तक सेवा प्रदान की जाएगी। वहीं रूट संख्या डी-3305 के तहत रिठाला मेट्रो स्टेशन से जट खोड़ गांव तक परिचालन शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि यात्रियों से अपील है कि कृपा नई व्यवस्था के तहत ही अपनी यात्रा का ध्यान रखें। बावजूद इसके अधिक जानकारी के लिए यात्री डीटीसी के कॉल सेंटर हेल्पलाइन आदि से संपर्क कर अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

स्कूटर सवार खड़े ट्रक से भिड़ा, मौत

नई दिल्ली। धौला कुआं इलाके में एक स्कूटर खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में स्कूटर सवार शख्स की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। मृतक का नाम गुरप्रीत सिंह (35) बताया गया है। शव का एम्स में पोस्टमॉर्टम करवाया गया है।

पुलिस के मुताबिक यह हादसा रविवार देर रात करीब 1.40 बजे धौला कुआं इलाके में मेट्रो पिलर संख्या-73 के पास हुआ। गुरप्रीत सिंह (35) नारायणा से धौला कुआं की ओर स्कूटर पर जा रहे थे और उनके पीछे सीट पर 32 वर्षीय एक महिला बैठी थी। पुलिस ने बताया कि उसे एक सड़क दुर्घटना और एक मरीज को मृत अवस्था में अस्पताल लाए जाने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि स्कूटर सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया था। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

गुरप्रीत पंजाब के जालंधर का रहने वाला था। स्कूटर की पिछली सीट पर बैठी महिला को भी चोटें आईं और उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है और वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने इस दुर्घटना के संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव मृतक के पिता को सौंप दिया गया है। पुलिस ट्रक चालक का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

15 स्कूलों को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली। स्कूलों में परीक्षाएं जल्द शुरू होने वाली है। ऐसे में राजधानी के स्कूलों को बार बार बम धमकी वाले ई-मेल मिलने से स्कूलों के साथ साथ अभिभावकों की भी चिंता बढ़ रही है। इन धमकियों से स्कूलों की रोजमर्रा की गतिविधियां बाधित हो रही हैं। लगभग हर महीने किसी न किसी स्कूल को इस प्रकार की फर्जी धमकी प्राप्त होने से पुलिस की परेशानी भी बढ़ती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को राजधानी के लगभग 15 स्कूलों को बम धमकी वाले ई-मेल मिले, जिसके बाद भारी सुरक्षा तैनाती की गई और एहतियातन स्कूल खाली कराए गए। बाद में धमकियां फर्जी पाई गई। स्कूली सूत्रों ने बताया कि वे लगातार मिल रही बम धमकियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल, प्रवेश नियमों को सख्त करने और अधिकारियों के साथ चौबीसों घंटे समन्वय सहित सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, सुबह के समय शहर के कई शैक्षणिक संस्थानों से आपात कॉल प्राप्त हुईं, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और बम निरोधक दस्ते मौके पर भेजे गए। एहतियात के तौर पर स्कूल परिसरों को खाली कराया गया और छात्रों व कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया।

पिंकी कालोनी में आज तक नहीं पहुंची पाइप लाइन, 7 दिन में केवल एक बार टैंकर से होती है आपूर्ति

नई दिल्ली। हर घर नल से पानी पहुंचाने के दावे करने वाली केजरीवाल सरकार दिल्ली में 11 साल शासन करके जा चुकी है। वर्तमान में भाजपा सरकार को भी एक साल पूरा हो चुका है, बावजूद इसके कई कालोनियों में आज तक पाइप लाइन ही नहीं डाली जा गई। ऐसी ही एक कॉलोनी पिंकी चौधरी कॉलोनी, वेस्ट कमल विहार है जो बुराड़ी विधानसभा के अंतर्गत आती है। बुराड़ी विधानसभा में लगातार चार बार से आम आदमी पार्टी के संजीव झा जीत दर्ज कर रहे है। लेकिन आज तक संजीव झा भी पिंकी चौधरी कॉलोनी में दिल्ली जल बोर्ड की पाइप लाइन पहुंचाने में विफल रहे हैं। जिसके चलते यहां के हजारों लोगों के सामने पीने के पानी की समस्या आज भी मुंह बाए खड़ी है। स्थानीय गली नंबर 14 के लोगों का आरोप है कि यहां 7 दिन में केवल एक बार टैंकर के जरिए पीने का पानी पहुंचाया जाता है। जबकि बाकी दिन बोतल बंद महंगा पानी खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं है। स्थानीय आरडब्लुए प्रधान विनोद कुमार रावत का कहना है कि लोगों की मजबूरी है कि पानी को स्टोर करने के लिए बड़े बड़े ड्रम आदि रखे हैं क्योंकि सात दिन में एक बार पानी आता है। हमारी कालोनी 2017 से पंजीकृत है, लेकिन विकास कम हुआ है।

जलभराव और गंदगी से ग्रामीण हो रहे परेशान

दिल्ली देहात के कई गांवों में नालों की सफाई व्यवस्था ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन के अंतर्गत आने वाले देहात के कई गांवों में कुछ प्रमुख नालों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अलीपुर, बांकनेर, सिंघू, हमींदपुर, खामपुर और बकौली गांवों के निवासियों ने बताया कि गांव में प्रमुख नालियों की नियमित और गहराई से सफाई न होने के कारण गंदगी फैल रही है और बारिश के बाद गलियों में पानी भर जाना आम समस्या बन गया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि नालियों में लंबे समय से जमी गाद और कचरे की सफाई नहीं की जा रही, जिससे पानी का बहाव रुक जाता है और गंदा पानी घरों के सामने तक फैल जाता है। इससे न केवल आवागमन में परेशानी हो रही है, बल्कि मच्छरों और बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अनेकों शिकायतों के बाद भी निगम के संबंधित विभागों द्वारा न तो नियमित निगरानी की जा रही है और न ही लापरवाही सफाई अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है।

नालियां कचरे और गाद से भरी पड़ी

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बांकनेर मेन रोड पर टेलीफोन एक्सचेंज के पास लंबे समय से नालों की सफाई नहीं की गई है। नालियां कचरे और गाद से भरी पड़ी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है और आने-जाने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बांकनेर बस्ती की गली नंबर-1 में शिव मंदिर के पास स्थित एक डेयरी से निकलने वाला गौबर और गंदा पानी नालियों में बहाया जा रहा है। इससे नालियां बार-बार ब्लॉक हो जाती हैं और दुर्गंध के साथ-साथ बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने दिल्ली नगर निगम से मांग की है कि नरेला जोन के सभी गांवों में नालों की गहराई से सफाई कराई जाए, डेयरियों पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए और जलनिकासी व्यवस्था को स्थायी रूप से दुरुस्त किया जाए, ताकि ग्रामीणों को गंदगी और जलभराव की इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

बवाना में फैक्ट्री कर्मचारी की गोली मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री के बाहर सोमवार दोपहर एक शख्स गोली लगने से जख्मी पाया गया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये मोर्चरी भिजवाया गया है। आरोपी फिलहाल पुलिस गिरफ्त से बाहर है।

पुलिस के अनुसार सोमवार को लगभग 12:51 बजे बवाना थाने में एमवी हॉस्पिटल, पूथ खुर्द से एक सूचना मिली, जिसमें बताया गया कि वैभव गांधी (35) नाम का एक व्यक्ति निवासी फैक्ट्री नंबर 133, सेक्टर-4, डीएसआईआईडीसी, बवाना को गोली लगी थी। उसे एमएलसी नंबर 622/26 के तहत मृत घोषित कर दिया गया है। यह सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत हॉस्पिटल और घटनास्थल यानी फैक्ट्री नंबर जे-133 और जे-21, सेक्टर-4 के सामने पहुंची। क्राइम सीन का मुआयना मोबाइल क्राइम टीम और एफएसएल रोहिणी टीम ने किया और मौके से सबूत उठाए गए। तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर धारा 103(1), 3(5) बीएनएस और 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि आरोपी को पकड़ा जा सकें। जांच में ऑपरेशन यूनिट की विशेष टीमों को भी लगाया गया है।

खबर संक्षेप

ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने खाताधारक मिर्जा मुस्तफा निवासी हैदराबाद तेलांगना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर 46 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में उसके पास एक अंजान नंबर से कॉल आया। एटीएस का कर्मचारी बताया शिकायतकर्ता को कहा कि खाते में गलत तरीके से पैसे आए है आरबीआई से वेरीफिकेशन होनी है।

ठगी करने के आरोप में खाता धारक पकड़ाया

फरीदाबाद। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने पुष्कर निवासी बल्लभगढ़ फरीदाबाद व यश मेहन निवासी बेगमपुर दिल्ली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-86 वासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में व्हॉट्सएप पर एक लिंक आया जिस पर क्लिक करते ही वह एक व्हॉट्सएप गुरु में जुड़ गया। प्री आईपीओ एवं ब्लॉक डील्स में इन्वेस्मेंट कराने के नाम पर अलग-अलग ट्रांजेसक्सनस के जरिए अलग-अलग खातो में कुल 73,97,600 रुपए ट्रांसफर करवा लिए।

राज्यमंत्री के आवास पर दिव्यांगों का प्रदर्शन

गाजियाबाद। समस्यायों की सुनवाई न होने से गाजियाबाद दिवांग एवं विधवा समिति के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के दिव्यांग मंत्री नरेंद्र कश्यप के आवास पर सोमवार को प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पहले से ही मंत्री आवास पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। इस दौरान मौजूद दिव्यांगों ने मंत्री पर कई गंभीर आरोप लगाए और आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी। दिवांग एवं विधवा समिति के कार्यकर्ताओं ने आज पैदल मार्च निकाला और मंत्री नरेंद्र कश्यप के घर के गेट के बाहर जोरदार धरना दिया और प्रदर्शन किया।

एक्सपर्ट टीम द्वारा इंदिरापुरम स्थित प्लांट का जायजा लिया गया

टीएसटीपी के माध्यम से सीवरेज पानी की शोधित प्रक्रिया को आईआईटी रुड़की ने की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम ने सीवरेज के पानी का ट्रीटमेंट करते हुए साहिबाबाद औद्योगिक इकाइयों को उपलब्ध कराने का कार्य कराया जा रहा है। जिसमें तकनीकी प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सीवरेज के पानी का पुनः उपयोग करने हेतु तैयार किया जा रहा है।

40 एम एल डी के टीएसटीपी प्लांट पर फिल्टरों के माध्यम से पानी को पुनः इस्तेमाल के लिए तैयार किया जा रहा है। आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर ए ए काजमी तथा एक्सपर्ट टीम द्वारा इंदिरापुरम स्थित प्लांट का जायजा लिया गया। ट्रीटमेंट प्रक्रिया को भी बारीकी से देखा गया जिसमें सीवरेज की पानी को शोधित करते हुए पुनः उपयोग हेतु तैयार किया जा रहा है। साहिबाबाद औद्योगिक इकाइयों के लिए उपयोगी भी बनाया जा रहा है। देखा गया मौके पर गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग तथा जल निगम के अधिकारी भी उपस्थित रहे, वी ए टैक वाबैग के प्रोजेक्ट हेड अनुज त्रिपाठी भी मौके पर उपस्थित रहे जिनके द्वारा प्लांट की जानकारी दी गई। 40 एम एल डी के टीएसटीपी प्लांट द्वारा सीवरेज के पानी को उपयोगी बनाने के लिए पहले डी कैंटर के माध्यम से पानी का टी

एस एस काम किया जाता है। उसके बाद अल्ट्रा फिल्ट्रेशन में फिल्टर की प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए आर ओ से पानी को औद्योगिक इकाइयों के लिए उपयोगी बनाया जाता है जिसकी गुणवत्ता लैब में जांची जाती है, प्रक्रिया को देख आईआईटी रुड़की ए ए काजमी द्वारा गाजियाबाद नगर निगम टीम की प्रशंसा की साथ ही मौके पर कार्य कर रही टीम का भी उत्साहवर्धन किया गया, सीवरेज के पानी को शोधित करने तथा उपयोगी बनाने वाला गाजियाबाद नगर निगम का प्लांट उत्तर प्रदेश का नोडल प्लांट के रूप में जाना जाए शुभकामनाएं दी गई।

सीवरेज के पानी का ट्रीटमेंट किया

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग द्वारा सीवरेज के पानी का ट्रीटमेंट करते हुए औद्योगिक इकाइयों के लिए उपयोगी बनाया गया है जिससे भूगर्भ जल की भी बचत हुई है, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद तथा प्लांट का संचालन कर रही कार्य दाई संस्था वी ए टैक वाबैग के सी बी ओ डॉ कार्तिकेन की मॉनिटरिंग में कुशलतापूर्वक टीएसटीपी प्लांट के संचालन हेतु कार्य किया जा रहा है, निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम अरुण प्रताप भी मौके पर उपस्थित रहे।

उद्देश्य आसपास के क्षेत्रों में परिवहन नियोजन को बढ़ावा देना

नमो भारत कॉरिडोर के साथ टीओडी को बढ़ावा एनसीआरटीसी-एसपीए दिल्ली में समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निर्मित होने वाले सभी नमो भारत कॉरिडोर्स के आस-पास ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) ज़ोन के नियोजन और कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, एनसीआरटीसी ने नई दिल्ली स्थित स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए-दिल्ली) के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन प्लानिंग एंड डिज़ाइन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल एवं एसपीए के निदेशक, प्रो. डॉ. वी.के. पॉल की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

इस भागीदारी द्वारा एनसीआरटीसी का संतुलित विकास और सतत क्षेत्रीय गतिशीलता का दृष्टिकोण, और एसपीए-दिल्ली की शहरी प्लानिंग एवं डिज़ाइन में अकादमिक तथा तकनीकी विशेषज्ञता

एक साथ मिलकर नमो भारत कॉरिडोर के स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों में एकीकृत भूमि उपयोग और परिवहन नियोजन को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे। इस साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कॉरिडोर और स्टेशनों के आसपास के क्षेत्र नियोजित, सतत और यात्री-अनुकूल ढंग से विकसित हो सकें।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि टीओडी एक ऐसी नीति व्यवस्था है, जो ट्रांजिट हब के आसपास उच्च-घनत्व, कॉम्पैक्ट और मिश्रित-उपयोग विकास को प्रोत्साहित करती है। यह भूमि उपयोग और परिवहन नियोजन को एकीकृत करते हुए पैदल यात्रियों के अनुकूल, जीवंत और समावेशी समुदायों के विकास को बढ़ावा देती है। यह दृष्टिकोण सार्वजनिक परिवहन की पहुंच को सुदृढ़ करता है, निजी वाहनों पर निर्भरता कम करता है और अधिक समावेशी एवं रहने योग्य शहरी स्थानों का निर्माण करता है। नमो भारत के यात्रियों और कॉरिडोर के आस-पास रहने वाले लोगों के लिए ऐसी प्लानिंग तेज़ गति की यात्रा के साथ-साथ, उनके दैनिक यात्रा अनुभव और रिहायशी इलाकों को नया आकार देगी।

तंत्रों को सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करेंगे

इस पहल के माध्यम से एनसीआरटीसी और एसपीए दिल्ली भूमि उपयोग दक्षता में सुधार करने, साक्ष्य-आधारित सार्वजनिक निवेश को मजबूती देने तथा लैंड वैल्यू कैप्चर (वैल्यू कैप्चर फाइनेंसिंग) जैसे तंत्रों को सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करेंगे, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की वित्तीय स्थिरता को प्रोत्साहन मिलेगा। यह एमओयू आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ट्रांजिट कॉरिडोर के साथ टीओडी को बढ़ावा देने की व्यापक रणनीति के अनुरूप है। इसके अंतर्गत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छह-सूत्रीय समन्वय ढांचा निर्धारित किया गया है, जिसमें टीओडी कॉरिडोर की पहचान करना, इंफ्लूएंस ज़ोन को नोटिफाई करना, स्थानीय क्षेत्र योजनाएँ बनाना, भूमि और संपत्ति की सूची बनाना, संभावित विकास की पहचान करना तथा संबंधित नीतिगत सहायता उपाय सुनिश्चित करना शामिल हैं।

पंजाबी विवि. के कुलपति ने दिया विशेषज्ञ व्याख्यान

जीयू में एपिजेनेटिक्स इन कैंसर पर एक्सटेंशन लेक्चर, वेटलैंड वीक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के बायोसाइंसेज विभाग द्वारा एपिजेनेटिक्स इन कैंसर विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। वेटलैंड वीक के समापन समारोह के रूप में आयोजित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कौशिक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिसमें पर्यावरणीय कारकों, जेनेटिक रेगुलेशन और मानव स्वास्थ्य के बीच महत्वपूर्ण संबंधों पर प्रकाश डाला गया।

कुलगुरु ने अकादमिक और अंतर्विषयक पहल को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए ऐसे आयोजनों को शोध और आउटरीच गतिविधियों के लिए अहम बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के कुलपति प्रो. जगदीप सिंह उपस्थित रहे। धूम्रपान, वायु प्रदूषण और रासायनिक संपर्क जैसे पर्यावरणीय तनाव मानव शरीर को विषैले तत्वों के संपर्क में लाते हैं, जो समय के साथ जीन फंक्शन को प्रभावित कर सकते हैं। पूरे सप्ताह शैक्षणिक और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से वेटलैंड्स के पारिस्थितिक, पर्यावरणीय और सामाजिक महत्व को रेखांकित किया गया। समापन सत्र में प्रो. संजय कौशिक और प्रो. जगदीप सिंह ने जैव विविधता संरक्षण, जल शुद्धिकरण, जलवायु संतुलन और मानव आजीविका में वेटलैंड्स की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर प्रो रानी देवी, डॉ. एनके यादव, प्रो. समीता चौधरी, डॉ. देविना, और डॉ. शांतनी दास सहित कई फैकल्टी सदस्य मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना: NER-LJN-2026-25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / पूर्वोत्तर रेलवे / लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है:-

क्रम सं.-01, ई-निविदा संख्या: NER-LJN-2026-25, कार्य का नाम:- लखनऊ मंडल में-बंदरियाबाग ऑफिसर कॉलोनी में स्थित पूर्वोत्तर रेलवे ऑफिसर्स क्लब का सुधार कार्य। अनुमानित लागत(रू०): ₹ 1,30,28,805.79, अग्रिम धन (रू०): ₹ 2,15,200/-, समापन अवधि: 06 माह।

(1) उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2026-25 के लिये ई-निविदा दिनांक 27-02-2026 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। (2) उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग, लखनऊ

मुजाधि / डब्लू-452

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आरडब्ल्यूए चुनाव में दीपक यादव पैनल ने भारी मतों से जीत हासिल की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद सेक्टर-29 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पॉकेट (1380 से 1891ए) आरडब्ल्यूए के चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी मुकेश खंडेलवाल, शिव कुमार हलदकार और एडहॉक कमेटी से योगेश दत्त, मुकेश लोहान, बीके मिश्रा, दीपक शर्मा ने चुनाव संपन्न करवायए। इन चुनाव में कुल

838 मतों में से 670 मत डाले गए। जिसमें दीपक यादव पैनल ने राज मेहता पैनल से जीत हासिल की। दीपक यादव को 440, महासचिव सतीश भारद्वाज को 439 और कोषाध्यक्ष स्वपन घोष को 444 वोट मिले।

सूरजकुंड मेला में पार्टनर स्टेट मेघालय के पवेलियन में बांस की कला का अद्भुत प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

39वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेले में इस वर्ष पार्टनर स्टेट के रूप में उत्तर प्रदेश व मेघालय अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बेजोड़ हस्तशिल्प से पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। मेला परिसर में स्थापित मेघालय पवेलियन में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक झलक देखने को मिल रही है, जहां बांस से बनी कलाकृतियां चर्चा का विषय बनी हुई हैं। मेघालय पवेलियन की स्टॉल नंबर 140 पर शिल्पकार विथोन

द्वारा तैयार किए गए बांस के हस्तशिल्प उत्पाद इस समय मेले के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक हैं। विथोन द्वारा बांस से निर्मित ट्री-हाउस पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

मोहना रोड एलिवेटेड पुल निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने मोहना रोड एलिवेटेड पुल निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट और समीक्षा को लेकर बल्लभगढ़ के रेस्ट हाउस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के उपरांत विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने मोहना रोड का निरीक्षण भी किया और निर्माण कार्य के दौरान आ रही विभागीय समस्याओं को मौके पर ही दूर करने के निर्देश दिए। विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और निर्माण कार्य को तेज गति से समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने कहा कि एलिवेटेड पुल के निर्माण से क्षेत्रवासियों को यातायात जाम से राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। इस अवसर पर एसडीएम मयंक भारद्वाज, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी प्रकाश लाल, कार्यकारी अभियंता एफएमडीए अंकित भारद्वाज, एसडीओ राम प्रकाश, एसडीओ रविंद्र सिंह,

बिजली विभाग के कार्यकारी अभियंता संजय मंगला, एसडीओ एचएसबीपी राजेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के एसडीओ और जेई उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने विधायक को निर्माण कार्य की प्रगति से अवगत कराया और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

निवेश के नाम पर 72 लाख 74 हजार रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

खाता उपलब्ध करवाने वाला धराया

साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर की गई ठगी के एक मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाले आरोपी विवेक निवासी चाणक्यपुरी नई दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-81 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सैंट्रल में शिकायत दर्ज करवाई कि 26 सितम्बर 2025 को उसके व्हाट्सएप पर शेयर मार्केट में निवेश से संबंधित एक मैसेज प्राप्त हुआ। इसके बाद उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां निवेश से संबंधित जानकारी दी जाती थी। ठगों द्वारा उसे एक एप का लिंक भेजा गया, जिसे डाउनलोड कर उसका खाता खुलवाया गया तथा अधिक लाभ का लालच देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। पीड़ित ने ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में कुल 72,74,882 रुपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में जब उसने अपनी राशि निकालने का प्रयास किया तो उससे और पैसे जमा करने की मांग की गई। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाना सैंट्रल में शिकायत दर्ज करवाई, जिस पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विवेक ने रोहित चौहान से खाता लेकर आगे ठगो को दिया था। आरोपी 10वीं पास है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर पालिका लाडवा	एम.सी. लाडवा में हनुमान मंदिर से माता का थान (हीनोरी रोड) तक गली का निर्माण।	07.02.2026 18.02.2026	रु. 1,67,82,639/-	https://etenders.hry.nic.in	7027691589 secy-ladwa@ulbharyana.gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद-13/2026/40/42875/I/88/7 दि. 09.02.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक	बॉटनी विभाग, म.द. विश्वविद्यालय रोहतक में यू/वी बीआईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर्स (02 अदद) की आपूर्ति।	06.02.2026 27.02.2026	रु. 15.00 लाख (जीएसटी समेत)	www.mdu.ac.in	9034067482 hod.botany@mdurohtak.ac.in
2	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक	डेटा सेंटर प्रोटेक्शन सिस्टम्स एवं सम्बद्ध अवसंरचना (रोहतक) हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी)।	07.02.2026 02.03.2026	रु. 8,000/-	www.mdu.ac.in	01262-293035 dir.ucc@mdu.ac.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद-13/2026/60/42857/I/88/7 दि. 09.02.26

पुलिस मजिस्ट्रेट के साथ मामले की जांच करेगी

फरीदाबाद जिला जेल में अयोध्या साजिश के आरोपी कैदी की हत्या, झगड़े के दौरान नुकीले हथियार से हुआ था हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद जिला जेल नीमका में अयोध्या साजिश के आरोप में एक बंदी की झगड़े के दौरान नुकीला हथियार मारकर हत्या कर दी। जून 2025 में एटीएस की टीम ने पाली के जंगल से अब्दुल रहमान नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

जिसकी अयोध्या को उड़ाने की योजना थी। पुलिस ने उसके पास से कुछ हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया थे। वह इस मामले में जिला जेल नीमका में बंद था। जेल के अंदर

पहले से ही बंद जम्मू कश्मीर के रहने वाले अरुण चौधरी और अब्दुल रहमान के बीच किसी बात को लेकर रविवार की रात झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान अरुण चौधरी ने उसे कोई नुकीला हथियार मार दिया। जिससे उसकी जेल के अंदर ही मौत हो गई। थाना सदर बल्लभगढ़ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है।

तिगांव एसीपी अशोक वर्मा का कहना है कि पुष्टि हो चुकी है की अब्दुल रहमान की मौत हो चुकी है। दोनों के बीच झगड़े का क्या कारण है अभी कुछ भी कहा नहीं जा सकता।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश कुमार उर्फ राहुल पुत्रः मनोहर लाल पताः ए/65, गली नं. 07, मंडोली एक्सटेंशन, दिल्ली** ने case **FIR No. 230/2017 U/s 365/392/394/397/506/34 IPC, थानाः सीलमपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार उर्फ राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार उर्फ राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 230/2017 U/s 365/392/394/397/506/34 IPC, थानाः सीलमपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार उर्फ राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 12.03.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री बबरू भान
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-04
उत्तर पूर्व जिला, कमरा नं. 312, तीसरा तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1634/NE/2026 (Court Matter)

आम सूचना

ICICI Bank पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390 007
कारपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुंबई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित ऋणधारकों को स्वर्ण आभूषण के एवज में सुविधा में प्रदर्शित धनराशि को चुक्ता करने हेतु सूचना जारी की जा चुकी है। आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (ICICI Bank) से उन्हें ("सुविधा") उपलब्ध कराई गई। चूंकि ऋणधारक सुविधा अन्तर्गत बकाया भुगतान करने में असफल हो चुके हैं, हम 20 फरवरी, 2026 को बंधक स्वर्ण आभूषणों की ई-नीलामी व्यवहृत करने को बाध्य हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के किसी खाता को हटाने का/ई-नीलामी की तारीख में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाईन https://jewel-auction.procuretiger.com पर 12:30 बजे अपराह्न से 3:30 बजे अपराह्न के बीच आयोजित की जायेगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया दी गई वेबसाइट का अवलोकन करें। ऋणधारक की मृत्यु की स्थिति में उसके वैध उत्तराधिकारी पर सभी नियम एवं शर्तें लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: दिल्ली-पूर्वी पंजाबी बाग	
401962000904	दीपक गुप्ता
शाखा का नाम: दिल्ली-किशनगढ़ वसंत कुंज	
416762000818	सतबीर सिंह
शाखा का नाम: दिल्ली - नेताजी सुभाष मार्ग	
769062000289	इमरान इमरान
शाखा का नाम: दिल्ली कमल मॉडल स्कूल	
663257015028	सुमित कुमार
शाखा का नाम: दिल्ली-अरबिंदो मार्ग	
800557000001	विश्रुत सिंहजी झाला
शाखा का नाम: दिल्ली-द्वारका सेक्टर 12	
342862001177	शिवानी गुप्ता
शाखा का नाम: दिल्ली-नरेला	
092962001560	ज्योति महरा
शाखा का नाम: नई दिल्ली-सी.आर. पार्क	
072062003502	मिर्जा अली रज़ा
072062003503	मिर्जा अली रज़ा

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: नई दिल्ली द्वारका सेक्टर 7	
057162004127	मनोज गर्ग
शाखा का नाम: नई दिल्ली-अशोक विहार	
033157000058	राजेन्द्र कुमार गुप्ता
शाखा का नाम: नई दिल्ली-दुर्गापुरी चौक	
135557000098	रविन्द्र कुमार
135557000052	नाजिम खा
शाखा का नाम: नई दिल्ली-नजफगढ़	
071357000058	पंकज सिंह
शाखा का नाम: नई दिल्ली-शालीमारबाग	
036962004418	सुषमा वर्मा
शाखा का नाम: नई दिल्ली-शांतिनिकेतन	
031357000018	आदित्य महारिया
शाखा का नाम: नई दिल्ली-विकासपुरी	
629662018404	हरविन्दर कौर
शाखा का नाम: फरीदाबाद-ग्रीनफील्ड्स	
732457000021	मंजीत सिंह

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: फरीदाबाद-सेक्टर 31	
488962000048	सौरव चौधरी
शाखा का नाम: गाजियाबाद-लोहिया नगर	
695557015079	उमेश भारद्वाज
शाखा का नाम: ग्रेटर नोएडा सेक्टर-01	
723862000921	अनुराग सक्सेना
शाखा का नाम: गुड़गांव-सेक्टर 31	
114462001927	नितीन त्यागी
शाखा का नाम: गुरुग्राम एमजी रोड	
433362000678	उमेश यादव
शाखा का नाम: खुर्जा	
097362002116	शांति देवी
शाखा का नाम: नोएडा - सेक्टर 77	
418357000031	शिवानी ठाकुर
418357000035	शिवानी ठाकुर
शाखा का नाम: नोएडा-सेक्टर 18-सीनियर मॉल	
003157001805	कंचन कुमारी
003157001818	कंचन कुमारी

दिनांक: 10.02.2026
स्थान: मध्य दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पश्चिम दिल्ली, शाहदरा, दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण-पूर्व दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली, पूर्वी दिल्ली,

सही -
प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

ढोल बजाकर स्वागत, उपहार सामग्री श्रद्धापूर्वक स्वीकार

महाशिवरात्रिः मथुरा से शगुन सामग्री लेकर काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे श्रद्धालु

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में काशी-मथुरा के मध्य सनातन सांस्कृतिक समन्वय की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा एक विशेष धार्मिक आयोजन संपन्न किया गया। इस अवसर पर मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थली मंदिर न्यास से आए प्रतिनिधियों द्वारा भगवान श्री विश्वेश्वर के लिए लाए गए उपहार सामग्री को श्रद्धापूर्वक स्वीकार किया गया।

इस सामग्री को महाशिवरात्रि पर्व पर विश्वेश्वर महादेव को अर्पित किए जाने के लिए काशी विश्वनाथ न्यास को प्रेषित किया गया। विधिवत समारोह पूर्वक डमरू शंख एवं मंत्रोच्चार की ध्वनि के बीच भेंट को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा स्वीकार किया गया।

इसके बाद श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से मथुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थली के लिए उपहार, भगवान श्री विश्वेश्वर को अवलोकित कराने के बाद, समारोहपूर्वक मथुरा से आए प्रतिनिधियों को भेंट स्वरूप प्रदान किए गए।

मांझा-मोबाइल से दूरी बनाएं, स्वास्थ्य और पढ़ाई पर ध्यान दें

छात्रों के नाम लिखी पाती में सीएम योगी ने मोबाइल फोन से दूरी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, बहुत ज़्यादा गेम खेलने या वीडियो देखने से समय बर्बाद होता है, पढ़ाई पर असर पड़ता है, और आंखों की रोशनी कमजोर होती है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सीएम योगी ने छात्रों से आने वाली बोर्ड परीक्षाओं से पहले सुरक्षा, स्वास्थ्य और पढ़ाई पर ध्यान देने को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। यूपी बोर्ड परीक्षा से पहले सीएम योगी ने छात्रों को एक पाती लिखी, जिसमें तीन अहम संदेश दिए। छात्रों को सलाह देते हुए सीएम योगी ने लिखा, चीनी 'मांझे' और मोबाइल से दूरी बनाएं। उन्होंने लिखा, चीनी मांझा राज्य में बैन है इससे मौतें भी हुई हैं। छात्रों से कहा गया कि वे इसका इस्तेमाल न करें, दोस्तों को भी चेतावनी दें और परिवार की मदद से किसी भी अवैध बिक्री की रिपोर्ट पुलिस को दें।

आत्मविश्वासी और केंद्रित रहने की सलाह दी

सीएम योगी ने मोबाइल फोन की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा, बहुत ज़्यादा गेम खेलने या वीडियो देखने से समय बर्बाद होता है, पढ़ाई पर असर पड़ता है, और आंखों की रोशनी कमजोर होती है। उन्होंने छात्रों को पढ़ने, खेल खेलने, परिवार के साथ समय बिताने और मोबाइल का इस्तेमाल सीमित करने के लिए प्रोत्साहित किया। 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा देने वालों के लिए, सीएम ने छात्रों को अनुशासित, आत्मविश्वासी और केंद्रित रहने की सलाह दी। श्रीमद् भगवद गीता का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा, एक व्यक्ति का अधिकार केवल अपने कर्मों पर होता है, परिणामों पर नहीं, छात्रों से कड़ी मेहनत और लगन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। सीएम योगी ने परीक्षाओं में शामिल होने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

प्रस्तुत किया मजबूत कानून व्यवस्था का खाका

योगी सरकार ने विधानसभा में रखी आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी सरकार की ओर से विधानसभा में सोमवार को इकॉनमिक सर्वे रिपोर्ट पेश की है। इसमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था के मजबूत बनने की बात सामने आई है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को विधानसभा के बजट सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार की वर्ष 2025-26 की आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी, जिसमें कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का विस्तृत उल्लेख किया गया।

इस दौरान उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संगठित अपराध और माफिया नेटवर्क के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है।

इसका सकारात्मक असर यह रहा कि प्रदेश में अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जिससे आम जनता के साथ-साथ निवेशकों का भी विश्वास बढ़ा है। महिलाएं औद्योगिक कार्यों, विशेषकर नाइट शिफ्ट में बेखौफ आने-जाने लगी है।

मिशन शक्ति ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता को मिली मजबूती

सहभागिता को नई गति

मिशन शक्ति के तहत सुरक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के एकीकरण से महिलाओं की आत्मनिर्भरता व सहभागिता को नई गति मिली है। वहीं न्यायिक सहयोग को सुदृढ़ करने फास्ट ट्रैक कोर्ट और ई-कोर्ट्स की स्थापना की गई है। आर्थिक सर्वेक्षण में यह भी उल्लेख है कि जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से छोटे प्रक्रियात्मक अपराधों का अपराधीकरण समाप्त कर पारदर्शिता आधारित शासन मॉडल को मजबूती दी गई है।

एंटी रोमियो स्क्वाड ने सुनिश्चित की महिलाओं की सुरक्षा

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देकर पुलिस सुधारों को नई दिशा दी गई है। सीसीटीवी, डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से पुलिस की कार्यक्षमता व जवाबदेही में वृद्धि हुई है। इससे जनता में निर्भीक होकर शिकायत दर्ज कराने का वातावरण बना है और अपराध नियंत्रण को मजबूती मिली है।

महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया है। सेफ सिटी परियोजना के तहत महिला पुलिस बीट, सीसीटीवी नेटवर्क और एंटी-रोमियो स्क्वॉड्स की तैनाती से सार्वजनिक स्थलों, कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। फैक्ट्री अधिनियम (संशोधित) 2025 के माध्यम से महिलाओं को औद्योगिक कार्यों, विशेषकर नाइट शिफ्ट में, समान अवसर प्रदान किए गए हैं।

167 पाकिस्तानियों का मामला?

विदेशी नागरिकों पर सम्राट चौधरी से भिड़ गए भाजपा विधायक

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में विदेशी नागरिकों का मुद्दा उठाया गया। सवाल भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने ही उठाया। उन्होंने गोपालगंज में 25 साल में आए 173 विदेशी नागरिकों (167 लोग पाकिस्तान से, पांच उज्बेकिस्तान से और एक रूस से) के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने पहले विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया। सदन में गृह मंत्री सम्राट चौधरी से इस मामले से अवगत करवाया और इनके बारे में जानकारी मांगी।

विदेशी नागरिक 1990 से 2015 के बीच गोपालगंज में आएः भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने कहा कि गोपालगंज में 173 विदेशी नागरिक धार्मिक यात्रा पर आये थे। इसमें से 167 पाकिस्तान के करांची और रावलपिंडी से आये थे। गोपालगंज में धार्मिक मंदिर के नाम पर थावे वाली माता का मंदिर है। यह विदेशी नागरिक 1990 से 2015 के बीच गोपालगंज में आए।

एसआईआर में भी पकड़े नहीं गए

भाजपा के विधायक मिथिलेश तिवारी ने सदन में विदेशी नागरिकों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि गोपालगंज में पिछले कुछ वर्षों में 173 विदेशी नागरिक आए हैं। इन लोगों की जानकारी दी जाए। क्योंकि यह लोग एसआईआर में भी पकड़े नहीं गए। वह विदेशी मुद्रा लेकर आए थे। गोपालगंज में ऐसे कई लोग हैं जो कि विदेश से आकर यहां बस गए हैं। जवाब देते हुए गृह विभाग के मंत्री और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि 173 विदेशी नागरिकों की जांच करवाई जा रही है। सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है। जांच का आदेश दिया गया है।

लालू यादव की बात आरजेडी में नहीं चलतीः तेजप्रताप यादव

पटना। राजद के जयचंदो(कथित) के नाम का खुलासा करने के बाद लालू के बड़े लाल तेज प्रताप यादव अपने पिता की पार्टी नेताओं के निशाने पर आ गए हैं। हालांकि,उन्होंने पार्टी एमएलसी और रबड़ी देवी के मुंहबोले भाई सुनील कुमार सिंह के बयान पर खुला चैलेंज दिया है। तेज प्रताप यह भी बोल गए कि लालू प्रसाद यादव की उनकी पार्टी में कुछ नहीं चलती है। जयचंदों के कारण राजद इस बार 25 पर सिमट गया।

आम सूचना

ICICI Bank
पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390 007
कारपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुंबई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित ऋणधारकों को स्वर्ण आभूषण के एवज में सुविधा में प्रदर्शित धनराशि को चुकता करने हेतु सूचना जारी की जा चुकी है। आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (ICICI Bank) से उन्हें ("सुविधा") उपलब्ध कराई गई। चूंकि ऋणधारक सुविधा अन्तर्गत बकाया भुगतान करने में असफल हो चुके हैं, हम 20 फरवरी, 2026 को बंधक स्वर्ण आभूषणों की ई-नीलामी व्यवहृत करने को बाध्य हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के किसी खाता को हटाने का/ई-नीलामी की तारीख में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाईन https://gold.samil.in पर 12:30 बजे अपराह्न से 3:30 बजे अपराह्न के बीच आयोजित की जायेगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया दी गई वेबसाईट का अवलोकन करें। ऋणधारक की मृत्यु की स्थिति में उसके वैध उतराधिकारी पर सभी नियम एवं शर्तें लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : रायपुर – मोवा	
426862001016	लवली कुमारी

दिनांक : 10.02.2026
स्थान : दिल्ली

सही -
प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तों **1. अजय कुमार** पुत्र श्री संतोष, निवासी मकान नंबर ए. 44, हरिजन बस्ती कैंप, कोण्डली, दिल्ली और **2. कुंदन** पुत्र लाल बाबू सिंह निवासी मकान नं. ए. 193, जी.डी. कॉलोनी, मयूर विहार–3, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 72/2019 धारा 356/379/411/34 भा.द.स., थाना गाजीपुर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. अजय कुमार** और **2. कुंदन** मिल नहीं रहे हैं, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. अजय कुमार** और **2. कुंदन** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इनके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 72/2019 धारा 356/379/411/34 भा.द.स., थाना गाजीपुर, दिल्ली के उक्त अभियुक्तों **1. अजय कुमार** और **2. कुंदन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **13.03.2026** को हाजिर हों।

आदेशानुसारः श्री सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03 (पूर्व)
कमरा नं. 16,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1692/ED/2026

पेज एक का शेष

खुद की तुलना...

बल्कि एक अवसर के रूप में देखना है। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे मिलकर ऐसा माहौल बनाएं, जहां बच्चों को खुलकर सीखने और आगे बढ़ने का मौका मिले।

लोकसभा में.....

विपक्षी महिला सांसद बोलीं, हमने नियम नहीं तोड़ेः उधर, विपक्ष खासकर कांग्रेस की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सदन में किए गए व्यवहार को पक्षपातपूर्ण बताते हुए उनके खिलाफ एक पत्र लिखकर अपना विरोध जताया है। जिसमें उन्होंने अध्यक्ष द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को गलत, आधारहीन और अपमान सूचक बताते हुए कहा कि बीते दिनों राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान महिला सांसदों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सीट के सामने जाकर प्रदर्शन करने के मामले को लेकर आपके द्वारा की गई टिप्पणी कि 'सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच किसी अप्रिय घटना की आशंका के चलते मैंने पीएम को लोकसभा में आने की अनुमति प्रदान नहीं की थी'। जबकि हमारा विरोध पूरी तरह से शांतिपूर्ण, मजबूत और लोकतांत्रिक नियमों के मुताबिक किया गया था। जिसमें मांग सिर्फ एलओपी को सदन में बोलने की अनुमति प्रदान करने से जुड़ी थी। आपसे हमारी अपेक्षा निष्पक्ष रूप से सदन के प्रत्येक सदस्य के अधिकारों की रक्षा करने की रहती है। लेकिन बीते दिनों आपने कांग्रेस के 8 सांसदों को निलंबित कर दिया था। जबकि सत्ता पक्ष के एक सांसद (निशिकांत दुबे) के खिलाफ समान मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हम भाजपा सांसद को भी निष्कासित करने की मांग करते हैं।

हंगामे के बीच ....

लगे। उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं के साथ ही विपक्ष के अन्य दलों के सांसदों का भी साथ मिला। इस पर विपक्षियों को रोकते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष हो या कोई और सभी को प्रश्नकाल के बाद बजट पर चर्चा आरंभ होने पर बोलने का पूरा मौका दिया जाएगा। अभी प्रश्नकाल चलने दीजिए। लेकिन विपक्षी सांसदों पर बिरला की अपील बेअसर साबित हुई और वो अध्यक्ष के सामने आकर 'मोदी सरकार डाउन-डाउन, तानाशाही नहीं चलेगी-नहीं चलेगी, एलओपी को बोलने दो, बोलने दो-बोलने दो' के नारों के साथ हंगामा करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों को नसीहत देते हुए कहा कि सदन नियम-प्रक्रियाओं से चलता है। बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष या अन्य दलों के नेताओं को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाएगा। ये सदन तर्क और संवाद के लिए है। आपसे आग्रह है कि प्रश्नकाल को बाधित न करें। लेकिन लगता है कि विपक्ष नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा करना चाहता है। इसके बाद बिरला ने कार्रवाई को 11 बजकर 5 मिनट से 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

राहुल-रिजिजू के ...

हुई अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि हमने (विपक्ष के नेताओं) अध्यक्ष के कक्ष में जाकर उनसे इस मामले पर चर्चा की थी। उन्होंने मुझे व अन्य नेताओं को प्रतिबद्धता जताते हुए कहा था कि मुझे सदन में बजट पर चर्चा से पहले बोलने का मौका दिया जाएगा। लेकिन आप कुछ और कह रही हैं। मैं आपसे पूछता हूं कि क्या आप मुझे बोलने देंगी या नहीं। जवाब में संध्या राय ने कहा, मेरे पास आपका कोई नोटिस नहीं आया है। सदन में बात रखने से पहले नोटिस देना पड़ता है। आप बिना नोटिस दिए अपनी बात लोकसभा में नहीं रख सकते हैं। राहुल की पैरवी करते हुए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि संसदीय प्रक्रियाओं का पूरी तरह से उल्लंघन किया जा रहा है। जिसके तुरंत बाद सरकार से संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू खड़े हुए और उन्होंने कहा कि जिस वक्त आप लोग लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर रहे थे। उस वक्त मैं भी उनके कक्ष में ही मौजूद था। उन्होंने राहुल गांधी को बोलने देने को लेकर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है। केंद्र सदन में बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ने ये कहा था कि अगर सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी पक्षों के बीच सहमति बन जाती है। तो एलओपी सहित अन्य दलों के नेताओं को भी अपनी बात रखने का मौका प्रदान किया जाएगा। इस वाद-विवाद के बीच हंगामा चलता रहा। जिसके बाद पीठासीन सभापति ने कार्रवाई को 2 बजकर 7 मिनट से मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

सेशेल्स के विकास ...

जाएगा) का विशेष आर्थिक पैकेज देने की घोषणा है। इसके अलावा दोनों पक्षों के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए भारत-सेशेल्स संयुक्त विजन दस्तावेज भी जारी किया गया। जो कि आगामी समय में दोनों देशों के बीच सहयोग के रोडमैप के रूप में काम करेगा। बैठक के बाद 6 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर के साथ उनका आदान-प्रदान किया गया, 7 घोषणाएं हुई और विशेष आर्थिक पैकेज को लेकर भारत ने अपने पक्ष को रेखांकित किया। विदेश मंत्रालय ने अपने कुछ बयानों के जरिए यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि सेशेल्स के राष्ट्रपति बीते 5 फरवरी से भारत के छह दिवसीय राजकीय दौरे पर हैं। जिसमें उनके साथ उनकी धर्मपत्नी, 7 कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापार जगत के प्रतिनिधि शामिल हैं। मंगलवार को राष्ट्रपति ताजमहल देखने के लिए जाएंगे। इसके बाद शाम में उनकी भारत यात्रा संपन्न हो जाएगी और वह सेशेल्स रवाना हो जाएंगे।

ऐसा आर्थिक पैकेज कई देशों को दियाः मिस्रीःविदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच संबंधों को भविष्य में और अधिक मजबूत बनाने का रहा है। लेकिन इसका आकर्षक बिंदु आर्थिक पैकेज और साझा विजन दस्तावेज है। जिसकी मदद से दोनों देश अपने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, रक्षा, क्षमता विकास जैसे संबंधों से इतर अपने सहयोग को क्षेत्रीय-वैश्विक मंचों पर भी मजबूती प्रदान करेंगे। जहां तक सेशेल्स को दिया गया 175 मिलियन का पैकेज है। तो भारत, पूर्व में क्षेत्र में ऐसी ही सहायता श्रीलंका, भूटान और मॉरीशस को भी प्रदान कर चुका है। इसके तहत अभी तक परियोजनाओं का चयन नहीं किया गया है। जल्द ही सेशेल्स में मौजूद हमारे उच्चायुक्त वहां इस संबंध में चर्चा करेंगे। जिसके बाद इन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा। मिस्री के मुताबिक, सेशेल्स एक अच्छी जगह है। जहां अगर हमारे बॉलीवुड प्रोड्यूसर चाहें तो जाकर फिल्में बना सकते हैं।

पीएम ने समझाए ....

पैकेज की घोषणा की है। जो सामाजिक आवासों, ई-गतिशीलता, वोकेशनल प्रशिक्षण, रक्षा, स्वास्थ्य और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ठोस परियोजनाओं को सहयोग देगा। इन पहलों के जरिए सेशेल्स के लोगों खासकर युवाओं के लिए रोजगार और कौशल के नए अवसरों का निर्माण होगा। उन्होंने कहा, दोनों देश केवल भौगोलिकता के हिसाब से एक-दूसरे से जुड़े हुए नहीं हैं। बल्कि इसमें हमारे इतिहास, विश्वास और भविष्य के लिए साझा विजन की अहम भूमिका है। वर्तमान में भारत और सेशेल्स द्विपक्षीय सहयोग के अलावा हिंद महासागर के साझा भविष्य को भी आकार देंगे। स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ाने के साथ ही दोनों फिनटेक, डिजिटल समाधानों में भी आगे बढ़ेंगे।

एक खुले हुए, ...

देने के लिए तैयार है। दोनों नेताओं ने इस क्षेत्र में अपनी साझेदारी को क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया है। पीएम मोदी, राष्ट्रपति हर्मिनी ने दोहराते हुए एक खुले हुए, स्वतंत्र और सुरक्षित आईओआर को लेकर भी अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। जिसमें वैश्विक नियमों-कानूनों के तहत समुद्री आवाजाही का समर्थन किया गया है। सेशेल्स के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को इस वर्ष अपने 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिरकत करने के लिए आमंत्रित किया है। समारोह में भारत की सशस्त्र सेनाओं की एक टुकड़ी भी भाग लेगी।

तकनीक, क्षमता....

के लिए भारत एक स्थिर और भरोसेमंद साझेदार रहा है। किफायती और गुणवत्ता वाली दवाओं की सप्लाई, मेडिकल पर्यटन, स्वास्थ्य ढांचा के विकास में हम सेशेल्स के साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। ऊर्जा, जलवायु क्षेत्र में सहयोग को नवीकरणीय ऊर्जा, लचीलापन और जलवायु स्वीकार्य समाधानों के तहत सहयोग को विस्तार देंगे। ब्लू इकॉनमी हमारे सहयोग का स्वाभाविक क्षेत्र है। हम समुद्री शोध, क्षमता विकास, डेटा शेयरिंग जैसे क्षेत्रों में भारत की विशेषज्ञता सेशेल्स के साथ साझा करेंगे। बैठक में लोगों के बीच संबंध, पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति, खेल के माध्यम से संबंधों को सशक्त बनाया जाएगा। दोनों देश युवाओं के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर सहमत हैं।

इन विषयों पर....

लेकर भी सहमति जताई गई है। जबकि घोषणाओं में 175 मिलियन डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज, विकास से जुड़े संयुक्त विजन दस्तावेज को स्वीकार करने की घोषणा, ग्रांटिस आधारित सेशेल्स के तटरक्षकबल के पीएस जोरास्टर जहाज के जीआरएसई (कोलकाता) में दूसरी मरम्मत को दी गई मंजूरी, सेशेल्स को भारत की तरफ से दी गई 10 एंबुलेंस, आर्थिक पैकेज के तहत सेशेल्स को 1 हजार मीट्रिक टन अनाज और मसूर दाल दी जाएगी। सेशेल्स के सशस्त्र बलों को मजबूती देने के लिए 10 यूटिलिटी वाहन उपहार दिए गए, 5 लेजर आधारित नौकाएं दी गई हैं। भारत के सहयोग से सेशेल्स में उनकी हाइड्रोग्राफिक यूनिट स्थापित की जाएगी।

तेल की खरीद...

है। उन्होंने कहा कि हमारी सोच व रणनीति मामले में वैश्विक बाजारों के आकलन और स्थिरता के पक्ष को ध्यान में रखते हुए कई विकल्पों या स्रोतों को बनाए रखने की रही है। यह जानकारी विदेश सचिव ने भारत-सेशेल्स के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक के बाद आयोजित किए गए विशेष संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में दी है।

ऊर्जा का सबसे बड़ा आयातक भारतः उन्होंने बताया कि भारत तेल और ऊर्जा क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा (शुद्ध) आयातक देश है। साथ ही हम एक विकासशील अर्थव्यवस्था भी हैं, जिसके तहत हमें अपने संसाधनों की उपलब्धता को लेकर भी जागरूक होना ही चाहिए। वर्तमान में भारत 80 से 85 फीसदी तक इस संबंध में आयातित संसाधनों पर ही निर्भर है। इतने बड़े पैमाने पर तेल आयात पर निर्भरता के चलते आयात लागत से उत्पन्न महंगाई की चिंता बने रहना स्वाभाविक है। लेकिन हमारी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की तेल कंपनियां वैश्विक बाजार में मौजूद उपलब्धता, जोखिम, कीमतों जैसे कई कारकों का अध्ययन कर निर्णय लेती हैं। इसमें वे आंतरिक आकलन के साथ ही जवाबदेही और वित्तीय-लॉजिस्टिक सहित अन्य जटिल पहलुओं को भी ध्यान में रखती हैं। यह वो मुद्दा है, जिसके तहत हमारी शीर्ष प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करना है।

भरोसेमंद आपूर्ति पर देते ध्यानः विदेश सचिव ने कहा कि भारत की तेल आयात नीति साफ-सुथरी कीमत और भरोसेमंद सप्लाई जैसे तमाम उद्देश्यों से जुड़ी हुई है। हालिया वर्षों में अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में आई अस्थिरता के बीच हमारा देश निश्चित रूप से दुनिया के कई देशों के साथ साझा हित रखता है। जिसमें वह स्थिर ऊर्जा कीमतें और सुरक्षित सप्लाई चाहता है। उन्होंने दोहराते हुए कहा कि भारत तेल का न केवल सबसे बड़ा उपभोक्ता है। बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने को लेकर भी हमारी अहम भूमिका है। यही हमारे द्वारा कई स्रोतों से ऊर्जा यानी तेल आयात करने का पहला कारण है। संसाधनों में ज्यादा विविधता के साथ हम इस क्षेत्र में अधिक सुरक्षित होंगे। अभी तक वास्तविक सोर्सिंग की जहां तक बात है, तो वो हमारी निजी, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां ही रही हैं।

रक्षा उद्योग...

इन मुद्दों पर हुई चर्चाः दोनों पक्षों की बातचीत में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा जैसे तमाम मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और रणनीतिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई गई है। 2026 के लिए जिस द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का आदान-प्रदान किया गया है। उसमें दोनों देशों के सैन्य बलों के बीच गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई है। इसके अलावा प्रमुख समुद्री मुद्दों पर सहयोग को लेकर भी बैठक में सहमति का उल्लेख किया गया है। ग्रीस की ओर से गुरुग्राम स्थित सूचना संलयन केंद्र-आईओआर में एक ग्रीक अंतरराष्ट्रीय संपर्क अधिकारी की नियुक्ति की घोषणा की गई है। इस यात्रा के दौरान ग्रीक प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलुरु में प्रमुख रक्षा और औद्योगिक प्रतिष्ठानों का दौरा किया। साथ ही दिल्ली में डीपीएसयू, रक्षा उद्योग, स्टार्टअप प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा की है। उनकी ये यात्रा दोनों देशों की सरकारों और आम जनता के बीच लंबे समय से चले आ रहे सौहार्दपूर्ण और घनिष्ठ संबंधों पर आधारित रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि करती है।

घोषणापत्र के खास....

स्वतंत्रता और पारस्परिक सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित होने की बात दोहराई है।

हिमंता बिस्वा सरमा...

है। वीडियो के साथ "प्वाइंट ब्लैंक शॉट" कैप्शन दिया गया था। यह वीडियो राज्य भाजपा के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया गया था, लेकिन व्यापक विरोध के बाद इसे हटा लिया गया। हालांकि, तब तक यह वीडियो राजनीतिक विवाद का केंद्र बन चुका था।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.PC. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **सुश्री पुष्पा रावत, पत्नीः** उत्तम सिंह रावत, पताः मकान न. ई–125, राजेन्द्र प्रसाद कॉलोनी, दिलशाद गार्डन, दिल्ली, ने **FIR No.: 496/2015, U/s: 147/149/152/186/332/353/500 IPC & 3P DPP Act,** थानाः **आनन्द पर्बत, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **सुश्री पुष्पा रावत,** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **सुश्री पुष्पा रावत,** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 496/2015, U/s: 147/149/152/186/332/353/500 IPC & 3P DPP Act,** थानाः **आनन्द पर्बत, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **सुश्री पुष्पा रावत,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अंकुर पंघाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
जिला पश्चिम, कमरा न. 336–ए, तृतीय तल
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/1227/CD/2026
(Court Matter)

FCS SOFTWARE SOLUTIONS LIMITED

The efficiency catalyst

CIN No. L72100DL1993PLC179154
Reg. Office: 205, 2nd Floor, Agarwal Chamber IV, 27, Veer Sawarkar Block, Vikas Marg, Shakarpur, Delhi-92
Corporate Office: Plot No. 83, NSEZ, Noida Dadri Road, Phase-II, Gautam Budh Nagar, Noida- 201305

STATEMENT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS OF FCS SOFTWARE SOLUTIONS LIMITED FOR THE QUARTER ENDED DECEMBER 31, 2025 PREPARED IN COMPLIANCE WITH INDIAN ACCOUNTING STANDARDS (Ind-AS) (Rs. in Lacs)

Particulars	QUARTER ENDED DEC 31, 2025 UNAUDITED	YEAR ENDED MARCH 31, 2025 AUDITED	YEAR ENDED MARCH 31, 2024 AUDITED
Consolidated Financials:			
Total Income from Operations (Net)	1,485.81	3,654.04	3,656.51
Net Profit (+)/ Loss (-) from Ordinary Activities after tax	(197.21)	373.05	(1,204.53)
Net Profit (+)/ Loss (-) for the period after tax (after extra-ordinary items)	(197.21)	373.05	(1,204.53)
Equity Share Capital	17,095.53	17,095.53	17,095.53
Reserve excluding Revaluation Reserves as per balance sheet of previous accounting year	8,202.20	(25,180.50)	8,250.19
Earning Per Share (Rs)* (Not annualised)			
Basic before Extraordinary items (in Rs.)	(0.012)	(0.070)	(0.070)
Diluted before Extraordinary items (in Rs.)	(0.012)	(0.070)	(0.070)
Basic after Extraordinary items (in Rs.)	(0.012)	(0.070)	(0.070)
Diluted after Extraordinary items (in Rs.)	(0.012)	(0.070)	(0.070)

Standalone Financials:

Particulars	QUARTER ENDED DEC 31, 2025 UNAUDITED	YEAR ENDED MARCH 31, 2025 AUDITED	YEAR ENDED MARCH 31, 2024 AUDITED
Total Income from Operations (Net)	766.75	3,267.51	3,619.08
Net Profit (+)/ Loss (-) from Ordinary Activities after tax	(240.52)	273.93	(1,392.65)
Net Profit (+)/ Loss (-) for the period after tax (after extra-ordinary items)	(240.52)	273.93	(1,392.65)
Equity Share Capital	17,095.53	17,095.53	17,095.53
Basic before Extraordinary items (in Rs.)	(0.014)	(0.080)	(0.080)
Diluted before Extraordinary items (in Rs.)	(0.014)	(0.080)	(0.080)
Basic after Extraordinary items (in Rs.)	(0.014)	(0.080)	(0.080)
Diluted after Extraordinary items (in Rs.)	(0.014)	(0.080)	(0.080)

The above is an extract of the detailed format of Quarterly/Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly/Annual Financial Results are available on the Stock Exchange websites on BSE (www.bseindia.com), on NSE (www.nseindia.com) and on the Company websites (www.fcsltd.com)

Place: Noida
Date: February 09, 2026

By order of the Board of Directors
For FCS Software Solutions Ltd
Sd/-
(Director)

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

नई दिल्ली, मंगलवार
10 फरवरी 2026

वैलेंटाइन-डे विशेष

वैलेंटाइन-डे पर जब प्रेम की बात होती है, तो इसके मायने प्राय: रोमांस तक सीमित रह जाते हैं। जबकि प्रेम के बहुत व्यापक अर्थ हैं, रुमानी जज्बातों से बहुत ऊपर। विशेष तौर पर स्त्री के लिए प्रेम के मायने बहुत उदात्त हैं। इसमें स्त्री का अवदान अमूल्य है, अनुपम है। स्त्री के संदर्भ में प्रेम के मायने शाश्वत हैं।

स्त्री के लिए प्रेम के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

जब प्रेम, शब्दों से पहले व्यवहार बन जाए, जब वह कहने से ज्यादा करने में दिखे, तब वहां स्त्री मन उपस्थित होता है। स्त्री का प्रेम कोई क्षणिक भाव नहीं होता, वह एक निरंतर चलने वाली कोमल प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य, समर्पण, समझ और सहनशीलता एक साथ ध्वनित होती है। स्त्री मन प्रेम को मां की ममता में जीता है, पत्नी की जिम्मेदारी निभाता है और बहू के रूप में संतुलन बनाकर चलता है। स्त्री का प्रेम केवल पाने की इच्छा नहीं रखता, बल्कि देने की क्षमता से भरा होता है। वह प्रेम को शर्तों में नहीं बांधती, बल्कि परिस्थितियों के साथ ढाल लेती है। एक स्त्री जब प्रेम करती है, तो वह सामने वाले के स्वभाव को समझने का प्रयास करती है। वह उसकी चुप्पी भी पढ़ लेती है, उसके गुस्से के पीछे की वजह को पहचान लेती है। स्त्री मन का प्रेम केवल भावनात्मक नहीं होता, वह व्यावहारिक भी होता है। वह जानती है कि कब बोलना है, कब चुप रह जाना ही प्रेम को बचा सकता है।

प्रेम में त्याग करती है स्त्री: घर के भीतर हो या काम-काज में, स्त्री का प्रेम सबसे अधिक दिखाई देता है। सुबह की पहली चिंता से लेकर रात की आखिरी तैयारी तक, प्रत्येक काम में उसका प्रेम घुला-मिला होता है। वह भोजन बनाते समय यह सोचती है कि किसे क्या पसंद है, किसे क्या नहीं? वह बीमार सदस्य की नींद का ख्याल रखती है। बच्चों के डर को अपनी हिम्मत से निडर बनाने का प्रयत्न करती है। स्त्री मन का प्रेम त्याग से जुड़ा होता है फिर भी त्याग बोझ नहीं बनता। स्त्री इसे अपने अस्तित्व का हिस्सा बना लेती है।

प्रेम को सहज बनाती है स्त्री: कई बार स्त्री अपनी इच्छाओं को पीछे रख देती है, क्योंकि उसके लिए प्रियजनों की खुशी अधिक महत्वपूर्ण होती है। वह यह नहीं जताती कि उसने क्या छोड़ा, क्योंकि उसका प्रेम दिखावे का नहीं होता। समाज अकसर स्त्री के प्रेम को उसका कर्तव्य कहकर सीमित कर देता है। लेकिन सच्चाई यह है कि स्त्री प्रेम को चुनती है। वह हर दिन दूसरे की खुशी चुनती है, समझना, सहना, संभालना और जीवन में प्रवाहित रहना। यह चयन आसान नहीं होता, फिर भी स्त्री इसे सहज बना लेती है।

स्त्री का प्रेम रिश्तों को जोड़ता है: स्त्री मन का प्रेम रिश्तों को जोड़ने का काम भी करता है। टूटते संवाद, बिगड़ते संबंध, अनकहे मतभेद, इन सबके बीच वह सेतु बनती है। वह जानती है कि हर रिश्ते में जीतना जरूरी नहीं, कई बार रिश्तों को निभाना ज्यादा जरूरी होता है।

स्त्री देती है प्रेम को नया अर्थ: प्रेम में स्त्री की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संवेदनशीलता है। वह भावनाओं को हल्के में नहीं लेती। किसी के शब्दों का असर, किसी की चुप्पी का कारण, वह सब महसूस करती है। यही संवेदनशीलता उसे मजबूत बनाती है, कमजोर नहीं। हालांकि स्त्री मन का प्रेम अकसर परीक्षा में डाला जाता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह हर हाल में समझे, हर परिस्थिति में समायोजन करे। उसकी सहनशीलता को उसकी सीमा समझ लिया जाता है, लेकिन स्त्री का प्रेम असीम नहीं होता। उसे भी सम्मान, अपनापन और समझ की आवश्यकता होती है। जब स्त्री मन को प्रेम के बदले प्रेम मिलता है, तो वह और निखर जाता है। जब उसकी भावनाओं को सुना जाता है, उसकी थकान को पहचाना जाता है, तो वह और अधिक देने में सक्षम होती है। स्त्री का प्रेम तब खिलता है, जब उसे केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में देखा जाता है। मां के रूप में स्त्री, प्रेम को सुरक्षा में बदल देती है। वह बच्चों के लिए ढाल बन जाती है। पत्नी के रूप में वह प्रेम को साझेदारी बनाती है। और बेटी के रूप में वह प्रेम को विश्वास से जोड़ती है।

स्त्री के लिए प्रेम का अर्थ बहुत व्यापक है: स्त्री मन प्रेम में पूर्णता नहीं ढूंढ़ता, वह संतुलन ढूंढ़ता है। वह जानती है कि हर इंसान अपूर्ण है, फिर भी वह उसे स्वीकार करना सीखती है। यही स्वीकार्यता उसके प्रेम को गहराई देती है। आज के समय में जब रिश्ते जल्दी टूट जाते हैं, स्त्री मन का प्रेम उन्हें थामे रखने का प्रयास करता है। वह संवाद बनाए रखने की कोशिश करती है, समझौते को हार नहीं मानती। उसके लिए प्रेम का अर्थ है, साथ चलना, चाहे रास्ता कठिन क्यों न हो। लेकिन यह भी जरूरी है कि स्त्री मन के प्रेम को केवल अवदान के रूप में न देखा जाए, बल्कि एक साझेदारी के रूप में समझा जाए। जब प्रेम एकतरफा होता है, तब वह प्रेम कम, बोझ ज्यादा बन जाता है, तब वह मन को थकाने लगता है। स्त्री का प्रेम तब सबसे सुंदर होता है, जब उसे लौटकर भी उतनी ही संवेदना मिले।

निरंतर निभाए जाने वाला उत्तरदायित्व: यह समझना आवश्यक है कि स्त्री मन का प्रेम केवल एक भाव नहीं, बल्कि एक निरंतर निभाया जाने वाला उत्तरदायित्व है। वह प्रेम को शब्दों में नहीं तौलती, बल्कि उसे जीवन के हर छोटे-बड़े क्षण में जीती है। उसकी उपस्थिति से रिश्तों में स्थिरता आती है। घर में संतुलन बना रहता है और जीवन की कठिनाइयां कुछ आसान लगने लगती हैं। स्त्री मन प्रेम में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर देता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वह स्वयं को भूल जाना चाहती है। स्त्री भी चाहती है कि उसके भावों को समझा जाए, उसकी चुप्पी को सुना जाए और उसकी थकान को पहचाना जाए।

प्रेम में स्त्री का अमूल्य योगदान: प्रेम के अवदान में स्त्री मन का योगदान अमूल्य होता है। वह प्रेम को जीती है, निभाती है और सहेजती है। वह प्रेम को केवल महसूस नहीं करती, बल्कि उसे रोजमर्रा की जिंदगी में उतारती है। स्त्री मन का प्रेम शोर नहीं करता, लेकिन उसकी उपस्थिति से जीवन में स्थिरता आती है। वह बिना कहे बहुत कुछ दे जाता है, और यही उसका सबसे बड़ा अवदान है, प्रेम को जीवन का आधार बना देना।

जीवन को मानवीय बनाता है प्रेम

आज आवश्यकता इस बात की है कि स्त्री मन के प्रेम को केवल त्याग की कसौटी पर न परखा जाए। उसे साझेदारी, संवाद और समान भावनात्मक सहयोग की जरूरत है। प्रेम तब ही पूर्ण होता है, जब वह एकतरफा नहीं, बल्कि दो मनों की साझा यात्रा बन जाए। स्त्री मन का प्रेम शोर नहीं करता, वह दिखावा नहीं करता। वह चुपचाप जीवन को थामे रखता है। वही प्रेम रिश्तों को टूटने से बचाता है, वही प्रेम जीवन को मानवीय बनाता है। और यही स्त्री मन का सबसे बड़ा अवदान है कि वह प्रेम को जीने की कला सिखाता है, बिना शर्त, बिना अपेक्षा, बस पूरी आत्मीयता के साथ।

आप भी जरूर मनाएं प्रेम का यह उत्सव

अधिकांश मैरीड कपल्स मानते हैं कि वैलेंटाइन-डे का क्रेज शादी से पहले तक ही रहता है। जबकि आपसी जुड़ाव में प्रगाढ़ता लाने के लिए प्रेम का यह उत्सव हर दंपति को भी जरूर मनाना चाहिए।

दांपत्य

पूर्ति खरे

फरवरी माह की 14 तारीख यानी वैलेंटाइन-डे केवल लविंग कपल्स के लिए ही नहीं, पति-पत्नी के लिए भी किसी पर्व से कम नहीं है। वास्तव में पति-पत्नी का रिश्ता गहरा, मजबूत और जीवन भर का बंधन होता है, जो प्रेम, विश्वास और आपसी समझ पर ही आधारित होता है। यह रिश्ता न केवल दो लोगों को जोड़ता है, बल्कि दो परिवारों को भी एक साथ लाता है। इसलिए इस खास दिन आप अपने प्यार और विश्वास को एक-दूसरे के प्रति व्यक्त कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ तरीके अपना सकते हैं।

रोमांटिक डिनर: पति-पत्नी इस अवसर पर एक साथ रोमांटिक डिनर का आनंद ले सकते हैं। आप अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट में जा सकते हैं या घर पर ही रोमांटिक डिनर अरेंज कर सकते हैं।

लवली ट्रिप: वैलेंटाइन-डे को स्पेशल बनाने के लिए कहीं बाहर ऐसी जगह घूमने जा सकते हैं, जहां बस आप दोनों हों। इसके लिए किसी सुंदर नेचुरल प्लेस को चुनें, जैसे कि समुद्र तट, हिल स्टेशन या नेशनल पार्क या ऐसी ही कोई जगह। रोजमर्रा की जिम्मेदारियों से दूर एक-दूजे के साथ बिताया गया यह समय न केवल प्यारा अहसास देगा, आपके लिए हमेशा के लिए यादगार बन जाएगा।

मूवी नाइट: पति-पत्नी प्यार के इस खास अवसर पर एक साथ मूवी नाइट का आनंद ले सकते हैं। आप अपनी कोई पसंदीदा मूवी अपने लाइफ पार्टनर के साथ देख सकते हैं। साथ में बैठकर पॉपकॉर्न का आनंद लेते हुए फिल्म देखना आपको बहुत खुशी देगा। निश्चित तौर पर साथ बिताया यह समय आपके रिश्ते को एक नई उमंग से भर देगा।

म्यूजिक कॉन्सर्ट: किसी म्यूजिक कॉन्सर्ट में जाकर पति-पत्नी एक साथ इस खास दिन संगीत का आनंद ले सकते हैं। आप चाहें तो अपने घर पर ही अपने पसंदीदा रोमांटिक गीतों को सुन सकते हैं और साथ में डांस भी कर सकते हैं। यकीन मानिए प्रेम भाव से भरे हुए गाने आप दोनों के भीतर प्यार का नया अहसास भर देंगे।

इनका भी रखें ध्यान: आप वैलेंटाइन-डे के अवसर पर यहां बताए गए आइडियाज पर तो अमल करें ही साथ ही कुछ और बातों का भी हमेशा यानी हर रोज ध्यान रखें तो आपका प्यार कभी कमजोर नहीं होगा।

- पति-पत्नी को हर रोज एक-दूसरे को कुछ समय जरूर देना चाहिए। आप एक-दूसरे के साथ समय बिताने के दौरान अपने विचारों और मन की बातों को साझा कर सकते हैं।
- आत्मीय बातचीत के दौरान पति-पत्नी को केवल अपनी बात कहनी ही नहीं चाहिए पार्टनर की बात सुननी भी चाहिए। आप एक-दूसरे की समस्याओं को न केवल ध्यान से सुनें, उसका समाधान निकालने का भी प्रयास जरूर करें।
- एक-दूसरे को अगर आप प्यार करते हैं तो अपने जज्बात बयां करने से भी नहीं नहीं झिझकें। अपनी भावनाएं बयां करने से प्यार और प्रगाढ़ होता है।
- पति-पत्नी को एक-दूसरे का साथ हर जगह देना चाहिए। एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करने की भी हर संभव कोशिश करें।
- रोजमर्रा के कामों में गलतियां सभी से होती रहती हैं। ऐसे में पति-पत्नी को एक-दूसरे को माफ करना भी आना चाहिए। इससे अपने जीवनसाथी के प्रति मन में सम्मान बढ़ता है। इसलिए एक-दूसरे की छोटी-छोटी कमियों को नजरअंदाज करें और प्यार के इस रिश्ते को प्रगाढ़ करने की दिशा में आगे बढ़ें।

भले ही आज सोशल मीडिया और इंटरनेट के दौर में दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाले व्यक्ति से रिलेशन बनाना ईजी हो गया है, लेकिन नई पीढ़ी का एक वर्ग अपने आस-पास के व्यक्ति से ही डेटिंग-लव रिलेशन को इंपॉर्टेंस देने लगा है। इस जिप-कोड डेटिंग के कई फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इनके बारे में आप भी जानें।

न्यू जेनरेशन को भा रहा जिप-कोड डेटिंग ट्रेंड

न्यू ट्रेंड

दीपिका शर्मा

आज के तेज रफ्तार वाले डिजिटल दौर में, जहां हम दुनिया भर के लोगों से सेकेंडों में कनेक्ट हो सकते हैं, वहीं प्यार की दिशा थोड़ी विपरीत दिशा में घूमती दिख रही है। आज की युवा पीढ़ी लंबी दूरी के रोमांस की जगह अपने आस-पड़ोस में ही साथी खोजने को तरजीह दे रही है। इसे ही कहा जा रहा है जिप-कोड डेटिंग यानी मोहब्बत की तलाश अब चैट एप्स पर नहीं, बल्कि अपने आस-पास के गली, मोहल्ले और पोस्टल कोड की सीमाओं में हो रही है। रिश्तों की यह वापसी पुराने स्कूल-डेज वाली फीलिंग देती है, जहां मोहब्बत रोज मिलने की मुस्कान और बार-बार दिखने वाले चेहरे से पनपती थी।

निकटता बनाती है आकर्षक: जिप-कोड ट्रेंड की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह सुविधा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में फर्क कम होता है। साथ ही पास रहने से सुरक्षा और कंफर्ट जोन दोनों बढ़ते हैं। जिप-कोड का ट्रेंड केवल पढ़ने-सुनने में ही अच्छा नहीं लगता है बल्कि लॉजिकल भी लगता है। दरअसल, आप उनके साथ आसानी से जुड़ सकते हैं, जो आपके जैसी लाइफस्टाइल जीते हैं।

अनजाने में टकराना, ये छोटे-छोटे क्षण दिल में पहचान और फिर विश्वास का बीज बो देते हैं। यही पहचान धीरे-धीरे अपनापन बनाती है। कभी-कभी यह रिश्ता गहरे संग-साथ यानी साथ निभाने वाले संबंध में बदल जाता है।

इस नए ट्रेंड के फायदे: जिप-कोड ट्रेंड का सबसे पहला फायदा तो यही है कि पास रहना मतलब आसान पहुंच। न लंबी दूरी, न समय की बाधा, जब चाहें मिल सकें, बातचीत हो सके। इससे कम्युनिकेशन सहज रहता है और गलतफहमी कम होने की संभावना रहती है।

दूसरा लाभ, खर्च और मेहनत दोनों बचते हैं। दूर रहने वाले रिश्तों में समय और पैसे दोनों अधिक लगते हैं, जबकि जिप-कोड डेटिंग में यही संसाधन क्वालिटी टाइम में बदले जा सकते हैं। तीसरा फायदा यह है कि साझा परिवेश, रिश्ते को एक मजबूत नींव देता है। समान इलाके, समान भाषा, समान जीवनशैली यह कंपैटेबिलिटी को बढ़ाती है। परिवार के लोग भी ऐसे रिश्तों को जल्दी स्वीकार कर लेते हैं, क्योंकि सामाजिक-कनेक्शन दोनों का सुंदर मिश्रण है। पहले लोग प्रेम-पत्र लिखकर महीनों तक जवाब का इंतजार करते थे, आज रिप्लाई मिनटों में मिलता है और मिलने का प्लान तो कुछ कदम चलकर भी पूरा हो सकता है। यही निकटता इसे और भी आकर्षक बनाती है। रोज चलते हुए वही चेहरा नजर आना, बस स्टैंड पर एक ही बस का इंतजार करना, सब्जी मंडी में

होते हैं कुछ रिस्क भी: जिप-कोड रिलेशन में जहां आपसी दूरी कम होती है तो वहां पर्सनल स्पेस भी कम हो सकता है। पड़ोसियों की नजरें, समाज की बातें, प्राइवेसी में सेंध, ये सब इस रिश्ते के पनपने की राह में सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। रिश्ता निभ गया तो पूरा इलाका खुश, पर अगर खटास आई तो रोज सामना होना ही भारी लग सकता है। साथ ही, चुनाव का दायरा सीमित होना भी एक कमी है। हम वही चुनते हैं, जो आस-पास विकल्प में हो, न कि वह जो व्यक्तित्व या अहमियत से ज्यादा मेल खाए। यानी, सिर्फ दिल मिलना नहीं, एक-दूसरे के बीच की दूरी भी मायने रखती है। यह आपकी लेजीनेस पर्सनालिटी को भी दर्शाता है। साथ ही यह भी साबित करता है कि रिस्क लेने की क्षमता का आपमें अभाव है। आप चैलेंज लेने से डरते हैं, क्योंकि आपको लगता है कि किसी दूसरे को समझने में, जानने में और ढूंढने में समय लगेगा, इसलिए अपने आस-पास जो है, उसी से काम चलाओ। यानी, जिप कोड एटिट्यूड जितना सरल लगता है, लंबी अवधि में उतने ही नेगेटिव इंपैक्ट भी दिखता है।

मेकअप

निधि गोयल

दमकेगा आपका ऐसा रूप पार्टनर हो जाएंगे फिदा

वैलेंटाइन-डे के खास मौके पर आप जरूर चाहेंगी कि आपका लुक स्पेशल नजर आए, आपके पार्टनर आप पर फिदा हो जाएं तो इसके लिए आपको यहां बताए जा रहे मेकअप के स्टेप्स फॉलो करने होंगे। इससे आपका मेकअप अट्रैक्टिव के साथ ग्लोइंग भी नजर आएगा। आइए जानते हैं, आप किस तरह अपने मेकअप को परफेक्ट लुक दे सकती हैं।

स्किन को करें क्लीन: सबसे पहले जरूरी है कि आप अपनी स्किन को अच्छे फेसवॉश से क्लीन करें। इसके बाद मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें, जिससे आपकी स्किन हाइड्रेट रहे क्योंकि स्किन का सॉफ्ट और हाइड्रेट रहना भी बेहद आवश्यक है। इसके बाद प्राइमर का इस्तेमाल करें, जिससे आपका मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहेगा और स्किन स्मूद और क्लीन नजर आएगी।

फाउंडेशन का करें यूज: क्लीनिंग के बाद आपको अपनी स्किन टोन से मैच करते हुए फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। फाउंडेशन को स्पंज या ब्रश की सहायता से ब्लेंड करें, जिससे यह स्किन पर अलग से लगा हुआ नजर नहीं आएगा। इससे आपकी स्किन को ग्लोइंग लुक मिलेगा।

नेचुरल कलर का ब्लशर: फेस स्किन पर फाउंडेशन का इस्तेमाल करने के बाद गालों पर ब्लश अप्लाई करें। इसके लिए पिंक और पीच कलर के ब्लश का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे गालो को नेचुरल लुक मिलेगा और आपका मेकअप भी ग्लोइंग नजर आएगा। ब्लशर में आप क्रीमी ब्लश का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे स्किन को बेहद ताजगी भरा लुक मिलता है।

ऐसे करें आइज मेकअप: आंखों का मेकअप जब भी करें तो ध्यान रखें कि आपको बहुत ज्यादा हैवी मेकअप नहीं करना है क्योंकि दिन में आप किसी पार्टी में या अपने पार्टनर के साथ घूमने जा रही हैं तो थोड़ा सॉफ्ट मेकअप ही अट्रैक्टिव लगता है। इसके लिए आपको आंखों पर लाइट कलर के आईशैडो का इस्तेमाल करना सही रहेगा। आंखों पर अपनी ड्रेस से मैच करते हुए शेड का इस्तेमाल आप कर सकती हैं। साथ ही आईलाइनर को डिफरेंट तरीके से लगा सकती हैं। इसके बाद मस्कारा या काजल का इस्तेमाल भी करें।

लिक्विड हाइलाइटर: मेकअप पूरा होने के बाद हाइलाइटर का इस्तेमाल जरूर करें। इससे स्किन पर ग्लो आता है। हाइलाइटर का इस्तेमाल करें तो उसे गालों, नाक की हड्डी और माथे पर लगाएं, जिससे आपको नेचुरल ग्लोइंग लुक मिलेगा। परंतु ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा मात्रा में हाइलाइटर नहीं लगाएं।

होंठों को दें ग्लॉसी लुक: जब आप मेकअप कंप्लीट कर लेती हैं, तो बारी आती है होंठों को अट्रैक्टिव बनाने की। इसके लिए आप होंठों पर ग्लॉस का इस्तेमाल करें, क्योंकि नेचुरल कलर के ग्लॉस ज्यादा अच्छा लुक देते हैं। इन्हें लगाने से आपका पूरा मेकअप निखर जाएगा।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

सजेशन

मनोज अग्निहोत्री

गिफ्ट के जरिए हम अपने किसी प्रिय को अपनी फीलिंग्स प्रकट करते हैं। बात जब वैलेंटाइन-डे पर गिफ्ट देने की हो तो यह और भी मायने रखता है। इसीलिए हम कुछ यूनीक गिफ्ट आइटम्स के बारे में बता रहे हैं।

आपके पार्टनर को आएंगे पसंद ये अट्रैक्टिव-यूनीक गिफ्ट्स

किसी भी खास अवसर पर हम गिफ्ट देकर अपने प्रिय को स्पेशल फील करा सकते हैं। आने वाले वैलेंटाइन-डे पर आप भी अपने पार्टनर को जरूर कोई प्यारा सा गिफ्ट देना चाहेंगे। गिफ्ट देते समय आपको अपने पार्टनर की पसंद के साथ ही उसके लुक, उसके यूज और उससे जुड़ी अपनी फीलिंग्स का ध्यान रखना चाहिए। अगर आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा क्या दिया जाए जो आपके पार्टनर को तो पसंद आए ही उनके लिए उपयोगी भी हो, तो हम आपको ऐसे ही कुछ बेहतरीन और यूनीक गिफ्ट ऑप्शंस के बारे में बता रहे हैं। इनमें से किसी को भी आप अपने प्रियजन को दे सकते हैं और इस वैलेंटाइन-डे को यादगार बना सकते हैं।

कस्टमाइज ज्वेलरी: आप अपने पार्टनर को स्पेशल फील करवाने के लिए उनके नाम से कस्टमाइज करवाकर रिस्ट वॉच, इयर रिंग्स, कफलिंग्स, रिंग्स या लॉकेट वाली चेन आदि दे सकते हैं। कम दाम में भी ऐसे गिफ्ट्स मिल जाएंगे।

फोटो एल्बम या फोटो कोलाज: साथ बिताए पलों को और अपने पार्टनर के अलग-अलग फोटोज को आप बहुत खूबसूरत से फोटोफ्रेम में कैप्चर करके उन्हें प्रेजेंट कर सकते हैं। इसी तरह आप कई प्यारी सी तस्वीरों का कोलाज भी बनवा कर उनको गिफ्ट कर सकते हैं। यह यूनीक और अनमोल तोहफा आपके पार्टनर को जरूर पसंद आएगा।

हैंड रिटेन लैटर: मोबाइल और डिजिटल दुनिया के इस दौर में आप एक खूबसूरत से लैटर पैड पर अपने प्रिय के प्रति अपनी भावनाओं को कविता या पत्र के माध्यम से लिखकर सुंदर से लिफाफे में रखकर गिफ्ट कर सकते हैं। पेन और पेपर से व्यक्त की गईं आपकी भावनाएं आपके पार्टनर को अवश्य पसंद आएंगी। आपकी फीलिंग्स से भरे इन शब्दों को वे कभी नहीं भूल पाएंगे।

होम मेड आइटम्स: आप घर पर ही हार्ट शेप की कुकीज, केक्स, नानखटाई या चॉकलेट्स बनाकर उसे गिफ्ट पेपर में रैप करके भी गिफ्ट कर सकती हैं। बाजार की रेडीमेड वस्तुओं की जगह ये हैंडमेड आइटम्स आपके पार्टनर को आपके प्यार की ऊष्मा का अहसास कराएंगी।

प्यारे से प्लांट्स: यदि आपके पार्टनर नेचर लवर हैं, तो आप उनको जेड, एडेनियम, गुलाब, पाम या क्रोटन जैसे पौधों को सुंदर गमले में लगाकर गिफ्ट दे सकते हैं। जो आपके प्यार की ही भांति धीरे-धीरे बढ़ेगा। इन पौधों को जब भी आपका पार्टनर देखेगा, आपको याद किए बिना नहीं रह सकेगा।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स: अगर आपके पार्टनर टेक्नोलवर हैं तो उनको आप स्मार्ट वॉच, वायरलेस इयर फोंस, टैब या एयरफ्रायर जैसा होम एप्लाइंस भी गिफ्ट कर सकते हैं। गिफ्ट खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखें-

- गिफ्ट खरीदते समय अपने पार्टनर की उम्र और रुचि का अवश्य ध्यान रखें ताकि गिफ्ट उनके लिए उपयोगी रहे।
- पहले अपना बजट निर्धारित करें और उसी के अनुसार गिफ्ट का चयन करें।
- अकसर ऑफलाइन की अपेक्षा ऑनलाइन गिफ्ट आइटम्स में अधिक वैरायटीज और क्वालिटी मिल जाती हैं। आप अपने बजट के अनुसार वहां से भी गिफ्ट खरीद सकते हैं।
- गिफ्ट चाहे छोटे आकार का हो या बड़ा उसे गिफ्ट पेपर में अच्छी तरह रैप करके ही प्रेजेंट करें। इससे गिफ्ट की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है।

कांग्रेस ने 15 को तो भाजपा ने 16 को बुलाई विधायक दल की बैठक

बजट सत्र से पहले सियासी घमासान: कांग्रेस-भाजपा की रणनीतिक बैठकें जारी, सदन में जनता के मुद्दों पर टकराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले प्रदेश की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। सत्तारुढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस, दोनों ही दल आगामी सत्र को लेकर अपनी-अपनी रणनीति को धार देने में जुट गए हैं। जनता से जुड़े मुद्दों, खासकर कफ सिरप कांड जैसे संवेदनशील मामलों को लेकर सदन के भीतर तीखी बहस के संकेत पहले ही मिल रहे हैं। कांग्रेस ने बजट सत्र की तैयारी को लेकर 15 फरवरी को विधायक दल की अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के नेतृत्व में होगी, जिसमें सभी कांग्रेस विधायक शामिल होंगे।

बैठक में यह तय किया जाएगा कि बजट सत्र के दौरान सरकार को किन मुद्दों पर और किस रणनीति के तहत घेरा जाए। कांग्रेस का स्पष्ट रुख है कि वह महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देगी।

सदन के भीतर मांगेगी कांग्रेस जवाब

विशेष रूप से छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड को लेकर कांग्रेस सरकार से सदन के भीतर जवाब मांगेगी। पार्टी का कहना है कि इस मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि बजट सत्र जनता की आवाज उठाने का सबसे बड़ा मंच है और इसे पूरी मजबूती से इस्तेमाल किया जाएगा।

फाइल फोटो।

16 फरवरी को भाजपा की मुख्यमंत्री आवास में बैठक

दूसरी ओर, कांग्रेस की आक्रामक तैयारी को देखते हुए भाजपा भी अलर्ट मोड में आ गई है। 16 फरवरी को भाजपा विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री आवास में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री समेत वरिष्ठ मंत्री और विधायक शामिल होंगे। बैठक में विपक्ष के संभावित सवालों, सरकार की उपलब्धियों और सत्र के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की जाएगी। भाजपा की कोशिश रहेगी कि विपक्ष के हमलों का तथ्यों के साथ जवाब दिया जाए और सरकार की योजनाओं को मजबूती से सदन में रखा जाए।

अधिकारी भी रहेंगे करवाई के दौरान मौजूद

इधर, विधानसभा सचिवालय ने भी बजट सत्र को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। सचिवालय ने सभी विभागों को विधायकों के सवालों के संबंध में पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि हर सवाल का जवाब समय पर और अनिवार्य रूप से तैयार रखा जाए। सत्र के दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारी सदन में मौजूद रहेंगे, ताकि किसी भी प्रश्न का तुरंत जवाब दिया जा सके।

खर्च चलाने के लिए आएगा अनूपूरक बजट

बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू हो रहा है। शुरुआत में वित्त मंत्री द्वारा अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा, जिसके बाद प्रदेश सरकार का मुख्य बजट सदन के पटल पर रखा जाएगा। ऐसे में साफ है कि यह सत्र सिर्फ आर्थिक नीतियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजनीतिक रूप से भी काफी गर्म रहने वाला है।

---

20 करोड़ की लागत के वॉटर पार्क का लोकार्पण, विकास कार्यों की लगाई झड़ी

सिंचाई कॉम्पलेक्स के साथ मुख्यमंत्री ने लगाई शहडोल जिले में सौगातों की झड़ी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शहडोल जिले के धनपुरी में 20 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए वॉटर पार्क के लोकार्पण अवसर पर जिले के लिए सौगातों की झड़ी लगा दी। उन्होंने गीता भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इसके बन जाने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी और कोचिंग जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने शहडोल सिंचाई कॉम्पलेक्स निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत सोन नदी पर 4 माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। लगभग 2300 करोड़ रुपए की इस योजना से 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा। डॉ यादव ने जैतपुर को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि शहडोल मेडिकल कॉलेज में सीट वृद्धि के संबंध में विभाग से प्रस्ताव प्राप्त होने पर सीट वृद्धि की जाएगी। शहडोल जिले में 160 करोड रुपए लागत से 45 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा जैतपुर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के भवन निर्माण की भी उन्होंने घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री यादव ने नवीन महाविद्यालय आरंभ करने की घोषणा की। उन्होंने 3 किलोमीटर लंबे मॉडल रोड निर्माण पर भी सहमति प्रदान की।

जैतपुर बनेगी नगर पंचायत, गीता भवन का निर्माण होगा

खास बातें

- नए महाविद्यालय और सड़क निर्माण की घोषणा की
- 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा

योजनाओं का लोकार्पण करते सीएम।

देश-प्रदेश में बह रही विकास की गंगा

कार्यक्रम में मौजूद सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में देश-प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। इसी का परिणाम है कि धनपुरी को मिनी ओलंपिक के मापदंड पर आधारित स्विमिंग पूल की सौगात मिली है। विधायक जय सिंह मरावी ने मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा क्षेत्र को दी जा रही सौगात के लिए उनका आभार माना। मरावी ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र में आवश्यक विकास कार्यों और जन अपेक्षाओं से अवगत कराया। नगर पालिका धनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा ने स्वागत भाषण दिया तथा नगर पालिका द्वारा निर्मित वॉटर पार्क और अन्य संचालित गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर नगरीय निकाय तथा पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित थे।

माता शबरी की जयंती पर दीं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी को माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निष्कपट भक्ति, समर्पण और साधना की सर्वोच्च प्रतीक शबरी मैया ने सारा जीवन रघुवर की प्रतीक्षा की। प्रेम में समर्पित इस प्रतीक्षा का फल केवल माता शबरी को ही नहीं मिला बल्कि स्वयं भगवान श्री राम को भी मिला। मनुष्य से मनुष्य का प्रेम ही सनातन संस्कृति की विशेषता है। भगवान श्रीराम और माता शबरी का प्रेम बताता है कि हमारे समाज में जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं है।

माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि माता-बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। लोकसभा-विधानसभा में भी बहनों को आरक्षण मिलने वाला है। आने वाला समय माता-बहनों का है, हमारी संस्कृति बहनों के आधार पर ही पुष्पित पल्लवित होती रही है।

747.91 करोड़ लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण

भक्तिभाव से शबरी मैया ने बढ़ाया पूरे वनवासी समाज का मान: डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कोल समाज की कुल देवी शबरी मैया हम सबके लिए सदैव आराध्य और वंदनीय हैं। उन्होंने अपने चरित्र एवं सत्कर्मों से पूरे वनवासी और जनजातीय समाज का मान बढ़ाया। भगवान को बेर भी भेंट देने से पहले खुद बेर का मीठापन जांच लेना उनकी भक्ति का उत्कर्ष है।

डॉ यादव रविवार को शहडोल जिले की ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गंधिया स्थित सीतामढ़ी धाम में माता शबरी जयंती पर आयोजित जनजातीय हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सीतामढ़ी परिसर में शबरी मैया की एक सुंदर प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। डॉ यादव ने ग्राम गंधिया से शहडोल जिले के लिए 747 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत वाले 139 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। इसमें 613 करोड़ रुपए से अधिक लागत से 79 कार्यों का लोकार्पण तथा 134 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 60 कार्यों का भूमि पूजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

माता शबरी जयंती पर मौजूद सीएम।

जनजातीय वर्ग का कल्याण हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत 98 करोड़ 30 लाख रुपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 401.56 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जा चुका है। हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के नायकों की गौरव गाथाओं को शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। डॉ यादव ने ब्यौहारी में 30 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी धाम को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने तथा वन्य जीव पर्यटन गतिविधियों के विकास-विस्तार के लिए क्षेत्रीय संजय डूबरी टाइगर रिजर्व का एक गेट ब्यौहारी की तरफ भी खोलने की घोषणा की।

गंधिया राम वन गमन पथ विकास योजना में शामिल

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि शबरी माता ने बरसों भगवान श्री राम का इंतजार किया। यह एक भक्त के अपने भगवान पर अटूट विश्वास का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम आए, शबरी मैया की भक्ति और स्नेह से अत्यंत भावविभोर हुए और उन्हें नवधा भक्ति का ज्ञान देकर मोक्ष भी प्रदान किया। हमारी सरकार ने शबरी मैया और हम सबके आराध्य भगवान श्रीराम की स्तुति के लिए श्री रामचन्द्र पथ गमन न्यास की स्थापना की है। हम प्रदेश में 1450 किमी लंबे राम वन गमन पथ का निर्माण करने जा रहे हैं। चित्रकूट में उन्होंने 11 वर्ष बिताए। ग्राम गंधिया में भी वे 11 रात रहे। इसीलिए गंधिया को भी राम वन गमन पथ विकास योजना में शामिल कर लिया गया है। औद्योगिक विकास केंद्र खोलने की घोषणा मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि क्षेत्र में महुआ और कटहल बहुतायत से होता है। इसीलिए इन दोनों से बनने वाली औषधियों एवं अन्य उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में उद्योग, रोजगार एवं निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री ने यहां एक औद्योगिक विकास केंद्र खोलने की घोषणा की।

दृश्य देखकर लोगों में मंचा हड़कंप, वीडिया वायरल

नाले में फंसे युवक को जेसीबी की सहायता से निकाला बाहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पुराने बस स्टैंड के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। नाले में फंसे एक युवक को घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। युवक के हाथ के नाले के स्लैब के नीचे से बाहर निकलने के दृश्य ने स्थानीय लोगों के बीच हड़कंप मचा दिया।

सूचना मिलते ही नगर निगम और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव अभियान और युवक की पहचान स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, स्थानीय लोगों ने तुरंत नगर निगम और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही बचाव दल तुरंत हरकत में आ गया। जेसीबी मशीन की सहायता से नाले की स्लैब को तोड़ा गया। काफी जद्दोजहद के बाद, टीम ने युवक को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की। बाहर निकाले जाने पर युवक ने अपना नाम रामकुमार चौहान बताया और खुद को जोंधरा क्षेत्र का निवासी बताया। पुलिस की पूछताछ जारी है। हालांकि, युवक को बचा लिया गया है, लेकिन उसके नाले में फंसने की परिस्थितियां अभी भी रहस्य बनी हुई हैं। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान, रामकुमार के जवाब असंतोषजनक और स्पष्ट नहीं थे।

वह बार-बार अपनी बातों को लेकर उलझता रहा, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो रहा है कि वह किस वजह से और कैसे नाले में फंसा था। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और युवक से पूछताछ कर यह जानने का प्रयास कर रही है कि यह घटना कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। इस घटना का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है ताकि इस मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

यूजीसी के निर्णय के विरोध में करणी सेना ने निकाला मशाल-जुलूस

प्रदर्शन कर रहे करणी सेना के लोग।

कानून वापस लेने की मांग, पुलिस ने राजभवन जाने से रोका

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

यूजीसी के निर्णय के विरोध में रविवार को शाम क्षत्रिय करणी सेना ने मशाल जुलूस निकालकर विरोध दर्ज करवाया। जुलूस भारत माता चौराहा से शुरू होकर राजभवन तक जाना था, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही उसे रोक लिया। राज्यपाल को ज्ञापन देने के लिए सिर्फ पांच लोगों को जाने की अनुमति दी गई। प्रदर्शनकारी काला कानून वापस लेने की मांग कर रहे थे। इस प्रदर्शन में सवर्ण समाज के कई संगठन और आम नागरिक भी इसमें शामिल हुए।

- राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के लिए प्रदर्शन कर रहे केवल पांच लोगों को ही अनुमति प्रदान की गई

जनजातीय परंपराओं पर आधारित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

बस्तर पंडुम 2026 के समापन अवसर पर लालबाग मैदान पहुंचे केन्द्रीय गृहमंत्री शाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम 2026 के समापन अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालबाग मैदान में आयोजित जनजातीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर जनजातीय समाज के जीवन में उपयोग होने वाले उत्पादों, हस्तशिल्प और कलाओं की जानकारी ली। अमित शाह ने ढोकरा शिल्प, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस व लौह शिल्प, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, जनजातीय चित्रकला, वन औषधि, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति भारत की आत्मा का जीवंत स्वरूप है।

बस्तर पंडुम संस्कृति को सहने का सशक्त माध्यम: सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर पंडुम जनजातीय संस्कृति को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार जनजातीय कला, शिल्प और परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बस्तर पंडुम के समापन समारोह में सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर 45 साल तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा। यह केरल से बड़ा है और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, फिर भी यह लाल आतंकवाद की चपेट में रहा। जब से हमने दिसंबर 2023 में सरकार बनाई है, सिर्फ दो साल में हमने इस इलाके में शांति लाई है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर पंडुम की बारह विधाओं की प्रतियोगिता में विजेता दलों से भेंटकर उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वनमंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंह देव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बस्तर पंडुम 2026 संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता

- **जनजातीय नृत्य** : गौर माड़िया नृत्य (बुधराम सोढ़ी, ढंतेवाड़ा)
- **जनजातीय गीत** : पालनार दल (मंगली एवं साथी, ढंतेवाड़ा)
- **जनजातीय नाट्य** : लेखम लखा (सुकमा)
- **जनजातीय वाद्ययंत्र** : रजऊ मंडदी एवं साथी (कोण्डागांव)
- **जनजातीय वेशभूषा** : गुंजन नाग (सुकमा)
- **जनजातीय आभूषण** : सुदनी दुग्गा (नारायणपुर)
- **जनजातीय शिल्प** : ओमप्रकाश गावड़े (कोया आर्ट्स, कांकेर)
- **जनजातीय चित्रकला** : दीपक जुर्री (कांकेर)
- **जनजातीय पेय पदार्थ** : भैरम बाबा समूह (उर्मीला प्रधान, बीजापुर)
- **जनजातीय व्यंजन** : ताराबती (दंतेवाड़ा)
- **आंचलिक साहित्य** : उत्तम नाईक (कोण्डागांव)
- **बस्तर वन औषधि** : राजदेव बघेल (बस्तर)

पत्नी पर फावड़े से हमला कर की वारदात

शादी के 18 साल बाद भी मां नहीं बन पाने से नाराज था आरोपी पति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में एक डरावनी घटना हुई है, जहां घरेलू झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया। बच्चे न होने और पत्नी के कैरेक्टर पर शक के चलते पति ने फावड़े से पत्नी पर हमला कर उसे मार डाला। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया, लेकिन सोमवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना कटघोरा थाना इलाके में हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, गायत्री बस्ती, ढेलवाडीह में रहने वाले तुलसी यादव (37) की शादी करीब 18 साल पहले रंजना यादव (35) से हुई थी। शादी के इतने साल बाद भी दोनों के कोई बच्चे नहीं हुए। इसी वजह से पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। आरोपी पति अपनी पत्नी के कैरेक्टर पर भी शक करता था, जिससे तनाव और बढ़ गया।

मायके से लौटने के बाद जमकर हुआ विवाद

जांच में पता चला कि घटना वाले दिन भी दोनों के बीच पुरानी बातों को लेकर बहस हुई थी। बताया गया कि रंजना हाल ही में ढेलवाडीह मेला देखने अपने मायके गई थी, जहां उसका पति भी पहुंचा था।

सड़क पार कर रहे भालू को मारी टक्कर, मौत

कोरबा। उरगा-पत्थलगांव नेशनल हाईवे सड़क को पार कर रहे जंगली भालू को वाहन ने टक्कर मार दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद कोसाबाड़ी स्थित डिपो में अंतिम संस्कार किया गया। बताया जा रहा है कि उरगा से पत्थलगांव नेशनल हाईवे का निर्माण अभी चल रहा है। इसी मार्ग पर सरदुकला के पास भालू रविवार की रात लगभग आठ बजे सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान भारी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। वहीं इस हादसे के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं सूचना मिलते ही रेंजर मृत्युंजय शर्मा के साथ वन विभाग की टीम पशु चिकित्सक डॉक्टर अंकित शुक्ला के साथ मौके पर पहुंचे।

सीहोर से मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, बनारस और प्रयागराज की कनेक्टिविटी

सांसद शर्मा के प्रयासों से दो ट्रेनों के स्टॉपेज अब सीहोर में स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सांसद आलोक शर्मा ने विगत दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर ट्रेन कनेक्टिविटी को लेकर सीहोर वासियों की मांग को पूरा किया है।

रेल मंत्री वैष्णव ने सांसद शर्मा के प्रस्ताव पर दो महत्वपूर्ण ट्रेनों के स्टॉपेज सीहोर में स्वीकृत किए हैं। उल्लेखनीय है कि इन ट्रेनों के स्टॉपेज हो जाने से सीहोर में पं. प्रदीप मिश्रा की कथा सुनने और कुबेरेश्वर धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। सीहोरवासियों के द्वारा वनारस, प्रयागराज, अहमदाबाद, मुंबई आदि धार्मिक और व्यापारिक महत्व के इन बड़े शहरों के लिए इन ट्रेनों की मांग काफी लंबे समय से की जा रही थी। सांसद आलोक शर्मा के संज्ञान में जब यह बात लाई गई तो उन्होंने रेल मंत्री से मुलाकात कर आग्रह किया था। जिसे रेल मंत्री ने स्वीकृति दे दी है। दरअसल, जब सांसद आलोक शर्मा सीहोर रेलवे स्टेशन पर विकास कार्यों का निरीक्षण आए थे। उस दौरान स्थानीय जन प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने प्रयागराज के लिए सीहोर से ट्रेन नहीं होने की समस्या से अवगत कराया था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों बताया कि परिवार में जब किसी आत्मीयजन, परिवारजन की मृत्यु हो जाती है तो अस्थि विसर्जन के लिए अस्थि कलश लेकर भोपाल जाना पड़ता है वहां से ट्रेन पकड़नी पड़ती है। सीहोर में ट्रेन का स्टॉपेज हो जाए तो इससे लोगों को बड़ी राहत मिल जाएगी। सांसद आलोक शर्मा ने रेलमंत्री से मुलाकात कर इस समस्या का समाधान किया है।

रेल मंत्री से भेंट करते सांसद शर्मा।

इन ट्रेनों को मिला सीहोर में स्टापेज

- 19489/19490 अहमदाबाद गोरखपुर एक्सप्रेस
- 19091/19092 गोरखपुर-हमसफर एक्सप्रेस

चिंतन

शहरों के विकास पर नए तरीके से सोचना होगा

देश में शहर तेजी से फैल रहे हैं, लेकिन विकास की यह रफ्तार अब आम लोगों की जान और सेहत के लिए खतरा बनती जा रही है। सड़कें, मॉल, दुकानें, सीवर और पानी की लाइनें सब कुछ बन रहा है, लेकिन बिना समुचित योजना, निगरानी और जवाबदेही के। नतीजा यह है कि शहरों में होने वाले हादसे अब अपवाद नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई बन चुके हैं। सवाल यह नहीं है कि हादसे क्यों हो रहे हैं, बल्कि यह है कि इन्हें रोकने के लिए जिम्मेदार कौन हैं और कब तक इस लापरवाही को दुर्घटना कहकर टाला जाता रहेगा। शहरों की बदहाल स्थिति के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी अव्यवस्थित विकास मॉडल की है। सड़कों की खुदाई, निर्माणाधीन मॉल और दुकानों के आसपास खुले गड्ढे, बिना बैरिकेडिंग के चल रहा काम और सुरक्षा मानकों की अनदेखी ये सभी सीधे तौर पर इंसानी जान से खिलवाड़ हैं। हाल के दिनों में सामने आई घटनाएं इस व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी हैं। नोएडा में पिछले महीने सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत एक दर्दनाक उदाहरण है। निर्माणाधीन मॉल के पास बिना बैरिकेड और चेतावनी संकेतों के खुले, पानी से भरे गहरे गड्ढे में उनकी कार गिर गई। इंजीनियर ने खुद पुलिस को फोन कर मदद मांगी, लेकिन समय पर सहायता नहीं मिली और उनकी जान चली गई। यह हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की असंवेदनशीलता और लापरवाही का नतीजा था। अब दिल्ली में भी ऐसी ही एक और भयावह घटना सामने आई, जहां 25 वर्षीय युवक रात में घर लौटते समय दिल्ली जल बोर्ड के पास करीब 4.5 मीटर गहरे गड्ढे में गिर गया। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि वह युवक करीब आठ घंटे तक गड्ढे में पड़ा तड़पता रहा, मदद के लिए गुहार लगाता रहा, लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी या विभाग हरकत में नहीं आया। न चेतावनी बोर्ड थे, न बैरिकेडिंग और न ही निगरानी। यह गड्ढा सिर्फ सड़क में ही नहीं, बल्कि सिस्टम की जवाबदेही में भी उतना ही गहरा था। जांच एजेंसियों ने इस मामले को महज दुर्घटना नहीं, बल्कि गंभीर और आपराधिक लापरवाही माना है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या महज कुछ गिरफ्तारियों से शहर सुरक्षित हो जाएंगे? शहरों की दुर्दशा का एक और पहलू बढ़ता प्रदूषण है। धूल, अव्यवस्थित ट्रैफिक, लगातार चल रहे निर्माण कार्य और सर्दियों में स्मॉग ने शहरों में सांस लेना तक मुश्किल कर दिया है। प्रदूषण और सड़क हादसे मिलकर हर साल हजारों जिंदगियों को लील रहे हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि शहरी नियोजन की विफलता का भी मुद्दा है। अब समय आ गया है कि सरकार और शहरी प्रशासन नए सिरे से सोचें। जैसे देशभर में बाईपास और राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछाया गया, वैसे ही शहरों के अंदरूनी ढांचे के लिए भी दीर्घकालिक और समग्र योजना बनाई जाए। आबादी के अनुपात में सड़कें, ड्रेनेज सिस्टम, सीवरेज और पानी की लाइनें विकसित हों। इंदौर जैसी घटनाएं, जहां पानी और सीवर की लाइनें एक साथ होने से लोगों की जान गई, यह बताती हैं कि बुनियादी सुविधाओं में तालमेल की कितनी कमी है। सबसे जरूरी है जवाबदेही तय करना। हर निर्माण कार्य के लिए स्पष्ट जिम्मेदारी, नियमित निरीक्षण और सुरक्षा मानकों का सख्त पालन अनिवार्य होना चाहिए। खुले गड्ढे, अधूरे काम और लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। हादसे के बाद मुआवजा और जांच से ज्यादा जरूरी है हादसों को होने ही न देना। शहर तभी सच में विकसित कहलाएंगे, जब वहां रहने वाले लोग खुद को सुरक्षित व स्वस्थ महसूस करें।

नक्सलवाद

रोहित माहेश्वरी

लाल आतंक से मुक्ति की ओर बढ़ रहा देश

देश का 90 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार की समन्वित, बहुआयामी रणनीति, जिसमें सुनियोजित सुरक्षा अभियान, अभूतपूर्व अवसंरचना विकास, वित्तीय दबाव, तीव्र विकास और एक आकर्षक आत्मसमर्पण नीति शामिल है, ने वामपंथी उग्रवाद को 2014 में 126 जिलों से घटाकर 2025 में मात्र 11 जिलों तक सीमित कर दिया है। कभी नक्सलियों के अभेद किले के रूप में जाने जाने वाला नेशनल पार्क एनकाउंटर जोन बनता जा रहा है। अब सुरक्षाबलों के कैंप बन जाने के बाद यहां से लाल आतंक के पैर उखड़ने लगे हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सल अभियान को चलाने वाले बड़े नक्सली बचे ही नहीं हैं। अब पूरा नक्सली संगठन ही नेतृत्व विहीन हो चुका है।

जिस तरीके से पूरे देश में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है, उससे एक बात साफ है कि केंद्र की मोदी सरकार पूर्ण दृढ़ संकल्प और शपथ के जिस पथ को लेकर चल रही थी, उसमें एक मजबूत रणनीति अब दिखने लगी है। केंद्र सरकार ने इस साल 31 मार्च तक लाल आतंक को खत्म करने की समय सीमा तय कर रखी है। जो पूरी होती दिखने लगी है। देश का 90 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। 1967 में बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुई नक्सलवाद की समस्या ने दशकों तक लाखों निर्दोष लोगों और सुरक्षाकर्मियों की जान ली और कई क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ एक ठोस और प्रभावी रणनीति अपनाई।

पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार की समन्वित, बहुआयामी रणनीति, जिसमें सुनियोजित सुरक्षा अभियान, अभूतपूर्व अवसंरचना विकास, वित्तीय दबाव, तीव्र विकास और एक आकर्षक आत्मसमर्पण नीति शामिल है, ने वामपंथी उग्रवाद को 2014 में 126 जिलों से घटाकर 2025 में मात्र 11 जिलों तक सीमित कर दिया है, जिनमें से केवल तीन ही सबसे अधिक प्रभावित बचे हैं, जो लाल गलियारे के लगभग खात्मे का संकेत है। अकेले साल 2025 में, 317 नक्सलियों शीर्ष नेतृत्व सहित को मार गिराया गया, 800 से अधिक को गिरफ्तार किया गया और लगभग 2,000 ने आत्मसमर्पण किया, जिससे नक्सलियों को अब तक की सबसे बड़ी क्षति मिली और मार्च 2026 तक नक्सल-मुक्त भारत की ओर तेजी से प्रगति हुई। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा बस्तर संभाग नक्सल प्रभावित है। इसमें सात जिले शामिल हैं। ये जिले महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के साथ सीमा साझा करते हैं, और लंबे समय से इसे माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माने जाते रहे हैं। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान तेज हुए हैं, जिससे नक्सलवाद पर तगड़ा प्रहार हुआ है।

छत्तीसगढ़ में साल 2024 से अब तक सीपीआई माओवादी के महासचिव नंबाला केशवा राव उर्फ बसवराजू जैसे टॉप नक्सल लीडर सहित 500 से अधिक नक्सलियों को फोर्स ने एनकाउंटर में मार गिराया है। इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ में 23 माओवादी मारे जा चुके हैं। तीन जनवरी को, बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ में कुल 14 माओवादी मारे गए थे। जिस तरह से आत्मसमर्पण को लेकर नक्सलियों की संख्या बढ़ी है, उससे एक बात साफ है कि नक्सलियों के भीतर इस बात का भय बैठ गया है, कि 31 मार्च तक आत्मसमर्पण नहीं किया गया तो सरकार किसी तरह के समझौते के मूड में अब नहीं है। इसका परिणाम भी दिखा है। छत्तीसगढ़ में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे माओवादी कमांडर जो यहां रहे वे सभी मारे गए हैं। हिड़मा से लेकर जिन लोगों को भी छत्तीसगढ़ में कमान दी गई थी, या तो वह राज्य छोड़कर चले गए या फिर न्यूट्रलाइज हुए हैं। बचे हुए कैडर के पास अब इतनी क्षमता नहीं बची, कि वो नक्सल अभियान को आगे लेकर चल सकें। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के लिए नेशनल पार्क का 2799 वर्ग किलोमीटर का इलाका सबसे सुरक्षित इलाका माना जाता था। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना का बॉर्डर इलाका घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा है। माओवादी इसे अपने कॉरिडोर के रूप में उपयोग करते थे, यह भी कहा जा सकता है, कि यह इलाका नक्सलियों

का सबसे अभेद दुर्ग वाला इलाका रहा है। कभी नक्सलियों के अभेद किले के रूप में जाने जाने वाला नेशनल पार्क एनकाउंटर जोन बनता जा रहा है। अब सुरक्षाबलों के कैंप बन जाने के बाद यहां से लाल आतंक के पैर उखड़ने लगे हैं। साल 2025 के बाद जिस नक्सल अभियान को चलाया गया उसमें यह बात तय की गई, कि मानसून के मौसम में भी इस अभियान को नहीं रोका जाएगा। नक्सलवाद को खत्म करने को लेकर चलाए जा रहे अभियान में हेलीकॉप्टर मिल जाने के बाद सुरक्षाबलों को बहुत सहूलियत मिल गई। मॉनिटरिंग भी तेज हो गई।

नेशनल पार्क इलाके में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना के बॉर्डर पर फोर्स तैनात होने के साथ ही सुरक्षा बलों ने कैंप खोल दिए, जिससे फोर्स की गतिविधियां तेज हो गईं। छत्तीसगढ़ में हुए नक्सली एनकाउंटर और उसमें जिस तरीके के नक्सली मारे गए, उसके बाद छत्तीसगढ़ में नक्सल अभियान को चलाने वाले बड़े नक्सली बचे ही नहीं हैं। जो भी नक्सली छत्तीसगढ़ में नक्सली संगठन को दिशा देते थे, उसके लिए रणनीति बनाते थे, उन तमाम नक्सलियों को या तो न्यूट्रलाइज किया गया या फिर कई ऐसे हैं जिन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। अब पूरा नक्सली संगठन ही नेतृत्व विहीन हो चुका है। यह एक बड़ी वजह है कि 60 दिनों के भीतर इसे पूरे तौर पर खत्म कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने एनआईए में एक समर्पित विभाग बनाकर नक्सलियों के वित्तपोषण पर प्रभावी ढंग से लगाम लगा दी है। इस विभाग ने 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है, जबकि राज्यों ने भी 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है और प्रवर्तन निदेशालय ने 12 करोड़ रुपये कुर्क किए हैं। इस एक साथ की गई कार्रवाई से शहरी नक्सलियों को गंभीर नैतिक और मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंची है और उनके सूचना युद्ध नेटवर्क पर नियंत्रण और भी कड़ा हो गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश के नक्सल मुक्त करने को लेकर बनी रणनीति में राज्यों के बीच समन्वय मजबूत आधार बना। राज्यों के बीच आपसी तालमेल नहीं होना नक्सलियों के सफल होने का एक कारण होता था। नक्सलियों को समाप्त करने को लेकर जब रणनीति तैयार होनी शुरू हुई, तो उसके लिए पहली लाइन समन्वय की बनाई गई, ताकि इस अभियान को बल मिले। बीती 8 फरवरी को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुई एक विशेष कॉन्क्लेव के दौरान शाह ने माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की पुरजोर अपील की।

भारत सरकार ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क और मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार करके बुनियादी ढांचे को काफी मजबूत किया है, जिससे पहुंच, सुरक्षा प्रतिक्रिया और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण में सुधार हुआ है। मई 2014 से अगस्त 2025 तक, केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 12,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया है, जबकि कुल 17,589 किलोमीटर की परियोजनाओं को 20,815 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया है। इन सबके बीच नक्सलवाद के खत्म होने के बाद विकास की जिस बुनियाद को जमीन पर उतरना है, वह बहुत बड़ी चुनौती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण उन सरेंडर नक्सलियों की है जिन्होंने सरेंडर पॉलिसी के तहत आत्मसमर्पण किए हैं। उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़े रखना बड़ी चुनौती है। यहां शासकीय कमजोरी या प्रशासनिक ढांचे की लचर व्यवस्था की कोई भी छाप इस अभियान को फेल करने की बड़ी वजह बन सकता है। इसमें सबसे जरूरी है आम सुविधाओं का विस्तार और जो लोग सरकार की व्यवस्था पर भरोसा करके आए हैं, उस भरोसे को कायम रखने के सरकार के वैसे निर्णय जो सिर्फ विकास के लिए जाने जाते हैं, सबसे बड़ी चुनौती हैं। वास्तव में, देश से नक्सलवाद का खत्म होना विकासवाद की उस अवधारणा की पहली कुंजी है, जिससे भारत पूरे विश्व के फलक पर एकजुट होकर सिर्फ विकास की लड़ाई लड़ेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

संसद सत्र

अम्बरीष प्रजापति

जनता की उम्मीदों पर भारी पड़ता 'हंगामा'

भारतीय लोकतंत्र का मंदिर है जहां से देश की नीति और नियति तय होती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में सत्र दर सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने का एक चिंताजनक चलन बढ़ा है। जब संसद की कार्यवाही बाधित होती है, तो यह केवल शोर-शराबा नहीं होता, बल्कि देश के विकास की गति पर ब्रेक होता है। 2026 में हाल ही के सत्र में महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बोलना था लेकिन प्रधानमंत्री के बोलने से पहले ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया और सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस सत्र में 3 फरवरी को 36 मिनट, 4 फरवरी को 30 मिनट और 5 फरवरी को सिर्फ 12 मिनट संसद चली। संसद सत्र को 6 दिन में 42 घंटे चलना था लेकिन मात्र 7 घंटे 69 मिनट ही चला। 34 घंटे 31 मिनट का समय हंगामे के कारण बर्बाद हो गए। संसद सत्र के इन 6 दिनों में 25 करोड़ 89 लाख रुपये फिजूल में अपव्यय हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। सरकार हर सत्र में जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतियों पर चर्चा के लिए तैयार रहती है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष की ओर से लोकतांत्रिक चर्चा के बजाय 'हंगामे' को एक हथियार बना लिया गया है। संसद का बाधित होना केवल सरकार की कार्यवाही रोकना नहीं, बल्कि देश की प्रगति में रोड़ा अटकाना है। संसद की कार्यवाही का बार-बार स्थगित होना अब एक सामान्य प्रक्रिया बनती जा रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे आर्थिक और विधायी नुकसान इतने गहरे हैं कि वे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रभावित कर रहे हैं। संसद के हालिया सत्रों के आंकड़े बताते हैं कि जब सदन में संवाद होता है तो जनहित के कार्य सार्थक होते है, लेकिन गतिरोध होने पर जनता के करोड़ों रुपये और सैकड़ों घंटे पानी में बह जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सत्र के दौरान संसद चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख रुपए प्रति मिनट तक आता है। यदि पूरा एक दिन हंगामे की भेंट चढ़ता है तो लगभग 8 से 9 करोड़ का सार्वजनिक धन बर्बाद हो जाता है। सोचने वाली बात है, यही पैसा जो स्कूल, अस्पताल या बुनियादी ढांचे के निर्माण में खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे के कारण जनता का पैसा बिना किसी कार्य के बर्बाद हो रहा है। बीते संसद सत्रों में भी ऐसा कुछ हाल रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बजट सत्र 2024 में लोकसभा में 123%, राज्यसभा में 110% बजट पर चर्चा हुई। मानसून सत्र 2025 में लोकसभा में 29%, राज्यसभा में 34% चर्चा हुई। शीतकालीन सत्र 2025 में लोकसभा में 111%, राज्यसभा में 121% चर्चा हुई। हंगामे के कारण करीब दो-तिहाई समय बर्बाद हुआ। प्रश्नकाल के दौरान मानसून सत्र 2025 में लोकसभा में केवल 23% और राज्यसभा में मात्र 6% प्रश्नकाल का उपयोग हो पाया। इसका अर्थ है कि जनता के 100 में से 90 से ज्यादा सवालों के जवाब मंत्रियों को देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। मानसून सत्र 2025 में निर्धारित घंटों का लगभग 70% समय शोर-शराबे और स्थगन की भेंट चढ़ गया। लोकतंत्र में संसद वह स्थान है जहां सुझाव दिए जाते हैं और कमियां बताई जाती हैं। सरकार ने बार-बार स्पष्ट किया है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। सरकार ने बजट सत्र 2024 और शीतकालीन सत्र 2025 में रिकॉर्ड बिल पेश किए, लेकिन विपक्ष ने चर्चा में भाग लेने की बजाय वेल में आकर नारेबाजी करना बेहतर समझा। ऐसे ही मानसून सत्र में हंगामे के बीच 8 विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के पारित हो गए। पक्ष व विपक्ष आपस में एक दूसरे को दोष देना मात्र ही समस्या का समाधान नहीं है। इसके लिए संसद में सार्थक बदलाव की आवश्यकता हैं। कार्यवाही का अनिवार्य समय तय हो। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 'जितने घंटे हंगामे में बर्बाद हों, सदन उतनी ही देर अतिरिक्त चले' और सदन स्थगन होने पर सत्र पर होने वाला खर्च संसद सदस्यों के वेतन भत्ता से कटौती करने पर विचार किया जाना चाहिए। सदन की गरिमा भंग करने वाले सदस्यों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। सत्र के दौरान पक्ष व विपक्ष की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप करने से बचना चाहिए, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप के लिए दिन निर्धारित करने के संबंध में विचार किया जाना चाहिए ताकि संसद सत्र सुचारु रूप से चल सके। सरकार को भी विपक्ष की मांगों को सुनने के लिए उदारता दिखानी चाहिए ताकि टकराव की स्थिति न बने। संसद केवल ईंट-पत्थरों की इमारत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आशाओं का केंद्र है। लोकतंत्र संवाद से चलता है, गतिरोध से नहीं। बार-बार का व्यवधान न केवल वित्तीय बर्बादी है, बल्कि इससे जनता का लोकतंत्र पर भरोसा कम भी होता है। सरकार की प्राथमिकता हमेशा 'राष्ट्र प्रथम' रही है। विपक्ष को चाहिए कि वह विरोध करने की राजनीति छोड़कर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बने।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पृथ्वी-जल-अग्नि-वायु व आकाश को मिला है देवता का दर्जा

संकलित

दर्शन

प्रदूषण की विनाशलीला को देखते हुए भारतीय ऋषियों ने कदम-कदम पर मानव को सजग किया है। चूंकि मनुष्य पंचमहाभूतों का समन्वय रूप है इसलिए सबसे पहले आध्यात्मिक महापुरुषों ने इसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के अलग-अलग संस्कारों के साथ जोड़ दिया, ताकि मां के गर्भ में आने से लेकर सौ वर्ष तक वह अदैन्य भाव में जी सके। सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने वसुधैव कुटुंबकम् की जो परिकल्पना की, उसमें नख से लेकर शिख तक पूरा शरीर एक वसुधा (धरती) के समान है। शरीर के किसी भी हिस्से में तकलीफ है तो यह शरीर रूपी विश्व को प्रभावित करेगी। इसके अलावा मनुष्य के जीने के जितने भी स्नेत हैं, वे सभी कुटुंब के सदस्यों की तरह हैं। जिसे 'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा' से समझा जा सकता है। शरीर का आंतरिक हिस्सा चूंकि अधम है इसलिए वाह्य प्रकृति से उत्तमोत्तम पदार्थ ग्रहण कर उसके स्वरूप को और अधिक विकृत होने से बचाया जाना नितांत जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश सबको देवता का दर्जा दिया गया। द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही प्रदूषण के खिलाफ संघर्ष और जन जागरण का है। उम्र की परवाह न कर वह यमुना के प्रदूषित तत्व कालिया नाग का वध, प्रदूषित अग्नि लगाने वाले प्रलंबासुर का वध, अंतरिक्ष को शुद्ध करने के लिए व्योमासुर का वध, धरती की शुद्धता के लिए गो पालन करते हैं। त्रेता युग में रावण ने भी खर और दूषण नामक पर्यावरण-शत्रु तैनात किया था।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

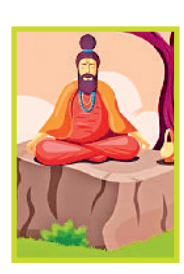

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा- जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते में जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक-एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे, आखिर लालच ही बुरी बला है।

बद्रीनाथ धाम बर्फ से ढका

उत्तराखंड के चमोली जिले में सोमवार को हुई ताजा बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच बद्रीनाथ धाम दिख रहा है।

आज की पाती

जीव-जंतु व वनस्पति की सुरक्षा जरूरी

जीव-जंतु व वनस्पति की सुरक्षा जरूरी आध्यात्मिक, सामाजिक, प्राकृतिक व किसी भी रूप से किसी भी जानवर और वनस्पति को नष्ट करना वर्जित है। विशेषकर वन और मनुष्य एक दूसरे के पर्याय ही हैं। इसलिए जल, जंगल व जमीन की निरंतर सुरक्षा और संरक्षण बहुत ही आवश्यक हो जाता है। प्रदेश के सम्पूर्ण प्राणिजात व वनस्पतिजात (फ्लोरा एंड फौना) का पूर्ण संरक्षण और संवर्धन निश्चित रूप से अनिवार्य है। जिस प्रकार हमारे सारे वातावरण में प्रत्येक पेड़-पौधे, जड़ी-बूटी का होना प्राकृतिक रूप से अनिवार्य है, उसी प्रकार छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जंगली जानवरों की उपस्थिति भी बहुत ही आवश्यक है। यह सत्य है कि हमने ही जंगली जानवरों के अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ कर दी है। *– रमेश सरकार, भाटापारा*

ट्रेंड

विश्वास की परंपराएं मजबूत

भारत और सेशेल्स के संबंध केवल राजनयिक संपर्क तक सीमित नहीं है। हिंद महासागर की लहरें सदियों से हमारे लोगों को जोड़ती आई हैं। इसके तटों पर दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा, संस्कृतियां मिलीं और विश्वास की परंपराएं मजबूत होती गईं। **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

वैश्विक पहचान पा रहा बस्तर

नक्सलियों ने जिस बस्तर को सदियों तक आईईडी और बारूदों के अंधकार में झोंक रखा था, मोदी जी के नेतृत्व में वहां की कला, संस्कृति, खान-पान और विरासत वैश्विक पहचान पा रही है। जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम' में जनजातीय कला व संस्कृति की समृद्ध विरासत को दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन किया। **-अमित शाह,** गृहमंत्री

यूएस से तेल खरीद हमारे हित में

अमेरिका से तेल या एलएनजी, एलपीजी की खरीद भारत के अपने रणनीतिक हित में है, क्योंकि हम अपने तेल स्रोतों में विविधता ला रहे हैं। 'ट्रेड डील में यह तय नहीं होता है कि कौन किससे और क्या खरीदेगा। ट्रेड डील व्यापार के रास्ते को आसान बनाता है। **-पीयूष गोयल,** केंद्रीय मंत्री

किताब छप चुकी

रक्षा मंत्री ने गलत कहा कि किताब छपी नहीं है, जबकि वह छप चुकी है। राष्ट्रपति के भाषण पर भी एलओपी और विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। सत्तापक्ष के सदस्य ने कई किताबें कोट कर आपत्तिजनक बातें कहीं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

करंट अफेयर

सिंगापुर में तमिल समाचार पत्र 'प्रस्तोता' पुरस्कृत

सिंगापुर की समाचार प्रस्तोता पावलाकंथम अजहागरसामी को देश में तमिल प्रसारण पत्रकारिता में उनके योगदान के लिए मीडियाकॉर्प के 'प्रधान विज्ञा 2026' में 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार तमिल प्रसारण पत्रकारिता में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देता है। उनका करियर चार दशकों से भी अधिक समय का है और उन्होंने सिंगापुर के मीडिया जगत पर अमिट छाप छोड़ी है। सिंगापुर के सरकारी स्वामित्व वाले मीडिया समूह 'मीडियाकॉर्प' ने रविवार को जारी एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि यह पुरस्कार वार्षिक समारोह के 21वें संस्करण के दौरान प्रदान किया गया जो सिंगापुर के भारतीय मनोरंजन जगत में उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। सिंगापुर के राष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क ने कहा, 'एक सम्मानित समाचार प्रस्तोता, मार्गदर्शक और उद्योग की मजबूत स्तंभ के रूप में चार दशकों से अधिक लंबे करियर में पावलाकंथम ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। वह आज भी रेडियो और टेलीविजन उद्योग में तमिल मीडिया पेशेवरों की नयी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती हैं।' शनिवार को मीडियाकॉर्प के थिएटर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदर्शन और कार्यक्रम श्रेणियों के तहत कुल 19 पुरस्कार दिए गए।

ऑफ बीट

बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण

यह विकास की एक दुर्भाग्यपूर्ण विचित्रता है कि सब्जियाँ हमारे लिए बहुत अच्छी हैं लेकिन वे हम सभी के लिए तुरंत स्वादिष्ट नहीं होती हैं। हम उच्च

ऊर्जा वाले खाद्य पदार्थों के मीठे या उम्दा स्वाद का आनंद लेने के लिए विकसित हुए हैं, क्योंकि भुखमरी दीर्घकालिक स्वास्थ्य की तुलना में अधिक तात्कालिक जोखिम है। सब्जियाँ विशेष रूप से उच्च ऊर्जा वाली नहीं होती हैं, लेकिन वे आहार फाइबर, विटामिन और खनिजों और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले यौगिकों से भरपूर होती हैं जिन्हें बायोएक्टिव कहा जाता है। ये बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण बनते हैं। पादप बायोएक्टिव, जिन्हें फाइटोन्यूट्रिएंट्स भी कहा जाता है, पौधों द्वारा पर्यावरणीय तनाव और शिकारियों से खुद को बचाने के लिए बनाए जाते हैं। वही चीज़ें जो पौधों के खाद्य पदार्थों को कड़वा बनाती हैं, वही चीज़ें उन्हें हमारे लिए अच्छा बनाती हैं। दुर्भाग्य से, कड़वा स्वाद हमें जहरों से और संभवतः एक ही पौधे को अधिक खाने से बचाने के लिए विकसित हुआ, तो एक तरह से, पादप खाद्य पदार्थों का स्वाद जहर जैसा हो सकता है। हममें से कुछ के लिए, यह कड़वी अनुभूति विशेष रूप से तीव्र है, और दूसरों के लिए यह इतनी बुरी नहीं है। यह आंशिक रूप से हमारे जीन के कारण है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

‘रिफॉर्म एक्सप्रेस’ पटरी से उतरी, बजट गांव-गरीब-किसान विरोधी

राज्यसभा में रणदीप सुरजेवाला का सरकार पर तीखा हमला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राज्यसभा में बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सरकार जिस बजट को ‘रिफॉर्म एक्सप्रेस’ बता रही है, वह हकीकत में पहले ही स्टेशन पर पटरी से उतर चुकी है। सुरजेवाला ने बजट को शब्दों और जुमलों का पुलिंदा बताते हुए कहा कि इसमें न तो ठोस सुधार हैं और न ही आम जनता के लिए राहत। उन्होंने कहा कि भारी-भरकम दावे, बड़ी-बड़ी घोषणाएँ और आकर्षक भाषण ज़रूर दिए गए, लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि यह बजट गांव, गरीब, किसान और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। सुरजेवाला ने इसे “कटौती बजट” करार देते हुए कहा कि सरकार ने चुपचाप हर अहम क्षेत्र में कैंची चला दी है।

पूंजीगत व्यय घटा, विकास पर संकट

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि पूंजीगत व्यय किसी भी देश के विकास का सबसे बड़ा पैमाना होता है, लेकिन पिछले तीन वर्षों में इसमें लगातार गिरावट आई है।2023-24 में पूंजीगत व्यय जीडीपी का 4.2 प्रतिशत था, 2024-25 में यह 4 प्रतिशत रह गया, जबकि 2025-26 के संशोधित अनुमान में यह 3.9 प्रतिशत तक गिर गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संशोधित अनुमान में 1.45 लाख करोड़ रुपये की कटौती की गई, जिसका सबसे ज़्यादा बोझ राज्यों पर पड़ा। ऐसे में बजट 2026-27 में जीडीपी के 4.4 प्रतिशत पूंजीगत व्यय का दावा केवल काग़ज़ी है।

किसानों के नाम पर छलः घोषणाएँ बहुत, बजट शून्य

कांग्रेस नेता ने कृषि क्षेत्र को लेकर कहा कि पिछले बजट में ‘फूड बास्केट ऑफ द वर्ल्ड’ बनने की बातें की गईं और कई मिशनों की घोषणा हुई, लेकिन ज़मीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। कॉटन टेक्नोलॉजी मिशन, दाल मिशन, सब्ज़ी-फल मिशन, हाइब्रिड बीज मिशन इन सभी योजनाओं के लिए बजट 2025-26 में राशि घोषित की गई, लेकिन एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ, और बजट 2026-27 में भी इनके लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया।

मखाना बोर्ड और ‘नमो ड्रोन दीदी’ पर सवाल

उन्होंने आरोप लगाया कि मखाना बोर्ड की घोषणा बिहार चुनाव को ध्यान में रखकर की गई, लेकिन महीनों तक बोर्ड अस्तित्व में ही नहीं आया। ‘नमो ड्रोन दीदी’ योजना पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 676 करोड़ रुपये की घोषणा के बावजूद करीब 85 प्रतिशत राशि खर्च नहीं की गई, और देशभर में करोड़ों महिलाओं के बीच केवल 500 ड्रोन वितरित किए गए।

खाद सब्सिडी में कटौती, किसान संकट गहराया

सुरजेवाला ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में खाद की कीमतें बढ़ने के बावजूद सरकार ने यूरिया और फॉस्फेट-पोटाश सब्सिडी में हज़ारों करोड़ रुपये की कटौती कर दी है। इससे किसानों को महंगी खाद और कालाबाज़ारी का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीण भारत, सामाजिक न्याय और वंचित वर्ग उपेक्षित

उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश की 46 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन राष्ट्रीय आय में कृषि का योगदान केवल 15 प्रतिशत है। इसके बावजूद ग्रामीण आय बढ़ाने और सामाजिक असमानता दूर करने के लिए बजट में कोई ठोस नीति नहीं दिखाई देती। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग से जुड़ी छात्रवृत्तियों, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण-हर क्षेत्र में या तो बजट घटाया गया या खर्च ही नहीं किया गया।

राहुल-प्रियंका ने पीएम पर हमले की साजिश के आरोपों को सिरे से नकारा

बोले-सवालों से डरकर लोकसभा नहीं आए प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले की साजिश रचने से जुड़े आरोपों को कांग्रेस ने सिरे से खारिज कर दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट कहा कि कांग्रेस का कोई भी सांसद ऐसी हरकत की कल्पना तक नहीं कर सकता। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अध्यक्ष द्वारा इस तरह की टिप्पणी दबाव में आकर की गई प्रतीत होती है।

सदन में बोलने से रोके जाने का आरोप

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें बार-बार सदन में बोलने से रोका गया। राहुल गांधी ने कहा कि पहले उन्हें किसी किताब का हवाला देने से रोका गया, फिर कहा गया कि पत्रिका का हवाला भी नहीं दे सकते। उन्होंने कहा, “जब मैंने कहा कि बिना किसी संदर्भ के ही मुद्दे पर बोलूंगा, तब भी मुझे बोलने नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने सदन में यह कहकर ग़लत बयान दिया कि संबंधित किताब प्रकाशित नहीं हुई है, जबकि वह पुस्तक पहले ही प्रकाशित हो चुकी है और उसके पास उसकी प्रति भी मौजूद है।

‘सत्ता पक्ष को खुली छूट, विपक्ष पर पाबंदी’

राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ दल के एक सांसद द्वारा सदन में की गई अभद्र टिप्पणियों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के सदस्यों को जब चाहें, जो चाहें बोलने की छूट है, जबकि विपक्ष को अपनी बात रखने तक नहीं दी जा रही।

आरोप सही हैं तो एफआईआर क्यों नहीं?’

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार से सवाल किया कि यदि विपक्षी सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री पर हमले की साजिश की बात में कोई सच्चाई है, तो अब तक एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई। उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर आरोपों को बिना किसी सबूत के उछालना न केवल लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है, बल्कि विपक्ष की छवि खराब करने का प्रयास भी है। राहुल गांधी ने कहा, “यह कहना कि सांसद प्रधानमंत्री को धमकाने वाले थे, बेहद परेशान करने वाला है। ऐसी कोई बात है ही नहीं। सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री सदन में आने से डर रहे थे- सांसदों से नहीं, बल्कि सवालों से।”

नरवणे की किताब, बजट और भारत-अमेरिका समझौते से डर

राहुल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी जानबूझकर लोकसभा में नहीं आए, क्योंकि उन्हें जनरल नरवणे की किताब, बजट और भारत-अमेरिका समझौते पर पूछे जाने वाले सवालों का सामना करना पड़ता। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के देश के किसानों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर सरकार चर्चा से बच रही है। राहुल ने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि यह बहस हो कि यह समझौता कैसे किया गया, इसके परिणाम क्या हैं और इसका किसानों पर क्या असर पड़ेगा।

सरकार बहस से डर रही है

राहुल गांधी ने बताया कि विपक्ष और सरकार के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि मंगलवार को इन मुद्दों पर चर्चा की अनुमति दी जाएगी। इसके बावजूद उन्होंने आशंका जताई कि सरकार वास्तव में बहस नहीं चाहती। उन्होंने कहा, “मेरी निजी राय है कि सरकार चर्चा से डरती है। प्रधानमंत्री सदन में नहीं आए, क्योंकि उन्हें पता है कि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते।”

प्रियंका गांधी का आरोप-लोकतांत्रिक मर्यादाएँ टूट रहीं

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि इस तरह के आरोप लगाकर विपक्ष को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि संसद में संवाद और बहस लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन सरकार सवालों से बचने के लिए संस्थाओं का इस्तेमाल कर रही है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बयानों के बाद संसद के भीतर और बाहर राजनीतिक टकराव और तेज़ होने के संकेत हैं। विपक्ष का कहना है कि वह बजट, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय समझौतों जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं हटेगा।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश ममता को करारा जवाबः पात्रा

एसआईआर पर खुली पश्चिम बंगाल सरकार की पोल, कोर्ट में सत्य उजागर हुआः बीजेपी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के मामले में एक बार फिर ममता बनर्जी और टीएमसी पर एसआईआर पर निशाना साधा है। सोमवार को बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने ममता बनर्जी और टीएमसी पर आरोप लगाते हुए कहा, सुप्रीम कोर्ट में टीएमसी ने जब अपनी दलीलें रखी तो उसे इस प्रकार से प्रस्तुत किया कि मानो इलेक्शन कमिशन बंगाल के लोगों के ऊपर और खासकर तृणमूल कांग्रेस पर आक्रमण कर रही है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, याचिका में ममता बनर्जी द्वारा प्रयोग किए गए शब्द भी काफी आपत्तिजनक थे। संबित पात्रा ने कहा, दाखिल की गई याचिकाओं में सत्य उजागर होता है। ममता बनर्जी ने अपने भाषणों से बंगाल में हिंसा को भड़काने की कोशिश की। उन्होंने टीएमसी के नेताओं पर बंगाल के कई ब्लॉकों में दंगे करने का भी आरोप लगाया है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, ब्लॉक में बीडीओ के ऊपर हमला हुआ, एसआईआर के कामों को रोका गया, सड़कों पर आंदोलन हुए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दिलावर उर्फ दिल्लू उर्फ दिन्नु पुत्र सलीम शाह निवासी सी–608, जहांगीर पुरी, दिल्ली** ने केस **ई–एफआईआर नं. 80093431/25 अन्तर्गत धारा 305/331(3)/317 (2)/3(5) बीएनएस एक्ट, दिनांक 03.10.2025, थाना कीर्ति नगर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिलावर उर्फ दिल्लु उर्फ दिन्नु** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिलावर उर्फ दिल्लु उर्फ दिन्नु** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि केस **ई–एफआईआर नं. 80093431/25 अन्तर्गत धारा 305/331(3)/317(2)/3(5) बीएनएस एक्ट, थाना कीर्ति नगर, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दिलावर उर्फ दिल्लु उर्फ दिन्नु** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
वसुन्धरा आजाद
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पश्चिम जिला
कमरा नं. 146, प्रथम तल
तीस हजारी न्यायालय, नई दिल्ली

DP/1512/WD/2026
(Court Matter)

हरियाणा बना खेलों का पावर हाउस हब, माटी में फसल ही नहीं मैदान में चैंपियन भी कर रहा पैदाः सीएम नायब

मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के 417 खिलाड़ियों को 24 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की प्रदान

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

- सीएम ने मुख्यमंत्री कप-2025 का किया शुभारंभ

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा खेलों का पावर हाउस बन चुका है, जिसकी माटी फसल ही नहीं उगाती अपितु मैदान में चैंपियन भी पैदा करती है। आज राष्ट्रीय खेलों से लेकर ओलंपिक तक हरियाणा की गूंज सुनाई देती है। सरकार का उद्देश्य है प्रदेश का कोई भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में पीछे न रहे। वे गुरूग्राम स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में मुख्यमंत्री कप का शुभारंभ एवं 38वें राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेताओं को पुरस्कार वितरित करने के उपरांत उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों के 417 पदक विजेता तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों को लगभग 24 करोड़ रूपए की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की। उन्होंने हॉकी खिलाड़ी पद्मश्री सविता पूनिया को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हरियाणा की खेल प्रतिभा, अनुशासन, परिश्रम और संकल्प का उत्सव है आज गुरुग्राम की यह पावन धरती दो खेल उत्सवों के रंग में रंगी है। हरियाणा की मिट्टी केवल फसल ही नहीं बल्कि चैंपियन भी पैदा करती है। इस भूमि पर पसीना बहाकर खेलों में इतिहास रचा जाता है।

सीएम सैनी ने कहा कि खेल मंच हमारे युवाओं के सपनों को पंख देते हैं और खिलाड़ी राष्ट्र के गौरव को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का संकल्प लेते हैं। प्रदेश के खिलाड़ियों ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में अद्भुत प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है। प्रदेश के 689 खिलाड़ियों ने 33 विभिन्न खेलों में भाग लेकर अपने दमखम, समर्पण और प्रतिभा का परिचय देते हुए 153 पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि हरियाणा आज खेलों का पावर हाउस बन चुका है। इन खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी वर्षों की मेहनत, त्याग व संघर्ष से 48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य पदक प्राप्त किए है।

इस्पात मंत्रालय ने 85 विशेष इस्पात परियोजनाओं के लिए 11,887 करोड़ के निवेश वाली एमओयू पर हस्ताक्षर किए

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

इस्पात मंत्रालय ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में, इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी तथा इस्पात मंत्रालय के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना 1.2 (तीसरा चरण) के तहत 55 कंपनियों की 85 परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

पीएलआई 1.2 का शुभारंभ भारत सरकार के ‘मेक इन इंडिया’ दृष्टिकोण को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस चरण में भाग लेने वाली कंपनियों ने 11,887 करोड़ रुपये का निवेश तथा डाउनस्ट्रीम इस्पात और मिश्र धातु निर्माण में 87 लाख टन की प्रतिबद्ध क्षमता का वचन दिया है।

उद्योग की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भारत सरकार का एक प्रमुख सुधार है जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत ने पहले ही विशेष और मिश्र धातु इस्पात विनिर्माण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन नए निवेशों के साथ भारत अपनी क्षमताओं को और गहरा करेगा, आयात निर्भरता कम करेगा, विदेशी मुद्रा संरक्षित करेगा तथा विश्व के लिए उच्च-मूल्य वाले इस्पात के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरेगा।

इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंडरिक ने इस बात का उल्लेख किया कि योजना की सफलता भाग लेने वाली कंपनियों द्वारा समय पर निवेश, कमीशनिंग तथा उत्पादन की निरंतरता पर निर्भर करती है। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि मंत्रालय भाग लेने वाली कंपनियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जुलाई 2021 में इस्पात क्षेत्र के डाउनस्ट्रीम खंड में विनिर्माण को बढ़ावा देने, पूंजी निवेश आकर्षित करने तथा प्रौद्योगिकी उन्नयन का समर्थन करने के लिए शुरू की गई थी।

पीएलआई 1.0 के तहत प्रतिबद्ध परिणामों में 27,106 करोड़ रुपये का निवेश, 14,760 प्रत्यक्ष रोजगार तथा 79 लाख टन की उत्पादन क्षमता शामिल है। अब 06 जनवरी 2025 को शुरू की गई पीएलआई 1.1 से लगभग 17,000 करोड़ रुपये का निवेश, लगभग 16,000 रोजगार तथा 64 लाख टन की उत्पादन क्षमता की अपेक्षा है। योजना में अब तक भाग लेने वाली कंपनियों को 236 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन वितरित किया गया है। यह योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 से प्रारंभ होकर पांच वर्षों के लिए 4% से 15% तक की प्रोत्साहन दरें प्रदान कर रही है, जिसमें प्रोत्साहन वितरण वित्तीय वर्ष 2026-27 से शुरू होगा।

आम सूचना

ICICI Bank
पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390 007
कारपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुंबई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित ऋणधारकों को स्वर्ण आभूषण के एवज में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (ICICI Bank) से उन्हें उपलब्ध कराई गई ("सुविधा") में बकाया धनराशि को चुकता करने हेतु सूचना जारी की जा चुकी है। । चूँकि ऋणधारक सुविधा अन्तर्गत बकाया भुगतान करने में असफल हो चुके हैं, हम 15 मार्च, 2025 को बंधक स्वर्ण आभूषणों की ई-नीलामी व्यवहृत करने को बाध्य हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के किसी खाता को हटाने का/ई-नीलामी की तारीख में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाईन https://jewel-oction.procuretiger.com पर 12:30 बजे अपराह्न से 3:30 बजे अपराह्न के बीच आयोजित की जायेगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया दी गई वेबसाईट का अवलोकन करें। ऋणधारक की मृत्यु की स्थिति में उसके वैध उत्तराधिकारी पर सभी नियम एवं शर्तें लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: अम्बाला - निकोलसन रोड	
635262602570	सतीश कुमार
शाखा का नाम: असंध	
215862002244	बृज भूषण
215862003273	अनुज अनुज
शाखा का नाम: बावल	
349862000763	नरेंद्र कुमार
बिलासपुर-सरस्वती मार्केट	
383362000089	विक्रम सिंह
383362001086	इकराम खान
शाखा का नाम: एल्लानाबाद, हरियाणा	
359462000494	मंगला राम
शाखा का नाम: फरीदाबाद-ग्रीनफील्ड्स	
732457000021	मंजीत सिंह
शाखा का नाम: फरीदाबाद - सेक्टर 31	
488962000048	सौरव चौधरी
शाखा का नाम: फरीदाबाद-सेक्टर-15-हुडा मार्केट	
166062000746	कोमल भूटानी
शाखा का नाम: फतेहाबाद	
093262006379	लखमीर सिंह
शाखा का नाम: घरौंडा, हरियाणा	
359962003917	शाहरुख शाहरुख
359962004186	मीनू रानी
शाखा का नाम: गुड़गांव - डीएलएफ कॉरपोरेट पार्क	
732557000028	राम प्रकाश

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: गुड़गांव - सेक्टर 67	
489457000018	अमित शर्मा
शाखा का नाम: गुड़गांव -सेक्टर 70	
555657000007	कार्तिक रिकेश्वर प्रसाद सिन्हा
शाखा का नाम: गुड़गांव-बादशाहपुर	
085857000113	आशा पुरी
शाखा का नाम: गुड़गांव-रत्नगार्डन	
106957000067	श्रुति श्रुति
शाखा का नाम: गुड़गांव-सेक्टर10 ए	
114662003175	प्रियंका गुप्ता
शाखा का नाम: गुड़गांव-सेक्टर 31	
114462001927	नितिन त्यागी
शाखा का नाम: गुरुग्राम-एमजी रोड	
433362000678	उमेश यादव
शाखा का नाम: हरियाणा-रेवाड़ी	
062662002365	कुमार सौरभ
062662003080	मैनपाल सिंह
शाखा का नाम: इंद्री, हरियाणा	
359662003308	शेखर मल्ल
शाखा का नाम: जाखल, हरियाणा	
356557000067	सतनाम सिंह
शाखा का नाम: जींद	
050362004425	परवीन परवीन
शाखा का नाम: करनाल	
017357000237	अंकित
017357000295	परमोद कुमार
शाखा का नाम: खरखोदा	
396862001800	रचना रचना

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम: नारायणगढ़	
093162005529	कांता देवी
शाखा का नाम: नारनौल	
159062003403	शिवांशु शर्मा
159062003851	कृष्णा देवी
शाखा का नाम: निसिंग हरियाणा	
358662001842	सोनिया देवी
शाखा का नाम: रेवाड़ी	
662062600869	ज्योति यादव
शाखा का नाम: समालखा	
204857000179	जीवन अहलूवालिया
शाखा का नाम: सोनीपत	
030262004158	अनिल
शाखा का नाम: टेपला	
294762000192	जिला सिंह
294762000195	करमजीत कौर
शाखा का नाम: तोहाना	
282862003548	संदीप कुमार
शाखा का नाम: उकलाना मंडी, हरियाणा	
360457000185	परवीन
शाखा का नाम: यमुनानगर-बाईपास चौक	
254362000761	नितिन राणा
254357000048	विनीत त्यागी
शाखा का नाम: भद्रा	
669662603195	सुरेंद्र सिंह
शाखा का नाम: दरीबा	
371157000061	जितेश चौहान
शाखा का नाम: सुनाम	
152662005375	जसवीर कौर

दिनांक: 10.02.2026
स्थान: अम्बाला, भिवानी, गुरुग्राम, हिसार, करनाल, सिरसा, सोनीपत, फरीदाबाद, पंचकूला, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, पानीपत, फतेहाबाद, यमुनानगर, जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र।

सही - प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत

मु.न. 29 दिनांक 04.02.2026 धारा 127 (6) बी.एन.एस. थाना बहालगढ़ जिला सोनीपत ।

गुमशुदा की पहचान
नाम - निक्की कुमारी।
पिता का नाम - देसई महतो ।
पता - वासी गाँव एकड़ेरवा जिला मोतीहारी बिहार हाल शिव मंदिर के पास बहालगढ़ जिला सोनीपत ।
उम्र 19 वर्ष
कद 5 फुट ।
हुलिया- रंग सावला, गोल चेहरा, काले बाल, काली आँखें, लम्बी गर्दन, हष्ट-पुष्ट शरीर है।
पहनावा - पीले रंग का सूट-सलवार, पैरो में काले रंग के जूते पहने हुए है।

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि दिनांक 02.02.2026 को निक्की कुमारी पुत्री देसई महतो वासी गाँव एकड़ेरवा जिला मोतीहारी बिहार हाल शिव मंदिर के पास बहालगढ़ जिला सोनीपत हरियाणा बिना किसी को कुछ बताए घर से कहीं चली गयी है। जो अब तक घर वापिस नही आयी है। जिस सम्बंध में मुकदमा उपरोक्त दर्ज रजिस्टर है। अगर उपरोक्त गुमशुदगी बारे किसी व्यक्ति को कोई सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।
प्रबन्धक थाना - 7419410539
अनुसंधानकर्ता मो0 न0 - 9996500068
कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903,100

अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त ।
मुख्यालय, सोनीपत ।

पीआरडीएच-1084/11/4455/2026/42881/88/7 दि. 09.02.2026

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प रोहतक	आबकारी एवं कराधान विभाग (जीन्द) हेतु जिला मुख्यालय कार्यालय का निर्माण (लिफ्ट का प्रावधान केवल) + 2 कार्य।	06.02.2026 13.02.2026	62.25 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9034929655 pwd-eeed-rohtak@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प जीन्द	जीन्द जिले में जीन्द निर्वाचन क्षेत्र में 3 अदद रोड को चौड़ा करना और मजबूतीकरण और विशेष मरम्मत (हैड-3054 के तहत) 1. दरियावाला से बारसोला रोड की विशेष मरम्मत (रोड आईडी 12473) 2. जीन्द-हांसी रोड से जीन्द-भिवानी रोड (रोड आईडी 10121) तक बाईपास के आर.डी. 5.375 से 5.675 (एलएचएस) तक विशेष मरम्मत और चौड़ा करना और मजबूतीकरण, 3. दालमवाला-जीवनपुर-नगूरां रोड (रोड आईडी 6643) की विशेष मरम्मत।	10.01.2026 16.02.2026	314.61 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8398098075 pwdeepdjind@gmail.com
3	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा रोहतक	आर.डी. 10500 पर पाकस्मा ड्रेन के अंदर गांव लोहारहेड़ी, जसौरखेड़ी और धोकेरा आउटफॉल के नीचे पड़ने वाले क्षेत्र से बाढ़ के पानी को निकालने के लिए भूमिगत आरसीसी 900 मिमी डाया एनपी3 पाइप लाइन बिछाना + 3 कार्य।	बंद होने की तिथि 11.02.2026	508.76 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9812111077 xenwsdnrtk@gmail.com
4	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सिरसा	सिरसा कस्बा :- 3 वर्ष की अवधि के लिए सुपर सकर मशीन पूर्ण सैट का प्रचालन व रखरखाव और उससे सम्बद्ध अन्य सभी कार्य।	06.02.2026 16.02.2026	139.03 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467070175 eepsirsa@gmail.com
5	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा चरखी दादरी	रिचार्जिंग और सिंचाई प्रयोजन के लिए माधोगढ़ ब्रांच के फालतू बाढ़ के पानी को छोड़ने के लिए प्रेशराइज्ड एचडीपीई पाइप लाइन बिछाकर माधोगढ़ ब्रांच द्वारा गांव डिगरोटा में जल निकायों की रचना।	06.02.2026 13.02.2026	670.38 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8059375563 xenmgccdk11@gmail.com
6	पंचायती राज करनाल	डाबरी :- गांव डाबरी ब्लॉक चिराव में डाबरी मेन रोड से डेरा अमरीक सिंह तक टोवॉल का निर्माण (चौड़ा करना), स्कीम वीएएनजीवाई + 4 कार्य।	06.02.2026 14.02.2026	83.56 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896202019 prexeeng.krl@hry.nic.in
7	पंचायती राज करनाल	शिवधाम स्कीम (पार्ट-2) के तहत गांव घोघड़ीपुर ब्लॉक चिराव, जिला करनाल में शमशान घाट में पेवर ब्लॉक बिछाना और चारदिवारी, बरामदा, चबूतरा के निर्माण हेतु बकाया कार्य के लिए संशोधित आकलन + 2 कार्य।	05.02.2026 14.02.2026	26.14 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896202019 prexeeng.krl@hry.nic.in
8	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग नूह	वर्टिकल ड्रेनेज सिस्टम गांव-ताई, तेरकपुर, अलावलपुर, देवला नांगली, बीबीपुर / कालिंजर।	03.02.2026 13.02.2026	444.14 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416354802 ascomewat@gmail.com
9	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग नूह	गांवों जलालपुर नूह, खानपुर नूह, खेड़ली नूह और महुन, ब्लॉक नगीना (नूह) का वर्टिकल ड्रेनेज सिस्टम।	03.02.2026 13.02.2026	395.76 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416354802 ascomewat@gmail.com
10	हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग पंचकूला	एचएसएससी की आवश्यकता के अनुरूप शारीरिक माप परीक्षा (पीएमटी) और फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट (पीएसटी) सम्बन्धित सेवाओं के प्रावधान के लिए ई-निविदा सूचना।	06.02.2026 13.02.2026	ईएमडी 2 लाख	www.hssc.gov.in	9814201658 hsscresultpublication@gmail.com
11	महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा पंजीरी प्लांट गुरूग्राम	माइक्रोन्यूट्रियंट प्रीमिक्स निविदा।	बंद होने की तिथि 25.02.2026	ईएमडी 25,000/-	haryanae procurement.govt.in	9873360016 panjiriplant@gmail.com
12	महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा पंजीरी प्लांट गुरूग्राम	एचडीपीई बैग्ज निविदा।	बंद होने की तिथि 23.02.2026	ईएमडी 25,000/-	haryanae procurement.govt.in	9873360016 panjiriplant@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच-11/2026/280/42873/I/88/7 दि. 09.02.26

खबर संक्षेप

रुपया नौ पैसे टूटकर 90.74 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में नौ पैसे टूटकर 90.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि व्यापारी भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार ढांचे के विवरण का आकलन करते नजर आए। विदेशी पूंजी के समर्थन पर निवेशकों के जोखिम से बचने के रवैये का असर पड़ा।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स को 34.1 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली। बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 34.10 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। लाभ मार्जिन में कमी और नयी श्रम संहिताओं के प्रभाव के कारण उसे यह घाटा उठाना पड़ा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसे 33.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

मेकमाइट्रिप ने माइनर होटल्स से किया करार

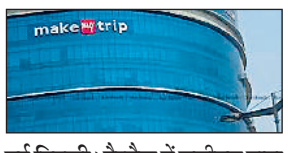

नई दिल्ली। नैस्डैक में सूचीबद्ध यात्रा बुकिंग मंच मेकमाइट्रिप ने सोमवार को दुनिया भर में 560 से अधिक संपत्तियों का संचालन करने वाले वैश्विक आतिथ्य समूह माइनर होटल्स के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह सहयोग भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप, एशिया और पश्चिम एशिया के शहरों और रिसॉर्ट स्थलों में अंतरराष्ट्रीय प्रवास के विकल्पों को बढ़ाएगा।

आयकर कानून का नया नियम अनुपालन बोझ को करेगा कम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नये आयकर कानून के लिए जारी नियमों का मसौदा एवं फॉर्म को काफी सरल बनाया गया है। इसमें नियमों की संख्या लगभग 35 प्रतिशत घटाकर 333 कर दी गयी है जबकि फॉर्म की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की कटौती की गयी है।

- नियमों की संख्या घटाकर 333 कर दी गई

इस पहल का मकसद करदाताओं के लिए प्रावधानों को सरल बनाना, अनुपालन बोझ को कम करना और व्यवस्था को करदाताओं के अनुकूल बनाना है। उन्होंने कहा कि नये मसौदा नियम और फॉर्म पर लोगों के सुझाव आने के बाद इसे मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किया जाएगा।

मार्च के पहले सप्ताह में होगा अधिसूचित

फार्म की भाषा आसान बनाई गई

सूत्रों ने कहा, '' परिचालन, प्रशासनिक या कानूनी उलझन से बचने के लिए फॉर्म की भाषा को आसान बनाया गया है।'' एक सवाल के जवाब में सूत्र ने कहा कि इससे कर अनुपालन सुगम एवं बेहतर होगा। साथ ही कर विभाग की परिचालन क्षमता और मजबूत होगी जिससे कर चोरी पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

फार्म का मानकीकरण किया गया

आयकर नियम ,1962 के तहत इसकी संख्या क्रमशः 511 और 399 थी। प्रस्तावित आयकर नियम में भाषा को सरल बनाया गया है और उन अनुपालन को हटाया गया है जिनकी जरूरत अब नहीं रह गयी है। इसके साथ अनुपालन को सुगम बनाने के लिए फॉर्म का मानकीकरण किया गया है।

अनावश्यक प्रावधान समाप्त किए गए : इसके अलावा, नियमों को आयकर कानून, 2025 के साथ संबद्ध किया गया है और अनावश्यक प्रावधानों को समाप्त किया गया है। सूत्रों ने कहा, ''नियमों को और फॉर्म को 'रि-इंजीनियर' किया गया है। इसके तहत नियमों को आयकर कानून, 2025 के साथ संबद्ध किया गया है और अनवाश्यक प्रावधानों को समाप्त किया गया है।

नया कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा

उल्लेखनीय है कि कर विभाग ने बीते सप्ताह शनिवार को नये आयकर कानून, 2025 के तहत नियमों का मसौदा एवं फॉर्म जारी किये थे। आयकर विभाग ने 22 फरवरी तक आयकर नियम, 2026 के मसौदा नियम और फॉर्म पर संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं। नया आयकर कानून, 2025 एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

आयकर कानून 1961 की जगह लेगा

यह छह दशक से अधिक पुराने आयकर कानून, 1961 की जगह लेगा। आयकर विभाग के सूत्रों ने नियमों के मसौदे और फॉर्म के बारे में जानकारी देते हुए कहा, आयकर नियम और फॉर्म को युक्तिसंगत बनाया गया है। प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 के तहत नियमों की संख्या घटाकर 333 जबकि फॉर्म की संख्या घटाकर 190 की गयी है।

नियमों को अंतिम रूप देने मार्च के पहले सप्ताह में होगा अधिसूचित

आयकर नियम में पैन उल्लेख करने के लिए लेन-देन सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयकर नियम के मसौदे में बैंकों में नकद जमा/निकासी, गाड़ी और संपत्ति खरीदने और होटल बिल भुगतान के लिए पैन का उल्लेख करने को लेकर लेन-देन सीमा को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने का प्रस्ताव है। मसौदे में नियोक्ताओं द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने और क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कर विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है।

इसमें केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर भी शामिल किया गया है। मसौदा नियम में आवास किराया भत्ते (एचआरए) का दावा करने के मकसद से बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद को शामिल करने के लिए श्रेणी-1 महानगरों की सूची का विस्तार किया गया है। इस सूची में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई शामिल हैं।

50 हजार से अधिक भुगतान पर पैन बताना जरूरी

किसी भी अचल संपत्ति की खरीद या बिक्री या गिफ्ट या संयुक्त विकास समझौते के मामले में, अगर सौदा लागत 20 लाख रुपये ज्यादा है, तो पैन जरूरी होगा, जबकि अभी यह सीमा 10 लाख रुपये है। मसौदा नियमों के तहत, बीमा कंपनी के साथ खाता आधारित संबंध शुरू करने के लिए पैन जरूरी होगा। अभी, एक वित्त वर्ष में जीवन बीमा प्रीमियम के तौर पर 50,000 रुपये से अधिक के भुगतान के लिए पैन जरूरी है।

खास बातें

- श्रेणी-1 महानगरों की सूची का विस्तार किया गया है
- सूची में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई शामिल हैं
- बैंकों में नकद जमा, निकासी आदि भुगतान में पैन नंबर जरूरी

वाहन की कीमत पांच लाख से अधिक तो पैन जरूरी : वाहन (मोटर साइकिल सहित) खरीदने के मामले में, अगर कीमत पांच लाख रुपये से ज्यादा है, तो खरीदार को अपना पैन बताना होगा। मौजूदा आयकर नियम, 1962 में दोपहिया वाहन खरीदने के लिए पैन बताने का नियम नहीं है, जबकि मोटर वाहनों के लिए कीमत चाहे जो भी हो, इसकी जानकारी देना जरूरी था।

10 लाख से ज्यादा नकद जमा पर पैन बताना जरूरी : प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 के अनुसार, किसी व्यक्ति के एक या ज्यादा खातों में, एक वित्त वर्ष में कुल 10 लाख रुपये या उससे ज्यादा नकद जमा करने या निकालने के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) बताना जरूरी होगा। अभी, किसी बैंक, कंपनी या सहकारी बैंक में किसी भी एक दिन में 50,000 रुपये से ज्यादा नकद जमा करने पर पैन जरूरी है।

नया कानून एक अप्रैल से होगा लागू वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) संबंधित पक्षों से सलाह के बाद नियमों को अंतिम रूप देगा और मार्च के पहले सप्ताह तक उन्हें अधिसूचित करेगा। आयकर कानून, 2025 को लागू करने के लिए आयकर नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नया आयकर कानून एक अप्रैल से लागू होगा।

मकसद जरूरी जानकारी लेना

सूत्रों ने कहा कि पैन बताने की सीमा को सही करने के पीछे मकसद सिर्फ 'जरूरी जानकारी' लेना है। वर्तमान में बाजार की वास्तविकताओं को देखते हुए, सरकारी गाड़ियों और मुफ्त खाने के लिए कर मुक्त सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने का प्रस्ताव है।

कम क्षमता वाली कार का भत्ता 8000 प्रति माह

मोटर कार के लिए, 1.6 लीटर से कम इंजन क्षमता वाली कार का भत्ता 8,000 रुपये प्रति महीना होगा, जबकि दूसरों के लिए यह 10,000 रुपये प्रति महीना होगा। इनमें चालकों के लिए भत्ता भी शामिल होगा। मसौदा नियमों में क्रिप्टो-संपत्ति सेवा प्रदाताओं के लिए विस्तृत रिपोर्टिंग और जांच-पड़ताल की जिम्मेदारियों का भी प्रस्ताव है।

भारत का खाद्य तेल उत्पादन 96 लाख टन होने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- 1.67 करोड़ टन आयात की जरूरत : आईवीपीए
- भारत सोयाबीन तेल का आयात अर्जेंटीना व ब्राजील से करता है

उद्योग निकाय आईवीपीए के अनुसार, 2025-26 विपणन वर्ष में भारत में खाद्य तेल उत्पादन 96 लाख टन होने का अनुमान है, और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए इसे लगभग 1.67 करोड़ टन खाद्य तेल का आयात करना होगा।

भारत मुख्य रूप से अर्जेंटीना और ब्राजील से सोयाबीन तेल आयात का करता है, जबकि देश मलेशिया और इंडोनेशिया से पाम तेल खरीदता है। कुल घरेलू मांग में से, देश को लगभग 60 प्रतिशत मात्रा का आयात करना पड़ता है।

कुआलालंपुर में सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने कहा कि ''वैश्विक खाद्य तेल बाजार व्यापार पुनर्गठन और आपूर्ति की दिक्कतों के कारण संरचनात्मक अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गए हैं। सोमवार को एक बयान में देसाई ने, जो इमामी एग्रोटेक लिमिटेड के सीईओ भी हैं, ने कहा कि भू-राजनीतिक पुनर्गठन ने वैश्विक व्यापार गलियारों को बदल दिया है। भारत के लिए निहितार्थ' विषय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'शुल्क या व्यापार प्रवाह में छोटे समायोजन अब आपूर्ति श्रृंखला में असमान मूल्य उतार-चढ़ाव पैदा कर रहे हैं।

पामतेल का आयात घटकर 80 लाख टन

देसाई ने कहा कि विपणन वर्ष 2025-26 में, कुल आयात में 80-85 लाख टन पाम तेल, 50-55 लाख टन सोयाबीन तेल, 28-30 लाख टन सूरजमुखी तेल, और लगभग 2 लाख टन अन्य तेल शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें नेपाल के माध्यम दो किए गए शून्य-मुक्त आयात भी शामिल हैं।

भारत जरूरत का मात्र 40 फीसदी पूरा करता है

देसाई ने अनुमान लगाया कि तेल वर्ष 2025-26 (अक्टूबर-सितंबर) में भारत का घरेलू खाद्य तेल उत्पादन 96 लाख टन होने का अनुमान है, जो भारतीय जरूरतों का केवल लगभग 40 प्रतिशत पूरा करता है। इसका मतलब है कि लगभग 1.67 करोड़ टन के लिए आयात पर निर्भरता होगी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से बाजार में तेजी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उत्साह और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में जोरदार लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।इस दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 734.28 अंक तक चढ़कर 84,314.68 अंक के उच्चस्तर पर पहुंच गया था। निफ्टी 173.60 अंक बढ़कर 25,867.30 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''व्यापार समझौते से मिले सकारात्मक संकेतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी ने बाजार में जोखिम लेने की भावना को बढ़ावा दिया।

एमएसई के लिए गारंटीमुक्त ऋण सीमा बढ़कर 25 लाख हुई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि बैंक बेहतर पृष्ठभूमि और मजबूत वित्तीय स्थिति वाली सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों (एमएसई) को 25 लाख रुपये तक का गारंटीमुक्त ऋण दे सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने इसके लिए 'सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को ऋण' से संबंधित निर्देशों में संशोधन किया है। आरबीआई ने बताया कि मौजूदा नियमों में संशोधन कर सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए बिना गारंटी वाले ऋण की अनिवार्य सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। आरबीआई ने कहा, /''बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार, एमएसई इकाइयों के बेहतर पृष्ठभूमि और वित्तीय स्थिति के आधार पर, 25 लाख रुपये तक के ऋण के लिए 'गारंटी' की आवश्यकता को समाप्त करने की सीमा बढ़ा सकते हैं।/ इसके अलावा, बैंक जहां लागू हो वहां 'क्रेडिट गारंटी योजना' के कवर का लाभ भी उठा सकते हैं। संशोधित निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति बिना गारंटी वाली सीमा तक के ऋण के लिए अपनी मर्जी से सोना या चांदी गिरवी रखता है, तो इसे उपरोक्त नियमों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

दिल्ली को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के नशामुक्त अभियान द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता मिशन तथा एनएसएस अधिकारियों के लिए नशा मुक्त जागरुकता शिविर दिनांक 9.9.2026 को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के संकल्प लिया कि 2027 से पहले दिल्ली को नशा मुक्त बनाना है। और सतीश गोलछा, आईपीएस, पुलिस आयुक्त दिल्ली के नेतृत्व में नशा मुक्त हेतु समाज में जागरुकता फैलाने और उन्हें संलिप्त करने के लिए आवश्यक प्रयास करने के लिए निर्देशित किया।

राशिफल

मेष वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कीट 2025 बैच की शानदार सफलता

भुवनेश्वर। वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण जॉब मार्केट के बावजूद, कीट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने 2025 बैच के लिए कैंपस प्लेसमेंट में एक बार फिर अपनी शान/बर्चस्व बरकरार रखी है। विश्वविद्यालय ने करीब 92.5 प्रतिशत का ओवरऑल प्लेसमेंट दर्ज किया है, जो इसे देश के शीर्ष प्लेसमेंट देने वाले संस्थानों में शामिल करता है। 2025 के प्लेसमेंट सीज़न के दौरान 757 से अधिक कंपनियां कीट कैंपस पहुंचीं। करीब 5,000 योग्य छात्रों में से लगभग 4,621छात्र / छात्रा को जॉब ऑफर्स विभिन्न स्कूलों और विषयों में प्रस्तुत किये गए। कीट स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी रहा सबसे आगे- प्लेसमेंट ड्राइव में कीट स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने सबसे शानदार प्रदर्शन किया। यहां के 451

छात्रों को मिला 3,800 शीर्ष कम्पनीज से जॉब ऑफर्स मिले। औसत पैकेज 8.5 लाख रुपये प्रति वर्ष रहा, जबकि 739 छात्रों को कई अन्य ऑफर्स मिले। इस दौरान 1,500 से अधिक 'ड्रीम ऑफर्स' (उच्च पैकेज वाले) दिए गए और 59 कंपनियों ने 10 एलपीए या उससे अधिक का पैकेज ऑफर किया। सबसे अधिक 51 एलपीए का पैकेज माइक्रोसॉफ्ट ने दिया। वहीं, मास रिक्रूटर्स में टीसीएस (530 ऑफर्स) और विप्रो (342 ऑफर्स) ने बड़ी संख्या में शामिल है।

उत्तर रेलवे के कॉरिडोर में भीड़भाड़ कम करने हेतु 411.96 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने उत्तरी रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों में से एक पर भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से राजपुरा बाईपास लाइनके निर्माण को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी है। माननीय रेल मंत्री से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत रेल राज्य मंत्री श्रीरवनीत सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना की अनुमानित लागत 411.96 करोड़ रुपये है तथा इसे रेलवे बोर्ड की अनुशंसा के बाद स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने आगे बताया कि स्वीकृत कार्य के अंतर्गत न्यू शंभू समर्पित माल गलियारा डीफसी स्टेशन को मौजूदा राजपुरा-बठिंडा लाइन के काउली स्टेशन से जोड़ने हेतु 13.46 किलोमीटर लंबी बाईपास लाइन का निर्माण किया जाएगा। यह रणनीतिक संपर्क भारतीय रेल की "अम्ब्रेला वर्क 2025-26" योजना के तहत नई रेल लाइन परियोजनाओं का हिस्सा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में पूर्ण क्षमता पर संचालित हो रहे राजपुरा यार्ड पर दबाव कम करना है। श्री रवनीत सिंह ने यह भी कहा कि अंबाला-जालंधर खंड उत्तरी रेलवे नेटवर्क के सबसे व्यस्त कॉरिडोरों में से एक है। यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो वर्ष 2030-31 तक इस क्षेत्र में लाइन क्षमता उपयोग 165 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है, जो बढ़ते यातायात के कारण और भी अधिक दबाव उत्पन्न करेगा। नई बाईपास लाइन ट्रेनों को सीधी आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे वे राजपुरा यार्ड की भीड़भाड़ से पूरी तरह बच सकेंगी। इससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम एवं तीव्र होगी।

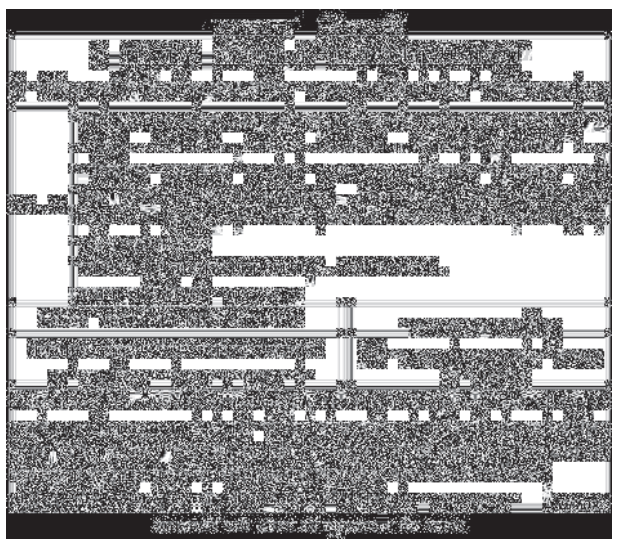

शब्द पहेली - 6134

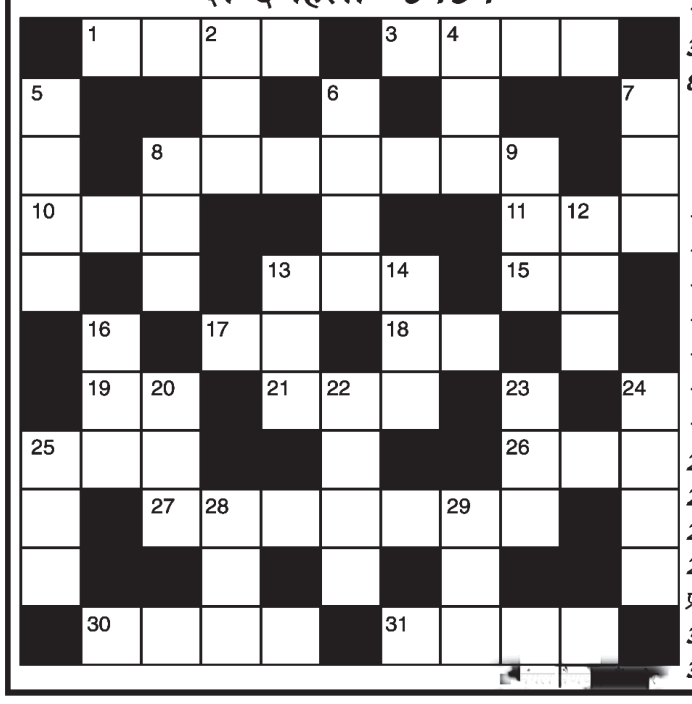

बाएँसेदाए±

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6133 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	या
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

स्कॉटलैंड का एसोसिएट टीमों में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाकर रचा कीर्तिमान

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया, जॉर्ज मुन्से का अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

टी20 विश्व कप के इतिहास में स्कॉटलैंड ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। एसोसिएट देश के रूप में स्कॉटलैंड ने टी20 विश्व कप की एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने की उपलब्धि यूएसए को पीछे छोड़ते हुए अपने नाम कर ली है। कोलकाता के ईडन गार्डन में सोमवार को हुए मुकाबले में स्कॉटलैंड ने इटली के खिलाफ टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 207 रन बनाए।

टी20 विश्व कप में किसी भी एसोसिएट देश का एक पारी में बनाया गया यह सबसे बड़ा स्कोर है। पूर्व में यह रिकॉर्ड यूएसए के नाम था। टी20 विश्व कप 2024 में यूएसए ने कनाडा के खिलाफ दूसरी पारी में 3 विकेट पर 197 रन बनाकर जीत हासिल की थी। इसी मैच में कनाडा ने पहली पारी में 194 रन बनाए थे। इटली को टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में 73 रन से हार का सामना करना पड़ा है। स्कॉटलैंड के दिए 208 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इटली 16.4 ओवर में 134 पर आउट हो गई।

इटली ने 17 गेंदों पर गंवाए आखिरी पांच विकेट

208 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और पहली ही गेंद पर जस्टिन मोस्का का विकेट गिर गया। इसके बाद विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। इटली ने अपने आखिरी 5 विकेट 17 गेंद के अंदर गंवाए। कप्तान वेन मैडसेन इंजरी की वजह से बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। इटली के लिए हैरी मैनेंटी ने 25 गेंद पर 3 छक्कों और 1 चौके की मदद से 37 रन बनाए, जबकि बेन मैनेंटी ने 31 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली। इन दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी हुई थी। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लिस्क सफलतम गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट लिए। मार्क वाट ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील, और ओलिवर डेविडसन ने 1-1 विकेट लिए।

लिस्क को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब

इसके पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 4 विकेट पर 207 तक रन बनाए थे। स्कॉटलैंड के लिए जॉर्ज मुन्से ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 54 गेंद पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 84 रन की पारी खेलकर आउट हुए। माइकल जोंस 30 गेंद पर 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा मैकमुलेन ने 18 गेंद पर 4 छक्कों की मदद से नाबाद 41 और लिस्क ने 5 गेंद पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 22 रन बनाए थे। माइकल लिस्क प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

आठवां मुकाबला

जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से हराया, बेनेट की शानदार बल्लेबाजी

कोलंबो। जिम्बाब्वे ने सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आठवें मुकाबले में ओमान के विरुद्ध 8 विकेट से जीत दर्ज की। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ओमान की टीम 19.5 ओवरों में 103 रन पर सिमट गई। कप्तान जतिंदर सिंह 1 चौके के साथ 5 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 27 के स्कोर तक अपने 5 विकेट खो दिए। यहां से विनायक शुक्ला ने सुफयान महमूद के साथ छठे विकेट के लिए 43 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही ओमान एक बार फिर से लड़खड़ा गई। विनायक 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि महमूद ने 25 रन की पारी खेली। इनके अलावा, नदीम खान ने 20 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजारबानी और ब्रैड इवांस ने 3-3 विकेट हासिल किए। एक विकेट सिकंदर रजा के हाथ लगा।

दक्षिण अफ्रीका ने कनाडा को 57 रन से हराया

अहमदाबाद। कप्तान एडेम मार्क्रम के शानदार अर्धशतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप ग्रुप डी के अपने पहले मैच में सोमवार को कनाडा को 57 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 214 रन बनाए। मार्क्रम ने 32 गेंद में दस चौकों और एक छक्के की मदद से 59 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम आठ विकेट पर 156 रन ही बना सकी। नवनीत धालीवाल ने 64 रन बनाये। कनाडा की शुरूआत काफी खराब रही और पहली ही गेंद पर कप्तान दिलप्रीत बाजवा आउट हो गए। लुंगी एनगिडि की गेंद पर विकेटकीपर क्विंटोन डिकॉक ने उनका कैच लपका। एनगिडि ने 31 रन देकर चार विकेट लिए। तीसरे ओवर में एनगिडि ने युवराज शर्मा और किर्टोन को आउट कर दिया। इस समय कनाडा का स्कोर तीन ओवर में तीन विकेट पर 26 रन था। धालीवाल और हर्ष ठाकेर (29 गेंद में 33) ने पांचवें विकेट के लिये 69 रन जोड़े लेकिन मार्को यानसेन ने 18वें ओवर में लगातार दो विकेट लेकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

खबर संक्षेप

25 से इंडिया नॉकआउट नाइट्स, गोयत ने मिलाया आईआईएस से हाथ

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय पेशेवर मुक्केबाज नीरज गोयत ने देश के मुक्केबाजों के लिए 'इंडिया नॉकआउट नाइट्स' शुरू करने के इरादे से बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) के साथ हाथ मिलाया है। यह प्रतियोगिता 25 फरवरी से शुरू होगी। तीन बार के डब्ल्यूबीसी एशियाई खिताब विजेता गोयत को इस पहल के लिए विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता निशांत देव का समर्थन मिला है, जो अब पेशेवर सर्किट में खेलते हैं।

सूर्यकुमार का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य

नई दिल्ली। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव की 'संयमित नेतृत्व क्षमता' की तारीफ करते हुए कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान के तौर पर वह सभी कसौटी पर खरे उतरते हैं और इससे उनका दबाव भरा काम थोड़ा आसान हो जाता है। गंभीर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है।

रणजी ट्राफी : कर्नाटक की सेमीफाइनल में एंट्री 42 बार की चैंपियन मुंबई बाहर, राहुल ने ठोका शतक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

लोकेश राहुल के 24वें प्रथम श्रेणी शतक की बदौलत कर्नाटक ने 42 बार के चैंपियन मुंबई को चार विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राहुल ने 182 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 130 रन की पारी खेली, जिससे कर्नाटक ने 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 325 रन बनाकर जीत दर्ज की । बेंगलुरु में अगले हफ्ते होने वाले सेमीफाइनल में कर्नाटक की भिड़ंत अब उत्तराखंड से होगी।

राहुल को रविचंद्रन स्मरण (नाबाद 83, 123 गेंद, 11 चौके) के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मैच के चौथे दिन चौथे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी करके कर्नाटक की

जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राहुल की पारी की बदौलत आठ बार का चैंपियन कर्नाटक लंच तक तीन विकेट पर 265 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में था। राहुल हालांकि लंच के तुरंत बाद तुषार देशपांडे का शिकार बने। देशपांडे और तनुष कोटियान ने इसके बाद कर्नाटक का स्कोर छह विकेट पर 285 रन कर दिया। बाइस साल के स्मरण ने इसके बाद अपना विकेट बचाने को तरजीह जबकि विद्याधर पाटिल ने 30 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 31 रन की पारी खेलकर कर्नाटक को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले राहुल ने अपनी पारी के दौरान काफी धैर्य दिखाया और कोटियान की गेंद पर चौके के साथ शतक पूरा किया।

शूट-ऑफ में गोल्ड से चूकीं मनु, ईशा ने जीता ब्रॉन्ज

नई दिल्ली। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं, जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा, जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली। फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे।

ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से की शुरुआत

ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया, जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाईं, जिससे अंतर कम हो गया।

बीसीसीआई ने कोहली, रोहित शर्मा को बी श्रेणी में खिसकाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीनियर सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को बीसीसीआई के ताजा सालाना केंद्रीय अनुबंध में अपेक्षा के अनुरूप बी श्रेणी में रखा गया है जबकि बोर्ड ने सात करोड़ की रिटेनरशिप वाली ए प्लस श्रेणी खत्म कर दी है। बीसीसीआई ने सोमवार को 30 पुरूष और 21 महिला क्रिकेटरों को ए, बी और सी श्रेणी के सालाना अनुबंध देने की घोषणा की। नये केंद्रीय अनुबंध संबंधित सत्र में खेले गए मैचों और प्रदर्शन के आधार पर दिये गए हैं। दो प्रारूप में कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट हरफनमौला रविंद्र जडेजा को ए श्रेणी में रखा गया है। कोहली और रोहित टेस्ट और टी20 से विदा लेने के बाद एक ही प्रारूप में खेलते हैं और इसलिये शीर्ष श्रेणी में नहीं रह सकते। समझा जाता है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के सुझाव पर प्रशासकों की समिति ने ए प्लस ग्रेड की शुरूआत की थी। यह तीनों प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों के लिये था और इतने वर्ष में सिर्फ कोहली, रोहित , जडेजा और बुमराह ही इस श्रेणी में रहे हैं। अब इनमें से तीन एक या दो प्रारूपों से विदा ले चुके हैं लिहाजा बोर्ड सिर्फ बुमराह को ए प्लस श्रेणी में नहीं रखना चाहता। गिल का सभी प्रारूपों में खेलना तय नहीं है और टी20 विश्व कप की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। पिछले चक्र में 34 खिलाड़ियों को अनुबंध दिये गए थे लेकिन इस बार सूची में 30 ही नाम हैं।

टीम इंडिया सालाना केंद्रीय अनुबंध (सीनियर पुरूष)

▶▶ग्रेड ए : शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा
▶▶ग्रेड बी : वॉशिंगटन सुंदर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर
▶▶ग्रेड सी : अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरूण चक्रवर्ती, नीतिश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साइ सुदर्शन, रवि बिश्नोई, रूतुराज गायकवाड़

सालाना केंद्रीय अनुबंध (सीनियर महिला)

▶▶ग्रेड ए : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स व दीप्ति शर्मा
▶▶ग्रेड बी : रेणुका ठाकुर, शेफाली वर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा
▶▶ग्रेड सी : राधा यादव, अमनजोत कौर, प्रतिका रावल, क्रांति गौड़, उमा छेत्री, अरूंधति रेड्डी, श्रीचरणी, यास्तिका भाटिया, हरलीन देयोल, काशवी गौतम, जी कमलिनी।

इटली को झटका, कप्तान मेडसन चोटिल, विश्वकप से हुआ बाहर

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इटली के मुख्य कोच जॉन डेविसन ने कहा है कि कप्तान वेन मेडसन का टीम के टी20 विश्व कप पदार्पण मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ 73 रन की हार के दौरान कंधा खिसकने के कारण लीग चरण के बाकी मुकाबलों में खेलना संदिग्ध है।

डेविसन ने कहा कि अनुभवी कप्तान अब भी टीम के साथ यात्रा कर सकते हैं और 'कोचिंग स्टाफ' के रूप में डगआउट में शामिल हो सकते हैं। मेडसन स्कॉटलैंड की पारी के चौथे ओवर में मिडविकेट पर बाउंड्री रोकने के प्रयास में चोटिल हो गए थे। वह सख्त अभ्यास पिच पर गिरे और तुरंत अपना कंधा पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। मेडसन बाद में मुकाबले से बाहर हो गए। फिजियो ने इसे वापस जगह पर कर दिया है लेकिन उन्हें यह देखने के लिए और स्कैन करवाने होंगे कि यह कितना गंभीर है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनका खेलना संदिग्ध होगा।

भारत को बड़ा झटका, बीडब्ल्यूएफ ने घटाई टूर्नामेंट व मैच की संख्या

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के सोमवार को घोषित भविष्य के कार्यक्रम में भारत को बड़ा झटका लगा है क्योंकि देश में होने वाले आयोजनों की संख्या चार से घटकर दो कर दी गई है, जिसमें इस साल आयोजन संबंधी समस्याओं के बावजूद इंडिया ओपन ने अपना सुपर 750 दर्जा बरकरार रखा है लेकिन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया। विश्व टूर कार्यक्रम से जिन टूर्नामेंटों को हटाया गया है उनमें गुवाहाटी और ओडिशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को 2023 में शुरू किया गया था। लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय का आयोजन राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन सैयद मोदी की स्मृति में होता है। यह साल 2018 से विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है। 2009 में ग्रां प्री टूर्नामेंट के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन अब अगले सत्र से सर्किट में शामिल आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा।

बीडब्ल्यूएफ ने हटाने का कारण नहीं किया स्पष्ट

बीडब्ल्यूएफ ने सैयद मोदी टूर्नामेंट के स्तर को कम करने या ओडिशा और गुवाहाटी के टूर्नामेंटों को कैलेंडर से हटाने के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं किए हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया ओपन को 2023 में सुपर 750 का दर्जा दिया गया था। वह अपनी ग्रेड दो, लेवल तीन स्थिति बनाए रखेगा और 2027-30 के नए चक्र में भी पांच सुपर 750 टूर्नामेंटों में शामिल रहेगा। इस साल इंडिया ओपन विवादों में भी रहा था। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने साफ-सफाई सहित आयोजन की अन्य खामियों की ओर इशारा किया था।

सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट: इंटर मिलान ने बनाई बढ़त, सासुओलो को हराया

एजेंसी ▶▶| रोम

इंटर मिलान ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे सासुओलो को 5-0 से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में अपनी बढ़त आठ अंक कर ली। यान बिसेक और मार्कस थुराम ने इंटर के लिए पहले हाफ में जबकि लोटारो मार्टिनेज, मैनुअल अकांजी और लुइ हेनरिक ने दूसरे हाफ में गोल दागे। इस जीत से इंटर मिलान के 24 मैच में 58 अंक हो गए हैं। एसी मिलान की टीम 23 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। टीम मिलाना कोर्टिना ओलंपिक के कारण इस सप्ताहांत नहीं खेली। इंटर मिलान की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत है। अन्य मुकाबलों में चौथे स्थान पर मौजूद यूवेंटस ने आठवें स्थान पर मौजूद लाजियो से 2-2 से ड्रॉ खेला जबकि पार्मा ने बोलोगना को 1-0 से हराया। लीस ने उडिनेस को 2-1 से शिकस्त दी।

इंग्लिश प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को दी शिकस्त, हैलेंड ने दागे गोल

एजेंसी ▶▶| लंदन

एर्लिंग हैलेंड के अंतिम लम्हों में पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लिवरपूल को 2-1 से हराकर खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। नॉर्वे के हैलेंड ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैनचेस्टर सिटी की टीम 25 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। अब उसके और शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल के बीच छह अंक का अंतर है। लीवरपूल को 74वें मिनट में डोमीनिक जोबोज्लाई ने बढ़त दिलाई थी, जिसके 10 मिनट बाद बर्नार्डो सिल्वा ने स्कोर 1-1 कर दिया। हैलेंड ने इसके बाद पेनल्टी पर गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। एक अन्य मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने ब्राइटन को 1-0 से हराकर 12 मैच से चले आ रहे जीत के इंतजार को खत्म किया।

एशियाई चैंपियंस लीग टू : अल-नासर को रोनाल्डो की वापसी की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| रियाद

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी अरब आने के बाद अब तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है लेकिन उनके क्लब अल-नासर को उम्मीद है कि 41 साल का यह दिग्गज बुधवार को मैदान पर वापसी कर अपनी टीम को ट्रॉफी के करीब पहुंचाने में मदद करेगा। अल-नासर का मुकाबला एशियन चैंपियंस लीग टू के क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की करने के लिए तुर्कमेनिस्तान के अर्कादाग से होगा। पुर्तगाल के फुटबॉल खिलाड़ी रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के पिछले दो मैचों में नहीं खेले। कुछ खबरों के मुताबिक वह क्लब की फंडिंग व्यवस्था से खुश नहीं थे। वह पिछले महीने ट्रांसफर विंडो में प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल से करीम बेंजेमा को मिले करार के मुद्दे पर खुश नहीं है। अल-नासर, अल-हिलाल, अल-इत्तिहाद और अल-अहली क्लब सऊदी अरब के सरकारी निवेश फंड के तहत आते हैं।

चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में एक बहुत सुरक्षित लैंडिंग की जगह खोज ली है

चंद्रयान-4 के लिए खुशखबरी-चांद पर सबसे सुरक्षित लैंडिंग होगी और मिट्टी के साथ चट्टानों के नमूने भी आएंगे भारत, रिसर्च को लगेंगे पंख

एजेंसी ▶▶ श्रीहरिकोटा

इसरो ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए जिस स्थान को चुना है, वह साधारण जगह नहीं बल्कि चंद्र सतह का बेहद महत्वपूर्ण इलाका है। साउथ पोल के निकट स्थित मॉन्स माउटन लगभग 6,000 मीटर ऊंचा पहाड़ है, जिसकी चोटी अपेक्षाकृत सपाट है और यही विशेषता इसे लैंडिंग के लिए उपयुक्त बनाती है। लंबे समय तक सूर्य की रोशनी, अपेक्षाकृत सुरक्षित भूभाग और संभावित वॉटर आइस की मौजूदगी इसे वैज्ञानिकों के लिए और भी आकर्षक बनाती है। लैंडिंग साइट की खोज में चंद्रयान-2 ऑर्बिटर एक बार फिर इसरो के लिए 'आई इन द स्काई' साबित हुआ। ऑर्बिटर हाई रेजोल्यूशन कैमरा द्वारा ली गई 32 सेंटीमीटर प्रति पिक्सल की सूक्ष्म तस्वीरों ने वैज्ञानिकों को छोटे क्रेटर, ढलान, बोल्डर और सतही संरचना को बेहद विस्तार से समझने में मदद की। यही विश्लेषण लैंडिंग साइट के चयन में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में एक बहुत सुरक्षित लैंडिंग जगह खोज ली है।

इस जगह को खोजने के लिए इसरो के स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से ली गई हाई रिज़ॉल्यूशन तस्वीरों की स्टडी की। मॉन्स मूटन नाम के पहाड़ के पास 1 वर्ग किलोमीटर का एक पैच सबसे अच्छा बताया गया है। यह भारत का पहला लूनर सैंपल रिटर्न मिशन होगा, यानी चांद से मिट्टी और पत्थर लाकर पृथ्वी पर वापस लाना।

पहली बार चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने पृथ्वी पर लेकर आएगा

हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरें गड्ढों, पत्थरों और ढलानों को बहुत साफ दिखाती हैं

लैंडिंग ही नहीं, सैंपल भी लेकर लौटेगा चंद्रयान-4

2104 करोड़ रुपये लागत वाला चंद्रयान-4 केवल चंद्रमा पर उतरकर वैज्ञानिक अध्ययन ही नहीं करेगा, बल्कि पहली बार चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने पृथ्वी पर लेकर आएगा। यह मिशन इसरो के सबसे जटिल और चुनौतीपूर्ण अभियानों में से एक है। दो अलग-अलग रॉकेट-एलवीएम-3 और पीएसएलवी-अपने अपने मॉड्यूल लेकर प्रक्षेपित होंगे। एक स्टैक उत्खनन और संग्रहण का कार्य करेगा, जबकि दूसरा सैंपल को पृथ्वी तक सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक मॉड्यूल लेकर जाएगा।

भारत के अंतरिक्ष विज्ञान का ऐतिहासिक कदम

चंद्रयान-4 सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि भारत के अंतरिक्ष विज्ञान की नई उड़ान का प्रतीक है। चंद्र सतह से सैंपल लाकर अध्ययन करना वैज्ञानिक खोजों के बिल्कुल नए क्षितिज खोलेगा। यह मिशन न केवल इसरो की तकनीकी क्षमता का प्रमाण होगा, बल्कि मानवता के चंद्र अध्ययन के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।

क्या फायदा?

ये हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरें गड्ढों, पत्थरों और ढलानों को बहुत साफ दिखाती हैं। इससे सटीक लैंडिंग का फैसला आसान होता है। अगर लैंडिंग साइट सिलेक्शन कमेटी मंजूरी देती है, तो यही जगह चंद्रयान-4 की लैंडिंग के लिए चुनी जाएगी। यह अध्ययन दिखाता है कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम कितना आगे बढ़ चुका है। चंद्रयान-4 सफल हुआ तो भारत चांद के रहस्यों को और करीब से समझ सकेगा। दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ भी हो सकती है, जो भविष्य के मिशनों के लिए जरूरी है। इसरो की यह तैयारी भारत को अंतरिक्ष की महाशक्ति बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

किसी को भी 'बाधा' डालने की अनुमति नहीं चुनाव में लगे अधिकारी डीईओ को रिपोर्ट करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में किसी को भी बाधा डालने की अनुमति नहीं देगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में आवश्यक आदेश या स्पष्टीकरण जारी करेगी। पीठ ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इनमें राज्य की सीएम ममता बेनर्जी की याचिका भी शामिल है, जिसमें एसआईआर अभ्यास के दौरान मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जाने की आशंका जाहिर की गई है। पीठ ने कहा कि हम किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं देंगे। राज्यों को यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया, जिसमें कुछ उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप लगाया गया है। उसने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उपद्रवियों के खिलाफ अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह संदेश जाना चाहिए कि भारत का संविधान सभी राज्यों पर लागू होता है।

पीठ ने कहा कि हम किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं देंगे। राज्यों को यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया, जिसमें कुछ उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप लगाया गया है

मामले में आवश्यक आदेश या स्पष्टीकरण जारी करेगी कोर्ट

उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप

निर्वाचन आयोग ही तय करेगा अधिकारियों की नियुक्ति

केंद्रीय चुनाव आयोग कार्यालय

शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से निर्वाचन आयोग को ग्रुप-बी के 8,505 अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराए जाने का संज्ञान लिया। उसने कहा कि इन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया में प्रशिक्षित और नियोजित किया जा सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में संशोधन के सिलसिले में अंतिम निर्णय हमेशा मतदाता सूची अधिकारियों द्वारा ही लिया जाएगा। इन 8,505 अधिकारियों की नियुक्ति का तरीका और कामकाज निर्वाचन आयोग द्वारा तय किया जाएगा।

दोनों पक्षों की शंका का समाधान हो

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) को रिपोर्ट करेंगे। कोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया। दरअसल, ममता बेनर्जी की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा, बीते 4 फरवरी को अदालत ने नोटिस जारी किया, जिसमें कई टिप्पणियां थीं। बीते हफ्ते में कई बदलाव हुए हैं। सुनवाई के दौरान ममता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने एसआईआर प्रक्रिया में सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और बड़े पैमाने पर योग्य मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर आशंकाएं व्यक्त कीं। दीवान ने पीठ से कहा कि हम नहीं चाहते कि मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर लोगों के नाम हटाए जाएं।

सीजेआई बोले- ये कोई बाजार नहीं

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी के हस्तक्षेप पर चीफ जस्टिस

सूर्यकांत ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि ये कोई बाजार नहीं है। कोर्ट में अनुशासन और गरिमा बनाए रखें। मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि मंदिरों की देखरेख करने वाले एक संगठन ने एक याचिका दायर की है। इस दलील पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, बारी-बारी से सुनते हैं। तल्ख लहजे में जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा- आप किसी बाजार में बैठे हैं या अदालत में हैं।

गुंडा राज अस्वीकार्य

दिल्ली की एक जिला अदालत में वकील और उसके मुवक्किल पर हुए हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। वकील ने कोर्ट को जानकारी दी कि हमलावरों ने कोर्ट रूम का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया था। उस समय जज और कोर्ट के कर्मचारी भी वहीं मौजूद थे। इस मामले पर सीजेआई ने कहा कि अगर पुलिस इस मामले में दखल नहीं दे रही है, तो यह कानून की अवहेलना है। सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना को गुंडा राज बताया और कहा कि ऐसी हरकतें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। बेंच ने वकील को निर्देश दिया कि वह सबसे पहले दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। कोर्ट ने साफ किया कि अदालत परिसर में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

एपस्टीन फाइल्स-10 देशों में इस्तीफे, 80 लोगों की जांच

यूएस से यूरोप तक असर, राजनेताओं और अरबपतियों,शाही परिवारों तक पहुंची जांच

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े सीक्रेट दस्तावेज सामने आते ही दुनिया भर में हड़कंप मच गया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने करीब 30 लाख पेज के डॉक्यूमेंट्स 30 जनवरी को जारी किए हैं।

इसके बाद 10 देशों में 15 से ज्यादा बड़े अधिकारियों को पद छोड़ना पड़ा है। 80 से ज्यादा ताकतवर लोगों पर जांच चल रही है। एपस्टीन खुलासे के बाद सबसे ज्यादा हड़कंप यूरोप में है। सबसे ज्यादा ब्रिटेन में 3 अधिकारियों को पद छोड़ना पड़ा। पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन, सलाहकार एडम पेरी और पीएम कीर स्टार्मर के चीफ

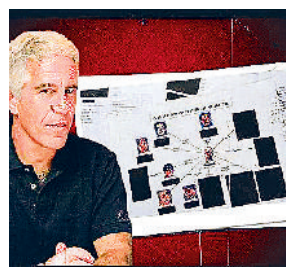

ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी ने इस्तीफा दिया। स्लोवाकिया में पूर्व विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मीरोस्लाव लाइचाक ने 300 से अधिक ईमेल और आपत्तिजनक चैट सामने आने पर इस्तीफा दिया। स्वीडन की सीनियर डिप्लोमेट जोआना रुबिनस्टीन ने पद छोड़ा। नॉर्वे की राजदूत मोना जूल, अमेरिका में लेबर मिनिस्टर एलेक्स एकोस्टा और एमआईटी लैब प्रमुख जोइची इतो ने इस्तीफा दिया।एपस्टीन फाइल्स कई देशों की सरकारों के लिए कूटनीतिक और राजनीतिक शर्मिंदगी का कारण बन गईं। सरकारों ने जांच के आदेश दिए हैं।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर को माफी मांगनी पड़ी, जबकि प्रिंस एंड्रयू के खिलाफ ब्रिटिश पुलिस ने नई फाइलों के आधार पर 'फ्रेश रिव्यू' शुरू किया। नॉर्वे में राजदूत मोना जुएल को निलंबित किया गया और पूर्व पीएम थोरबजॉर्न जगलैंड के खिलाफ भ्रष्टाचार जांच शुरू हुई। सीनियर डिप्लोमेट तेर्झे रोड-लार्सन पर भी जांच चल रही है। फ्रांस में पूर्व मंत्री जैक लैंग को आधिकारिक समन जारी हुआ।

दोहरा चेहराः एक तरफ कहते हैं हम डरने वाले नहीं, दूसरी तरफ बंकर में छिप रहे

हमारी नीतियां तय करने वाला अमेरिका कौन?

ईरान ने कहा-हम डरने वाले नहीं, यूरेनियम संवर्धन प्रोग्राम किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान ने अमेरिका के दबाव को सख्ती से खारिज करते हुए कहा है कि वो अपना यूरेनियम संवर्धन (यूरेनियम इनरिचमेंट) प्रोग्राम किसी भी हाल में नहीं छोड़ेगा, चाहे उसे सैन्य धमकियां मिलें या नए प्रतिबंध लगाए जाएं। तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान को डराकर उसकी परमाणु नीति नहीं बदली जा सकती और अमेरिका की मंशा पर हमें भरोसा नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब कई सालों बाद ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में बातचीत फिर से शुरू हुई है। ईरान चाहता है कि उस पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंध हटें, जबकि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक चाहता है। अराघची ने साफ कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान के लिए किसी भी हालत में समझौते का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश को यह अधिकार नहीं है कि वह ईरान को बताए कि उसे क्या करना चाहिए, भले ही युद्ध की धमकी क्यों न दी जाए।

अराघची

उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती, जैसे कि यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की मौजूदगी, ईरान को डराने में नाकाम रहेगी।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है और यह साफ नहीं है कि वाशिंगटन सच में डिप्लोमेटिक हल चाहता भी है या नहीं। उन्होंने दोहराया कि ईरान ऐसा कोई समझौता नहीं करेगा जो उसकी आजादी और सम्मान के खिलाफ हो।

ट्रंप की धमकियों के बीच 37 साल पुरानी परंपरा तोड़ी

अमेरिकी हमले के डर से अंडरग्राउंड होने को मजबूर ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई

अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ा दिया है। एक तरफ तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खाड़ी में अमेरिका की सैन्य ताकत को बढ़ा दिया है। वहीं दूसरी तरफ परमाणु वार्ता करने के लिए मजबूर कर दिया है। ऐसे में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने कथित तौर पर ईरानी वायु सेना कमांडरों के

खामेनेई

साथ हर साल 8 फरवरी को होने वाली बैठक में भाग न लेकर अपनी 37 साल पुरानी परंपरा को तोड़ दिया है। माना जा रहा है कि अमेरिकी हमले के डर से खामेनेई अंडरग्राउंड हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, खामेनेई ने 1989 में नेतृत्व संभालने के बाद से हर साल इस वार्षिक बैठक में भाग लिया है। यहां तक कि जब कोरोना महामारी आई थी, उस दौरान भी खामेनेई इसमें शामिल हुए थे। हर साल ईरान में 8 फरवरी को वायु सेना कमांडरों की बैठक होती है।

यह दिन 8 फरवरी 1979 की वर्षगांठ का प्रतीक है, जब ईरान वायु सेना अधिकारियों के एक समूह ने पहलवी राजवंश को उखाड़ फेंकने के लिए रुहोल्लाह खुमैनी के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा की थी।

खुमैनी ही इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक थे और खामेनेई के पहले ईरान के सुप्रीम लीडर थे। इन चार दशकों में, 8 फरवरी का यह दिन एक प्रतीक बन गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109